सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

मंगलवार, 23 जून, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 169, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 291 अंकों की उछाल

अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति की उम्मीद के बीच सेंसेक्स 291 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 90 अंक की बढ़त दर्ज की गई। } 10

राष्ट्रपति मुर्मू ने कूनो में चीता मित्रों से की बातचीत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता मित्रों से बातचीत कर दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वाले स्थलीय जीव चीते के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। } 10

लखनऊ में लगी आग, 15 की मौत

फोटो : समीर भटनागर

मोदी-योगी ने जताया दुख

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की राजधानी लखनऊ में तीन मंजिला एक व्यावसायिक भवन में आग लगने से कम से कम 12 छात्रों की मौत पर गहरा दुख जताया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता की भी घोषणा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आग लगने की घटना में हुई मौतों से बहुत दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायल लोग जल्द स्वस्थ हों। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

घायलों का हाल जानने केजीएमयू पहुंचे योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को एक व्यावसायिक इमारत में आग लगने की सूचना मिलने पर अलीगढ़ का अपना दौरा बीच में ही छोड़कर राजधानी लौटे और घटनास्थल का दौरा करने के साथ-साथ अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री सोमवार शाम को लखनऊ पहुंचने के बाद अलीगंज गए और प्रभावित इमारत का मुआयना किया और बाद में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) जाकर हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। उन्होंने इस घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्वाई का आश्वासन ...शेष पृष्ठ 10 पर

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊके अलीगंज इलाके में सोमवार को तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लगने के कारण झुलसने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर दुख जाहिर करते हुए मृतकों के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता देने का ऐलान किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। केजीएमयू के जनसंपर्क अधिकारी केके सिंह ने बताया ...शेष पृष्ठ 10 पर

दो सदस्यीय एसआईटी गठित, सात दिन में सौंपेगी रिपोर्ट

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ अग्निकांड प्रकरण पर देर रात उच्च स्तरीय बैठक की। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दो सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया गया। इस विशेष जांच दल में धर्मार्थ कार्य, पर्यटन/संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात तथा अपर पुलिस महानिदेशक, लखनऊ जोन प्रवीण कुमार को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने जांच दल को सात दिन के अंदर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि घटनास्थल के निरीक्षण, केजीएमयू में मृतकों के परिजनों से मिलने व घायलों का हालचाल जानने के बाद मुख्यमंत्री ने देर रात उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। इसमें मुख्यमंत्री ने घटना को लेकर काफी रोष जताते हुए दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल बनाया गया। इसके सदस्य 7 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

फायरकर्मी ने पेट शॉप से बिल्ली को सुरक्षित बचाया

संक्षेप

दो आरोपी गिरफ्तार चार अधिकारी सस्पेंड

लखनऊ। अलीगंज केकोचिंग सेंटर मेंहुए अग्निकांड केबाद प्रशासन ने देर रात त्वरित कार्यवाई करतेहुए दो आरोपियों वीरेन्द्र शुक्ला व तुशांक कृष्ण जयसवाल को गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीसरे आरोपी रामकृष्ण उपाध्याय को पुलिस कस्टडी में लिया गया है। इसके अतिरिक्त अनिल कुमार लखनऊ विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता प्रमोद पांडे, अवर अभियंता, एक्सीएन कलेक्शन गौरव कुमार व केके सिंह एफएसएसओ को सस्पेंड कर दिया गया है।

अपनों को खोने वालों की चीखों से छलकीं सबकी आंखें

विशेष संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज इलाके में सोमवार को एक व्यावसायिक इमारत में हुए भीषण अग्निकांड के दौरान फंसे लोगों के रोते-बिलखते परिजन के क्रंजन और बेबसी देखकर हर कोई मर्माहत हो उठा।

मौके पर चीखते-पुकारते लोगों को बचा ना पाने और उन्हें मरता देखने की लोगों की बेबसी देखकर हर कोई गमगीन हो गया। घटनास्थल पर दिल दहला देने वाले नजारे दिखे। कई महिलाएं अपने बच्चों से मदद की गुहार वाली फोन कॉल मिलने के बाद मौके पर पहुंचीं और पुलिसकर्मियों समेत हर किसी से अपने बच्चे की जान बचाने की मिन्नतें करती दिखीं। रोती-बिलखती एक महिला पुलिसकर्मियों से आग से घिरी इमारत के अंदर जाने देने की गुहार लगाते हुए कह रही थी, मुझे अपने बेटे के पास जाने दो। एक स्थानीय निवासी ...शेष पृष्ठ 10 पर

राजनाथ सिंह ने जाना घायलों का हाल

विशेष संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह घटना स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने मौके पर कोचिंग संस्थान की स्थिति के बारे में पूरी जानकारी ली। साथ ही यह समझा कि आखिरकार ये अग्निकांड कैसे हुआ है ? इस दौरान उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विधायक नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा रामचंद्र प्रधान, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ नीरज सिंह उपस्थित रहें। इससे पूर्व एक्स पर रक्षामंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	40.06 डिसे.
न्यूनतम	:	30.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- उत्सव को उपद्रव में बदलना था सपा का काम: सीएम (पृष्ठ-02)
- यूपी में बढ़े पर्यटक, होम स्टे नीति में बड़ा बदलाव (पृष्ठ-02)
- रुपया 34 पैसे टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर (पृष्ठ-10)
- आधार ऐप पांच माह में 3.1 करोड़ बार डाउनलोड (पृष्ठ-10)
- यात्रा बुकिंग के दबाव से साइबर हमलों में इजाफा (पृष्ठ-10)

विशेष खबर — तकरोही की घनी बस्ती में गैस चूल्हा गोदाम में आग लगने से मासूम बच्चे समेत पांच लोगों की जिंदा जलने से हुई थी मौत

लखनऊ में हुए जानलेवा और भीषण अग्निकांड

17 मई 2025 : चारबाग के मोहन होटल में आग, 30 लोग बचे

02 मई 2022 : लाटूश रोड पर जानकी बाजार इलेक्ट्रानिक्स दुकानों व गोदाम में भीषण आग। आठ घंटे बाद आग पर काबू पाया गया।

01 अप्रैल 2022 : गुईन रोड पर तीन मंजिला काम्प्लेक्स में स्टेशनरी शाप व गोदाम में भीषण आग लगी थी।

12 अप्रैल 2022 : गोमतीनगर, सेवी ग्रैंड होटल में भीषण आग लगी, 100 लोग फंसे।

अग्निकांड में कर्मचारियों और आगंतुकों समेत करीब 100 लोग फंस गए थे। होटल बिना फायर एनओसी के चल रहा था।

07 मार्च 2022 : अमीनाबाद में पेंट की दुकान में भीषण आग।

24 मार्च 2021 : गड़बड़झाला बाजार में प्लास्टिक के सामान की चार दुकानें जलीं।

दो अप्रैल 2021 : ऐशबाग में अवैध आरा मशीन में अग्निकांड के दौरान मजदूर की जिंदा जलकर मौत।

23 जनवरी 2021 : आलमबाग पकरी का पुल के पास घर के बेसमेंट में बने टेंट गोदाम में आग लगने से दो मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हुई।

छह मार्च 2021 : बीकेटी में बिंदेश्वरी कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस रिसाव से दो मजदूरों की मौत और आधा दर्जन से अधिक घायल हुए।

30 अप्रैल 2019 : देर रात इंदिरानगर के तकरोही में घनी बस्ती में बने टीएन सिंह के मकान में संचालित गैस चूल्हा गोदाम में आग लगी थी। इसमें एक मासूम बच्चे समेत पांच लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई थी।

04 अप्रैल 2018 : हुसैनाबाद की फातिमा कालोनी में रिहायशी इलाके में स्थित एक गैस वेल्डिंग और लोहे की टंकी बनाने वाले कारखाने में गैस रिसाव से करीब सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

अलीगढ़ का दौरा छोड़कर मौके पर पहुंचे सीएम योगी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य की राजधानी के अलीगंज इलाके में सोमवार को एक इमारत में भीषण आग लगने की सूचना मिलने के बाद अपना अलीगढ़ का दौरा बीच में ही छोड़कर लखनऊ लौट आये। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ के अलीगंज इलाके में तीन मंजिल की एक इमारत में लगी भीषण आग में कम से कम 15 छात्रों के मारे जाने की पुष्टि कर दी है। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक आदित्यनाथ ने लखनऊअग्निकांड की सूचना मिलने पर सोमवार शाम अपना अलीगढ़ दौरा बीच में ही निरस्त कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान ही इस हादसे की जानकारी मिली, इसके तत्काल बाद मुख्यमंत्री राजधानी लखनऊ के लिए रवाना हो गये। उन्होंने बताया कि अलीगढ़ में आयोजित लोकार्पण, शिलान्यास कार्यक्रम में संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने जनसमूह से कहा मेरी इच्छा थी कि यहीं रहूं लेकिन अभी-अभी जानकारी मिली है कि लखनऊ में एक दुर्घटना हुई है और कुछ बच्चे अग्निकांड की चपेट में आए हैं। इसमें कुछ बच्चों की दुखद मौत हो गई है। प्रशासन राहत कार्यों में लगा है। मुझे भी इस दुखद घटना के कारण तत्काल वापस लखनऊ ...शेष पृष्ठ 10 पर

उत्सव को उपद्रव में बदलना ही सपा का कामः सीएम

हमारी नीयत साफ है, इसलिए नीति व नियंता भी मार्ग प्रशस्त करते हैं

विशेष संवाददाता (vol)

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास नहीं है। समाज को बांटना, सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करना, गुंडागर्दी-माफियागिरी को प्रोत्साहित करना, गरीब कल्याण के कार्य न होने देना, विकास योजनाओं में रोड़े अटकाना और त्योहारों के पहले उत्सव को उपद्रव में बदल देना ही उसका काम रहा है। यूपी में 2017 के पहले के हालात किसी से छिपे नहीं हैं। लेकिन, जनता के आशीर्वाद से डबल इंजन सरकार आज विकास व विरासत की यात्रा को बढ़ा रही है। यूपी अब अच्छी कानून व्यवस्था तथा विकास परियोजनाओं से पहचाना जा रहा है।

मुख्यमंत्री सोमवार को कांच नगरी में 658 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 81 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इनमें टुंडला की 452 करोड़ और शिकोहाबाद की 206 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा नीम करोली की जन्मस्थली पर नागरिकों को विकास परियोजनाओं की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इसके पीछे हमारे विधायकों की मेहनत है। शिकोहाबाद के विधायक भी हमारी तरह काम करते तो यह संख्या बढ़ सकती थी।

सीएम ने कहा कि डबल इंजन सरकार ह्यएक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक कुजीन, ह्यएक जिला-एक मेडिकल कॉलेज दे रही है, जबकि सपा एक जिला-एक माफिया देती थी। हर जिले का चिह्नित माफिया जमीन पर कब्जा, गुर्गों के जरिए व्यापारियों से वसूली कर अराजकता पैदा करता था। प्रदेश को तबाह करने वाले माफिया सीना तानकर उपद्रव करते थे, लेकिन अब यूपी माफिया, गुंडा, उपद्रव मुक्त है। नो कर्फ्यू-नो दंगा, यूपी में है सब चंगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि यह पार्टी रामनवमी का विरोध करती थी। कांवड़ यात्रा व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उत्सवों पर रोक लगाती थी। गरीब को आवास, आयुष्मान, एलपीजी सिलेंडर, शौचालय आदि की कोई सुविधा नहीं देती थी। बिजली भी नहीं थी, क्योंकि सपा व कांग्रेस के लोग अंधेरे में रहकर डकैती डालते थे। ये लोग गरीब को तबाह करते थे।

रक्षा उत्पादन का बड़ा केंद्र बनेगा अलीगढ़

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास की प्रक्रिया न रुकेगी, न थमेगी, बल्कि निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार इसी संकल्प के साथ कार्य कर रही है। मोदी जी ने अलीगढ़ के लिए डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की स्वीकृति देकर जनपद को नई दिशा दी है। अब अलीगढ़ रक्षा उत्पादन व आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। सीएम योगी ने राष्ट्रनायक राजा महेंद्र प्रताप सिंह तथा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

मुख्यमंत्री सोमवार को अलीगढ़ एवं कोल तथा नगर निगम की 462 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 85 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए। इस दौरान सीएम योगी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सीएम योगी ने इन विकास योजनाओं के लिए जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद और अलीगढ़ के लोगों को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अलीगढ़ में विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने, नए विकास कार्यों को स्वीकृत करने तथा वर्तमान परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। बाबा खेरेश्वर महादेव, बाबा अखिलेश्वर महादेव और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़े सभी पौराणिक स्थलों ने अलीगढ़ को एक अलग पहचान दी है। राष्ट्रनायक राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने वर्ष 1915 में अफगानिस्तान से भारत की निर्वाचित सरकार का गठन कर आजादी का शंखनाद किया था। सीएम योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय कल्याण सिंह (बाबूजी) का स्मरण करते हुए कहा कि एक सामान्य किसान परिवार में जन्म लेकर उन्होंने स्वतंत्र भारत में अलीगढ़ को नई पहचान दिलाने का कार्य किया। सीएम योगी ने कहा कि कोल और नगर विधानसभा क्षेत्र को विकास परियोजनाओं का बड़ा उपहार मिला है।

अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं, आरोपियों पर तत्काल करें कार्रवाई : योगी

- मथुरा से आए वृद्ध की शिकायत पर सीएम योगी ने डीएम को दिया निर्देश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए हर फरियादी से एक-एक कर मुलाकात की। उनका प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने सभी शिकायतों के उचित व समयबद्ध निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया।

वहीं अतिक्रमण की शिकायत पर मुख्यमंत्री सख्त हुए और तत्काल इसकी जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में मथुरा से एक वृद्ध भी शिकायत लेकर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि चकरोड पर अतिक्रमण कर लिया गया है। इसकी शिकायत स्थानीय स्तर पर की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुई। इस पर मुख्यमंत्री ने सख्त रूख अपनाते हुए जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्वयं मौके पर जाएं और यथास्थिति देखें। अतिक्रमण होने की स्थिति में इसे तत्काल हटाएं और दोषियों पर कार्रवाई करें। सीएम ने फिर कहा कि अतिक्रमण की शिकायत कतई बर्दाश्त नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, विकास प्राधिकरण समेत जिम्मेदार संस्थाएं नियमित रूप से इसकी मॉनिटरिंग भी करती रहें। ह्यजनता दर्शनह्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता, बिजली के तार, पुलिस, राजस्व से जुड़े प्रार्थना पत्र भी आए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रार्थना पत्र लेकर पीड़ितों की बातें सुनीं, फिर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार जनता से जुड़ी हर मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है। आप सभी की समस्याओं का भी समाधान होगा। किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है, सरकार हर परिस्थिति में 25 करोड़ प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है। सीएम ने भीषण गर्मी में आए फरियादियों का सबसे पहले हालचाल जाना, फिर उनकी समस्याएं पूछीं।

प्लाईवुड उद्योग के लिए नयी नीति लायेगी सरकार

- निवेशकों से संवाद में उद्योग-अनुकूल नीति और क्लस्टर विकास का आश्वासन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश सरकार प्लाईवुड और एग्रोफॉरेस्ट्री उद्योग के विकास के लिए नई नीति तैयार करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसी दिशा में रविवार को लखनऊ स्थित इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 100 प्लाईवुड उद्योग प्रतिनिधियों और संभावित निवेशकों के साथ उच्चस्तरीय निवेश संवाद आयोजित किया गया।

बैठक में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) दीपक कुमार ने कहा कि राज्य सरकार प्लाईवुड एवं एग्रोफॉरेस्ट्री उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धी और भविष्य उन्मुख पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश जल्द ही इस क्षेत्र के लिए समर्पित नीति तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इसके लिए पड़ोसी राज्यों की नीतियों का भी अध्ययन किया जाएगा ताकि उद्योग को अधिक अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण के लिए गठित होने वाली समिति में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप निर्णय लिए जा सकें।

इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरन आनंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे प्रतिस्पर्धी निवेश स्थलों में शामिल है। राज्य की 36 से अधिक सेक्टोरल नीतियां, पूंजीगत सब्सिडी, भूमि आधारित प्रोत्साहन और रोजगार सहायता योजनाएं निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार शीघ्र ही भूमि बैंक से चार से पांच औद्योगिक क्लस्टरों की पहचान कर उन्हें क्लस्टर आधारित विकास के लिए आरक्षित करेगी। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराने और छह माह के भीतर आवंटन सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया जाएगा।\

बैठक में प्लाईवुड फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने उद्योग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और सुझावों को रखा। उन्होंने ओडीओपी की तर्ज पर ह्लवन इंडस्ट्रियल पार्कह्व मॉडल विकसित करने तथा एग्रो आधारित उद्योगों के लिए अलग नीति बनाने का प्रस्ताव दिया। आईआईडीसी दीपक कुमार ने आश्वासन दिया कि उद्योग जगत द्वारा दिए गए सभी सुझावों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखा जाएगा और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम के तहत निवेशक प्रतिनिधिमंडल 23 जून को हरदोई के संडीला क्षेत्र का दौरा कर वहां उपलब्ध भूमि, आधारभूत संरचना और औद्योगिक संभावनाओं का आकलन करेगा। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से प्रदेश में नए निवेश, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

सड़क हादसों को रोकने के लिए तय होगी वाहनों की गति सीमा

- आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञों और परिवहन विभाग ने मिलकर तैयार किया उत्तर प्रदेश स्पीड मैनेजमेंट पॉलिसी का ड्राफ्ट
- शहरों के अंदर और ग्रामीण इलाकों में निर्धारित होगी गति सीमा
- ड्राफ्ट में संशोधन के बाद अंतिम मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजने की तैयारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार सड़क सुरक्षा को लेकर कई अभियान चला रही है। सड़क हादसों को रोकना योगी सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। इसी क्रम में आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञ और उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग मिलकर ह्यउत्तर प्रदेश स्पीड मैनेजमेंट पॉलिसीह्व पर काम कर रहे हैं। इसके तहत हाईवे और एक्सप्रेसवे की तरह ही शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर भी वैज्ञानिक आधार पर गति सीमा निर्धारित करना है। इस पहल का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों की रोकथाम कर लोगों को सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है। पॉलिसी का फाइनल ड्राफ्ट जल्द ही प्रदेश सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

हाल में उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन की अध्यक्षता में स्टेट रोड सेफ्टी टेक्निकल एडवाइजरी कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञों द्वारा तैयार उत्तर प्रदेश स्पीड मैनेजमेंट पॉलिसी के ड्राफ्ट पर विस्तृत चर्चा हुई। नीति का उद्देश्य वैज्ञानिक और एविडेंस-बेस्ड अप्रोच के माध्यम से सड़कों पर सुरक्षित गति सुनिश्चित करना और दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर को कम करना है। इसके तहत केवल राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे ही नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्रों की व्यस्त सड़कों, बाजारों, स्कूल-कॉलेजों के आसपास के मार्गों तथा ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के लिए भी उपयुक्त गति सीमा तय की जाएगी। इससे अनियंत्रित गति पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी।

आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञों और परिवहन विभाग ने इस पॉलिसी के लिए प्रदेशभर में विस्तृत अध्ययन किया है। तैयार किए गए पॉलिसी ड्राफ्ट पर चर्चा के दौरान परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं, जिन्हें शामिल करते हुए संशोधन किया जाएगा। इसके बाद परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश स्पीड मैनेजमेंट पॉलिसी को प्रदेश सरकार के पास अंतिम मंजूरी के लिए भेजेगा। मंजूरी मिलने के बाद यह पॉलिसी प्रदेश के विभिन्न विभागों के सहयोग से लागू की जा सकती है।ि

वशेषज्ञों का मानना है कि सड़कों की प्रकृति और यातायात घनत्व के अनुरूप गति सीमा तय होने से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और लोगों की जान बचाने में मदद मिलेगी। वहीं विभाग सेफ सिस्टम अप्रोच के तहत सुरक्षित सड़कें, सुरक्षित गति, सुरक्षित सड़क यात्री, सुरक्षित वाहन और पोस्ट-क्रैश केयर पर भी ध्यान दे रहा है। साथ ही सुरक्षित गति ऑडिट, प्रवर्तन व्यवस्था, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, वाहन फिटनेस निरीक्षण, जनजागरूकता अभियान के जरिए भी सुरक्षित यातायात सुनिश्चित कर रहा है।

जांच की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से हाईकोर्ट का इनकार

राम मंदिर चढ़ावा विवाद

विधि संवाददाता

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सोमवार को अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे को लेकर उठे हालिया विवाद की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर क्रम से हटकर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अवकाशकालीन पीठ के न्यायमूर्ति पंकज भाटिया और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय ने मौखिक रूप से कहा कि मामले में कोई ऐसी आपात स्थिति नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार पहले ही इस प्रकरण का संज्ञान ले चुकी है।

यह टिप्पणी उस समय की गई जब याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने मामले की तात्कालिकता का हवाला देते हुए अदालत के समक्ष इसका उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। हालांकि, पीठ ने यह कहते हुए अनुरोध ठुकरा दिया कि उसके समक्ष पहले से बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं और इस याचिका को क्रम से हटकर सुनने का कोई औचित्य नहीं है। पीठ ने यह भी मौखिक रूप से कहा कि चूंकि राज्य सरकार इस मामले में पहले ही हस्तक्षेप कर चुकी है, इसलिए तत्काल सुनवाई की कोई विशेष आवश्यकता नहीं है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को खंडपीठ के समक्ष 529 नए मामले सूचीबद्ध थे। मोहित अशोक की यह जनहित याचिका ताजा मामलों की सूची में क्रम संख्या 392 पर दर्ज थी। अब यह याचिका नियमित क्रम में सुनवाई के लिए अब बुधवार को सूचीबद्ध की गई है। उस दिन यह 530 नए मामलों में क्रम संख्या 323 पर है। याचिका में राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए धन के कथित गबन की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही पूरे मामले का भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से ऑडिट कराने का भी अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता ने मंदिर को प्राप्त दान राशि के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है और मंदिर निधि के संचालन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है।

यूपी में बढ़े पर्यटक, होम स्टे नीति में बड़ा बदलाव

- अब 8 कमरे तक होंगे पंजीकृत बीएंडबी और होम स्टे इकाइयों के लिए ऑटो रिन्यूअल की सुविधा शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रही पर्यटन गतिविधियों और पर्यटकों की संख्या को देखते हुए योगी सरकार ने बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होम स्टे नीति-2025 में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। नई व्यवस्था के तहत होम स्टे और बीएंडबी इकाइयों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को पहले से और आसान बनाया गया है। साथ ही पंजीकृत इकाइयों को ऑनलाइन स्वतः नवीनीकरण (ऑटो रिन्यूअल) की सुविधा भी प्रदान की गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि संशोधित नीति के अनुसार शहरी क्षेत्रों में संचालित होम स्टे इकाइयों में अब न्यूनतम एक और अधिकतम आठ कमरे (16 बेड) पंजीकृत कराए जा सकेंगे। पूर्व में अधिकतम 6 कमरों को ही किराये पर दिए जाने की व्यवस्था थी। यह भी साफ किया गया है कि शहरी इलाकों में होम स्टे ऐसी रिहायशी प्रॉपर्टी में चलने चाहिए जो या तो आवेदक की अपनी हो या फिर विकास प्राधिकरण से लीज पर ली गई जमीन पर बनी हो।

प्रॉपर्टी के मालिक या उनके परिवार के सदस्यों का वहीं रहना जरूरी है। बीएंडबी श्रेणी के अंतर्गत आवासीय अथवा लीज पर लिए गए भवनों में अधिकतम 8 कमरे पंजीकृत किए जा सकेंगे। ऐसी इकाइयों में घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों को आवास के साथ नाश्ता और भोजन की सुविधा कराई जाएगी। इकाई में केयरटेकर का निवास अनिवार्य होगा और लीज पर लिए गए भवन की लीज न्यूनतम तीन वर्ष होनी चाहिए। 16 बेड वाली डॉरमेट्री भी इस श्रेणी में पात्र मानी जाएगी। उन्होंने बताया कि आठ कमरों से अधिक क्षमता वाले आवासीय भवनों, होटल, मोटल और गेस्ट हाउस जैसी इकाइयों को योजना के अंतर्गत पंजीकृत नहीं किया जाएगा।

आरक्षण दिवस पर कांग्रेसी करेंगे भागीदारी न्याय सम्मेलन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एससी एवं ओबीसी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती आरक्षण दिवस के अवसर पर भागीदारी न्याय सम्मेलन के रूप में मनाया जायेगा। इस अवसर पर आरक्षण दिवस 26 जून की पूर्व संध्या पर 25 जून को लखनऊ में भागीदारी न्याय महासम्मेलन के रूप में मनाया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, मनोज यादव, तनुज पुनिया, शालिनी सिंह, जितेंद्र पटेल, अनूप वर्मा सहित महत्वपूर्ण नेता उपस्थित रहे। आरक्षण दिवस पर एससी और ओबीसी डिपार्टमेंट संयुक्त रूप से पदयात्रा और कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

कार्यक्रम की तैयारी में जुटे ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि आज जब आरएसएस बीजेपी सत्ता पाकर जनता के हक अधिकार कुचलने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं तब शाहूजी महाराज का शासन एक प्रेरणा देने वाला है कि नागरिक को सामाजिक -आर्थिक रूप से मजबूत करना शासन का प्रथम और अंतिम उद्देश्य होना चाहिए बजाय सत्ता भोगने के। मोदी के शासन में बिना कोई उत्पाद का अविष्कार किए सिर्फ सरकार की कृपा से ही अडानी-अम्बानी प्रतिदिन हजारों करोड़ रुपये कमा रहे हैं जबकि देश के युवा आज छोटी-छोटी नौकरियों के लिए बीजेपी सरकार से उम्मीद छोड़ दिया है, सड़कों पर लाठियां खा रहा है।

\ कार्यक्रम में अनिल जयहिंद, राष्ट्रीय चेयरमैन, राजेंद्र पाल गौतम, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एससी विभाग, अविनाश पांडे , अजय राय, प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, आराधना मिश्रा मोना, नेता विधानमंडल दल कांग्रेस, वीरेंद्र चौधरी विधायक, राकेश राठौर सांसद -सीतापुर, अजय कुमार लल्लू आदि मौजूद रहेंगे।

शिक्षा सुधारों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उप्र में शिक्षा सुधारों को नई पहचान दिलाने के लिए योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से संबद्ध प्रतिष्ठित अवार्ड फॉर इनोवेशन एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन के लिए प्रदेश में चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

इस राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए प्रदेश से 4 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) और 6 खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) का चयन किया जाएगा। चयन उन अधिकारियों का होगा जिन्होंने शिक्षा प्रशासन में नवाचार, सुशासन, अधिगम सुधार, प्रभावी प्रबंधन और जनभागीदारी के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अपर राज्य परियोजना निदेशक प्रेम रंजन सिंह की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार सभी जनपदों से ऐसे अधिकारियों का विवरण मांगा गया है, जिनके प्रयासों से विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, विद्यालय प्रबंधन, सामुदायिक सहभागिता तथा शैक्षणिक वातावरण में सकारात्मक बदलाव आया हो। यह पुरस्कार शिक्षा प्रशासन में उत्कृष्ट कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के साथ-साथ नवाचार आधारित कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने का माध्यम बनेगा। चयनित अधिकारी राष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे और राज्य में लागू शिक्षा सुधारों की सफलता को प्रस्तुत करेंगे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में निपुण भारत मिशन, मिशन प्रेरणा, बाल वाटिका, विद्यालय कायाकल्प, स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल शिक्षण संसाधन और शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से बुनियादी शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। इन योजनाओं को सफल बनाने में जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल न केवल उत्कृष्ट अधिकारियों को राष्ट्रीय पहचान दिलाएगी।

अखिलेश ने रवि सिंह से की भेंट

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से सोमवार को सोनभद्र के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि सिंह यादव ने भेंट कर आशीर्वाद लिया। अखिलेश यादव ने रवि के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यूरोप के देश रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में आयोजित 8वीं वर्ल्ड क्वान की डो चैंपियनशिप जो 20 मई से 24 मई तक हुई, ये रजत पदक जीतकर पूरे भारत, विशेष कर उत्तर प्रदेश और सोनभद्र जिले का नाम रोशन किया है। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में 37 देशों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। रवि सिंह उत्तर प्रदेश के पहले क्वान की डो खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रवि सिंह ने इससे पूर्व भी ताइक्वांडो में थाईलैंड देश में कांस्य मेडल जीता था और नेपाल देश में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम लगातार रोशन कर चुके हैं।

एकेटीयू के छात्र नई तकनीक से बना रहे प्रोजेक्ट

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अपने छात्रों को नई उभरती तकनीकी में दक्ष बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। छात्रों को न केवल विशेषज्ञों से मार्गदर्शन मिल रहा है बल्कि ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज में स्थापित प्रदेश की पहली इंफोसिस मेकर्स लैब एवं लैब ऑन व्हील में संबद्ध संस्थानों के बीटेक के छात्रों के लिए चार सप्ताह का विशेष इंटर्नशिप सोमवार से शुरू हो गया। इस इंटर्नशिप में भाग लेने के लिए पूरे प्रदेश से 9 हजार से ज्यादा छात्रों ने आवेदन किया था। जिसमें से मूल्यांकन के बाद 85 छात्रों को प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया। प्रशिक्षण के पहले दिन छात्रों को इंफोसिस के विशेषज्ञों ने मेकर्स लैब एवं बस में अत्याधुनिक कम्प्यूटर्स पर छात्रों को समस्याआधारित प्रोजेक्ट के बारे में बताया। छात्रों को चार सप्ताह के दौरान ऑटोनॉमस व्हीकिल, रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन, थ्री डी डिजाइन एंड डिजिटल मैनुफैक्चरिंग, अर्डिनो प्रोग्रामिंग एंड आईओटी, ऑटोनॉमस रोबोटिक्स एंड एआई प्रोग्रामिंग सहित अन्य नई तकनीकी के बारे में प्रैक्टिकल कराया जाएगा। ताकि छात्र नई तकनीकी के जरिये प्रोजेक्ट तैयार कर सकें। प्रशिक्षण ले रहे ज्यादातर छात्र अंतिम वर्ष के हैं। ऐसे में इस इंटर्नशिप का फायदा छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट में भी मिलेगा। यह इंटर्नशिप 22 जून से 18 जुलाई तक चलेगा। इंटर्नशिप का संयोजन डीन एकेडमिक्स कैस डॉ. अनुज कुमार शर्मा कर रहे हैं।

बीटेक में प्रवेश के लिए 90 हजार से अधिक ने कराया पंजीकरण

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध इंजीनियरिंग कॉलेजों के बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चल रही पंजीकरण प्रक्रिया में 22 तक करीब 90 हजार से अधिक , अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। यूपीटीएसी के समन्वयक प्रो. ओपी सिंह के अनुसार अब तक 80 हजार से अधिक ने अपार आईडी वेरिफाई करा लिया है। वहीं 64 हजार ने पेमेंट किया है। पंजीकरण तिथि बढ़ने पर भी विचार चल रहा है।

यूपीएससी-पीसीएस कोचिंग के लिए अतिथि प्रवक्ता व मेंटरों के मांगे आवेदन

- अंतिम तिथि 06 जुलाई तय

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आदर्श पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, अलीगंज में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) एवं उप्र लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए अतिथि प्रवक्ता (गेस्ट फैकल्टी) एवं मेंटरों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 6 जुलाई तक आवेदन ई-मेल adarshkendra@gmail.com पर भेज सकते हैं। आवेदन अलीगंज स्थित प्रशिक्षण केंद्र कार्यालय में भी जमा कर सकते हैं।

समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामान्य अध्ययन के अन्तर्गत इतिहास, भूगोल, भारतीय राजव्यवस्था, भारतीय अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय संबंध, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, एथिक्स, समसामयिकी, सामान्य हिन्दी, उत्तर प्रदेश विशेष तथा सी-सैट सहित विभिन्न विषयों के अध्यापन के लिए अनुभवी विषय विशेषज्ञों का पैनल तैयार किया जाएगा। अतिथि प्रवक्ता पद के लिए ऐसे अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं, जिनके पास निजी कोचिंग संस्थानों में कम से कम तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव हो तथा उन्होंने संबंधित विषय में परास्नातक उपाधि प्राप्त की हो। नेट, जेआरएफ अथवा पीएचडी कर रहे अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

इसके अलावा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कार्यरत अथवा सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक तथा यूपीएससी या यूपीपीएससी मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी आवेदन के पात्र होंगे। चयनित अतिथि प्रवक्ताओं को 90 मिनट के प्रत्येक व्याख्यान के लिए दो हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। समाज कल्याण विभाग ने प्रशिक्षण केन्द्र में अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन के लिए मेंटरों के चयन की भी व्यवस्था की है।

जीवन मूल्यों के संरक्षण में संतों का योगदान अतुलनीय : धामी

- हरिद्वार में आयोजित धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में संस्कृति, विरासत और जनजागरण पर दिया विशेष बल

प्रमुख संवाददाता

हरिद्वार। हरि सेवा आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ और संत सम्मेलन के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संत परंपरा भारतीय संस्कृति की आधारशिला रही है। संतों ने सदियों से समाज को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देने के साथ-साथ नैतिकता, मानवता और राष्ट्रहित के मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक कथाएं और आध्यात्मिक आयोजन केवल श्रद्धा और आस्था के कार्यक्रम नहीं होते, बल्कि ये समाज में सकारात्मक सोच और आदर्श जीवनशैली को विकसित करने का माध्यम भी हैं। ऐसे आयोजनों से लोगों में सेवा, त्याग, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन ज्ञान परंपरा और संत-महापुरुषों के आदर्शों से निर्मित हुई है। इतिहास के विभिन्न चरणों में संतों ने समाज को एकजुट करने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और राष्ट्रहित की चेतना को सुदृढ़ करने का कार्य किया है। उनके

विचार आज भी समाज को प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देशभर में मंदिरों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं विकास के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से धार्मिक स्थलों की सुविधाओं में वृद्धि हुई है और भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं का अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव भी बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार देवभूमि की धार्मिक प्रतिष्ठा और सांस्कृतिक विरासत को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में तीर्थाटन को सुविधाजनक बनाने, धार्मिक स्थलों के विकास तथा सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही उत्तराखंड को आध्यात्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक अध्ययन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी निरंतर कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय दर्शन, इतिहास और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण एवं प्रसार के लिए शैक्षणिक संस्थानों तथा शोध गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को देश की गौरवशाली बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है।

उन्होंने हरि सेवा आश्रम द्वारा शिक्षा, सामाजिक सेवा, नैतिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान समाज में सेवा, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा, विभिन्न अखाड़ों के संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आवासीय नक्शे पर बनी थी तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत

2014 में स्वतः मानचित्र प्रक्रिया के तहत पास हुआ था नक्शा, जिम्मेदारों पर गाज गिरना तय

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज में जिस तीन मंजिला इमारत में आग लगी वह आवासीय इमारत है। इसे अवैध रूप से आवासीय नक्शा पास कराकर व्यावसायिक निर्माण कर लिया गया। इसके बाद यहां अवैध तरीके से गेमिंग सेंटर, कोचिंग सेंटर, एनिमेशन सेंटर, पैट शॉप और पशु क्लिनिक सहित कई प्रतिष्ठान संचालित हो रहे थे।

एलडीए से मिली जानकारी के अनुसार अलीगंज सेक्टर डी स्थित भूखंड संख्या एमएस/102 जो कि करीब 1992 वर्ग फीट क्षेत्रफल है। इसे 11 जुलाई 1980 को लॉटरी के माध्यम से विजय कुमार पुत्र रामेश्वर को आवंटित किया गया था। किराया पद्वति आवंटित इस भूखंड की वर्ष 2005 में रजिस्ट्री कराई गई। इसके बाद 19 जनवरी 2013 को वीरेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र शुक्ला को बेच दिया गया। वर्ष 2014 में इसका नामांतरण कराया गया। वर्तमान में भूखंड स्वामी वीरेंद्र शुक्ला व सुरेंद्र शुक्ला की ओर से 20 अगस्त 2014 को आवासीय नक्शा पास कराया गया।

एलडीए के नियोजन विभाग की ओर से जानकारी दी गई कि स्वतः मानचित्र प्रक्रिया के तहत इस भूखंड का नक्शा पास कराया गया। इसलिए इसकी जांच

कराने की जरूरत नहीं समझी गई। रामेश्वरम मैनेजमेंट कॉलेज और एजुकेशन ग्रुप के मालिक वीरेंद्र व सुरेंद्र शुक्ला की ओर से यहां अवैध तरीके से तीन मंजिला इमारत का निर्माण कराया गया। इसमें ऊपरी मंजिल के लिए प्रवेश व निकासी की मानकों के अनुसार व्यवस्था नहीं दी गई। बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है।

दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की कोचिंग व हेड हॉपर स्टूडियो है। जिसमें 3डी आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है।

जिम्मेदारों की कुंडली खंगाली जा रही : एलडीए की प्रारंभिक जांच में यह तय हो गया है। प्राधिकरण कार्यालय में इसकी पत्रावली खंगाली गई। यह तय है कि आवासीय नक्शे पर कामर्शियल निर्माण की अनुमति देने वाले अफसरों व इंजीनियरों पर गाज गिरेगी। वर्ष 2014 में नक्शा पास होने के बाद इमारत बन कर तैयार हो गई। जिम्मेदार आंखे बंद किए रहे। इसके निर्माण तक जिम्मेदारों की कुंडली खंगाली जा रही है। इसे ढहाने की कार्रवाई की जाएगी वहीं एलडीए के करीब दर्जन भर इंजीनियर इस खेल में नपेंगे। हालांकि कई इंजीनियर इस समय सेवानिवृत्त हो चुके हैं। वर्तमान में जोन चार के जोनल अधिकारी उपसचिव माधवेश कुमार हैं। सहायक अभियंता मुकेश सक्सेना, अवर अभियंता विवेक पटेल व स्मारक से जेई उदय राज के पास इसकी जिम्मेदारी है।

307 प्रतिष्ठानों की हुई जांच 81 के खिलाफ नोटिस जारी

एलडीए प्रशासन की ओर से दावा किया गया कि दिल्ली के होटल में हुये अग्निकांड के बाद एलडीए व अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम शहर में बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच कर रही है। इसमें अभी तक कुल 307 प्रतिष्ठानों की जांच की गयी है। जिसमें से 81 प्रतिष्ठानों के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में विभिन्न व्यक्तियों/संस्थाओं की ओर से होटल, गेस्ट हाउस, नर्सिंग होम, मॉल, व्यावसायिक कॉम्पलेक्स आदि का संचालन किया जा रहा है। जिसके लिए प्राधिकरण द्वारा भवन मानचित्र स्वीकृत किया जाता है। वहीं, भवनों में आग से बचाव के लिए सुरक्षा मानकों की निगरानी व अनापत्ति अग्निशमन विभाग की ओर से निर्गत की जाती है। बहुमंजिला इमारतों में अग्निशमन व्यवस्थाओं की जांच के लिए एलडीए व अग्निशमन विभाग की ज्वाइंट टीम गठित की गयी थी। इसमें एलडीए की प्रवर्तन टीम की ओर से 307 प्रतिष्ठानों में निरीक्षण किया गया। जिसमें से 81 भवनों में खामी पाये जाने पर निर्माणकताओं के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। एलडीए के सातों प्रवर्तन जोनों में कुल 307 भवनों की जांच की गई, जिनमें से 81 भवनों के विरुद्ध नोटिस जारी किए गए। सबसे अधिक 97 भवनों की जांच प्रवर्तन जोन-6 में हुई, जबकि सबसे अधिक 29 नोटिस भी इसी जोन में जारी किए गए।

नगर निगम की रेंट की दुकानों में चल रहे अवैध होटल व लॉज

लखनऊ। नगर निगम से आवंटित दुकानों में भी अवैध रूप से बहुमंजिला होटल, रेस्तरां, लॉज व गोदाम चल रहे हैं। चारबाग रेलवे स्टेशन के गुरू नानक मार्केट हो या फिर अमीनाबाद की मोहन मार्केट। यहां जांच में कई मूल आवंटियों के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। जबकि कई में लोग अवैध रुप से रह रहे हैं। अमीनाबाद में मोहन मार्केट, गड़बड़झाला तथा फल मंडी में आवंटियों ने अवैध तरीके से दुकानों में बेसमेंट बना लिए हैं। कई दुकानों में बिना नगर निगम की अनुमति के ऊपरी तलों का निर्माण कर लिया है।

चारबाग की गुरुनानक मार्केट में अवैध रूप से 26 होटल व लॉज चल रहे हैं। पूर्व में लखनऊ पुलिस की ओर से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में होने के चलते दुकानों के आवंटनों का परीक्षण कराया जाना जरूरी बताया गया था। कई बार यहां गोली भी चल चुकी है लेकिन सत्तारूढ्ढ दल के बड़े नेताओं से जुड़े होने के कारण अवैध निर्माणों की कभी जांच व सत्यापन कराने की जरूरत नहीं समझी गयी।

असल में, पाकिस्तान के अलग होने के बाद हिन्दुस्तान आने वाले शरणार्थियों को उनके जीवन यापन के लिए नगर निगम ने दुकानें तथा रहने के लिए भवन आवंटित किए थे। नगर निगम ने मामूली किराए पर भवनों व दुकानों को आवंटित किया था। अधिकांश संपत्तियों में अवैध निर्माण तक कर लिया गया है तो कई संपत्तियों को किराएदारों ने बिना नगर निगम की अनुमति दूसरों को बेच दिया।

मौजूदा समय में इनका व्यावसायिक इस्तेमाल कर लाखों की आय की जा रही है लेकिन नगर निगम को पुरानी दरों के हिसाब से ही किराया देते आ रहे हैं। समय रहते इन इलाकों की कामर्शियल वैल्यू बढ़ने से आवंटियों ने सम्पत्तियों में बदलाव कर लिए हैं। हाल यह है कि चारबाग में तो होटल, लॉज व रेस्टारेंट तक खुल चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार एक किराएदार के नाम से दस-दस दुकानें हैं।

ट्रामा सेंटर पहुंचे मंत्री एके शर्मा

● घटनास्थल का लिया जायजा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज क्षेत्र में हुई दुखद अग्नि दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने दुःख व्यक्त किया तथा तत्काल राहत एवं उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए केजीएमयू ट्रामा सेंटर में घायलों का हालचाल जाना।

मंत्री ने ट्रामा सेंटर में भर्ती घायलों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद एवं अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों से घायलों के उपचार की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ट्रामा सेंटर में घायलों का हाल जानने के बाद शर्मा सीधे अलीगंज स्थित दुर्घटनास्थल पर पहुंचे, जहां अग्निकांड से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर घटनास्थल की परिस्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

होटल-कोचिंग सेंटर अग्निकांड के पुराने हादसों को भूल गये जिम्मेदार

● अवैध बनी इमारत की जांच तक नहीं सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज के गेमिंग जोन, कोचिंग सेंटर वाली इमारत में आग लगने की घटना ने एक बार फिर नाका के होटल एसएसजे व विराट इंटरनेशनल तथा प्राग नारायण रोड स्थित होटल लेवाना अग्निकांड को ताजा कर दिया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन इंजीनियरों की लापरवाही से हर साल हादसे हो रहे हैं मगर एलडीए के जिम्मेदार अफसरों पर कोई असर नहीं पड़ा है। सेंटर में आग लगने के हादसे में 15 युवक व युवतियां जिंदा जल गए। कई गंभीर रूप से घायल अस्पताल में भर्ती हैं। अब सवाल उठता है कि प्राधिकरण के जिम्मेदार अफसरों ने इन बिल्डिंग की पड़ताल करने की कोई जरूरत नहीं समझी होती तो यह हादसा नहीं होता। एलडीए से इमारत का नक्शा पास है या नहीं। इसकी जानकारी सामने नहीं आ सकी है।

चारबाग में वर्ष 2018 में होटल एसएसजे व विराट इंटरनलेशनल में आग लगने से नौ लोगों की जलकर मौत हो गई थी। इसी तरह 2022 में होटल लेवाना में आग लगने पर चार लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों का एलडीए के अफसरों पर कोई असर नहीं हुआ है। जांच हुई, अफसर निलंबित हुए, फिर फाइल बंद और अफसर, इंजीनियर बहाल।

आरोप है कि इस इमारत का निर्माण भी मानकों के अनुसार नहीं है। आग बुझाने में दककल कर्मियों को मशक्कत करनी पड़ी। शहर में लगातार बहुमंजिला व्यावसायिक और रिहायशी इमारतें बन रहीं हैं लेकिन इनमें आग से सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी हैं। इनमें से कई व्यावसायिक इमारतें शहर की तंग गलियों वाले क्षेत्रों में हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार अपनी कार्यशैली में लापरवाही बरत रहे हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अभियंताओं ने विभिन्न इलाकों में अवैध निर्माण का सर्वे किया था। यह सर्वे होटल लेवाना में हुए अग्निकाण्ड में चार लोगो की मौत के बाद शासन की सख्ती के चलते विकास प्राधिकरण से सर्वे करवाया गया था। इस दौरान 250 से अधिक भवनों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम नही मिले थे। इसकी पड़ताल के लिए सूची अग्निशमन विभाग को दी गई तो दमकल कर्मियों को यह अवैध निर्माण ढूंढे नहीं मिले। अग्निशमन विभाग की ओर से लगातार कार्रवाई के लिए एलडीए को नोटिस भेजी जा रही है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बहुमंजिला भवनों की सूची में पता स्पष्ट न होने के कारण भवनों को खोजने एवं चिन्हित करने में काफी कठिनाई हो रही है, जिससे उन भवनों के सम्बंध में रिपोर्ट नहीं लग पा रही है। शहर के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों और होटलों का अग्नि सुरक्षा सर्वेक्षण कराया गया था। सभी बहुमंजिला अपार्टमेंट, स्कूल, नर्सिंग होम और व्यावसायिक परिसर जो 15 मीटर से अधिक ऊंचे हैं और 500 वर्ग

मीटर से अधिक जगह घेरते हैं, सर्वेक्षण के दायरे में आते हैं।

फाइलों में दफन हो गए जांच के आदेश : चारबाग व नाका में बड़ी संख्या में अवैध होटल खुले हुए हैं। होटल अग्निकांड के बाद कमिश्नर व डीएम ने सभी होटलों की जांच के आदेश दिए थे। कहा गया था जो होटल चल रहे हैं, उनकी जांच की जाए कि क्या उनके चलने का लाइसेंस विधिक रूप से प्राप्त है। क्या होटल व्यवसाय लैंड यूज में चल रहे हैं अथवा भू उपयोग के विचलन में कार्यरत हैं। क्या इन होटलों के नक्शे विधिक रूप से सक्षम स्तर से अनुमोदित हैं अथवा नहीं? फायर एनओसी की मौजूदा स्थिति भी ज्ञात की जाए। ग्राउंड वाटर के उपयोग की तथा वाटर डिस्चार्ज की स्थिति व वैधानिकता की भी जांच हो। होटल, रेस्टोरेंट, बार एवं नर्सिंग होम्स का भवन का सही भू उपयोग है, अथवा नहीं? भवन का मानचित्र, नगर निगम व एलडीए से स्वीकृत है या नहीं और संबंधित विभाग से अनापत्ति प्राप्त की गई है या नहीं? यदि गलत भू उपयोग पर ये चल रहे हैं तो टीम के सक्षम अधिकारियों की ओर से उसे सील कर दिया जाए।

अग्निकांड पर अखिलेश ने जताया शोक

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर और एनीमेशन सेंटर में भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की हुई मौत पर शोक जताते हुए गहरी संवेदना प्रकट की। अखिलेश यादव ने घायल छात्र -छात्राओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने कहा कि घायल छात्र-छात्राओं को अच्छी से अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाय। अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी प्रमुख पदाधिकारियों एवं नेताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया और घटना की जानकारी ली। घटनास्थल पर उनके साथ सपा लखनऊ नगर महासचिव गौरव सिंह यादव, प्रदेश सचिव प्रदीप कन्नौजिया, अनीस अहमद लारी, पूर्व पार्षद राज कुमार सिंह राजा, नगर उपाध्यक्ष रजी अहमद भी मौजूद रहे।

मानकों की अनदेखी का परिणाम : लोकदल

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज क्षेत्र स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग में 15 बच्चों की दर्दनाक मृत्यु की खबर अत्यंत हृदयविदारक एवं दुखद है। इस हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत बच्चों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी का परिणाम प्रतीत होता है। सरकार को इस घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करानी चाहिए तथा आग सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

अनिल दुबे ने अग्निकांड पर जताया शोक

लखनऊ। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने लखनऊ में हुए अग्निकांड में छात्रों की मृत्यु को पीड़ादायक बताते हुए कहा कि इस अपार दुख की घड़ी में रालोद की संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें।

हमें नहीं पता, विद्युत सुरक्षा की एनओसी है भी या नहीं

लखनऊ। आग लग गयी दर्जन भर से ज्यादा लोगों की जान चली गयी लेकिन जानकीपुरम के लेसा के मुख्य अभियंता बीवी सिंह को यह तक नही पता है कि 20 किलोवाट का कनेक्शन कब लिया गया और विद्युत सुरक्षा निदेशालय कि एनोसी है या नही इसकी भी जानकारी नही है। बीवी सिंह ने बताया कि कोई पुराना कनेक्शन लिया है तो हमे कैसे जानकारी होगी कि उसके पास एनोसी है या नही है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि बिजली की ज्यादातर कोचिंग चलाने वाले बिल्डिंगो में सुरक्षा के मानक नही पुरा है फिर भी सब ले दे के 20 किलोवाट से अधिक का कनेक्शन दिया जा रहा है। इसके लिए एक्सीएन से बात करने की कोशिश किया गया तो उन्होंने फोन नही उठाया। आग लगने के बाद कोई बिजली से शार्ट सर्किट तो कोई खंभे से आग लगने की बात कर रहा था लेकिन जब इस बारे में चीफ से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि 2016 में घरेलू बिजली कनेक्शन दिया गया था। इसके बाद कामर्शिलय 20 किलोवाट का कनेक्शन चल रहा है। वहीं देर रात ऊर्जा मंत्री भी केजीएमयू घायलो को देखने पहुंचे।

मेरी मलाईका को आग ने मौत दे दी

लखनऊ। आग के लगाने के बाद पेट क्लीनिक चलाने वाले दुकानदार रोहित ने बताया कि जिसको

सबसे ज्यादा प्यार करता था उसने ही मेरा साथ छोड़ दिया। रोहित ने बताया कि क्लीनिक के अन्दर एक बिल्ली बीते दो वर्ष से मेरे साथ रह रही थी जिसका नाम प्यार से मलाईका रखा गया था।

हालांकि मलाईका के साथ उसकी मां भी थी लेकिन आग ने मलाईका को जला दिया और उसकी मां को एक पुलिस ने बचा लिया। उस बिल्ली का नाम मलाईका रखा था अब इस दुनिया मे मलाईका नही रही। पुलिस ने मलाईका के मां को बाहर निकाला मै पुलिस को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। जब यह बात रोहित ने कहा तो मौके पर मौजूद लोगों के आखों में आशु आ गया। मौके पर मौजूद अभिमन्यु ने कहा कि प्रतिदिन कई बिल्ली और तरह-तरह के कुत्तो को लोग दिखाने के लिए आते थे। ऐसे में रविवार का दिन होने पर क्लीनिक पर अधिक लोग अपने कुत्ते और बिल्ली को दिखाने आये थे।

भाजपा ने अग्निकांड पर जताया शोक

● भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री ने व्यक्त की शोक संवेदनायें

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने लखनऊ के पुरनिया, सेक्टर-डी स्थित कोचिंग सेंटर में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना पर गहरा शोक एवं संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक हादसे में कई लोगों के हताहत होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक, हृदयविदारक और पूरे समाज को झकझोर देने वाला है। इस त्रासदी ने अनेक परिवारों से उनके अपने छीन लिए हैं, जिसकी क्षति की भरपाई कभी नहीं की जा सकती।

चौधरी ने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता और पूरा संगठन प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। हमारी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जो इस असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है तथा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान किए जाने की घोषणा की है।

पंकज चौधरी ने भाजपा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस दुःखद समय में प्रभावित परिवारों की सहायता अपने परिवार की तरह करें। उन्होंने कहा, यह समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं, बल्कि पीड़ित परिवारों का संबल बनने का है। भाजपा कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करे कि कोई भी परिवार स्वयं को अकेला महसूस न करे। हम सब उनके अपने हैं और उनके दुःख में समान रूप से सहभागी हैं। चौधरी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें, शोक संतप्त परिवारों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति दें तथा दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं पूर्ण स्वस्थता प्रदान करें।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना करता हूं। इस कठिन समय में हम सभी की संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

नगर निगम कार्यकारिणी के सदस्य निर्विरोध चुने गये

लखनऊ। नगर निगम कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव निर्विरोध हो गया। सुबह 11:00 बजे शुरू हुई नगर निगम सदन की विशेष बैठक में भाजपा की ओर से पांच और सपा की ओर से एक प्रत्याशी ने नामांकन किया। नामांकन पत्रों की जांच के बाद और किसी के नाम वापस न लेने के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल ने सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया है।

चुनाव निर्विरोध होगा इसकी संभावना पहले से ही जताई जा रही थी। दोनों दलों ने मिलकर उतने ही प्रत्याशी उतारे जितने पद खाली थे। अब नगर निगम की 12 सदस्यीय कार्यकारिणी में भाजपा के 10 और सपा के दो पार्षद हो जाएंगे। पहले भी यही स्थिति थी। छह पदों पर यह चुनाव बीती एक जून को दो साल का कार्यकाल पूरा कर रिटायर हुए छह सदस्यों की जगह पर किया गया है। सपा की ओर से पहले जगदीश चंद्र बोस वार्ड से लगातार छह बार जीत दर्ज करने वाले पार्षद यावर हुसैन रेशू को प्रत्याशी बनाए जाने की संभावना देर रात तक थी लेकिन सुबह सदन में अचानक पहली बार भरवारा मल्हौर वार्ड से पार्षद बनी ममता रावत को टिकट दे दिया गया। टिकट देने की जानकारी भी महापौर को ममता रावत ने दल के नेता कामरान बेग से फोन पर बात कराकर दी। चुनाव के दौरान सपा पार्षद दल के नेता कामरान बेग सदन में मौजूद नहीं रहे। इससे पार्षद यावर हुसैन रेशू खासे नाराज दिखे। जिन सदस्यों का चुना गया उनमें भाजपा से लालकुआं वार्ड के पार्षद सुशील तिवारी पम्मी, तिलक नगर रकाबगंज कुंडरी से पार्षद राजीव बाजपेई, राजीव गांधी प्रथम वार्ड से पार्षद संजय राठौर, न्यू हैदरगंज तृतीय वार्ड से पार्षद विनोद यादव, फैजुल्लागंज प्रथम वार्ड से पार्षद रश्मि सिंह तथा भरवारा मल्हौर वार्ड से सपा ममता रावत शामिल हैं।

आग ने सिर्फ जान नहीं, बुढ़ापे की लाठी और सपनों को छीना

● हर तरफ चीख पुकार, रोते बिलखते परिवार वाले अपने बच्चों की जिंदगी की मांगते दिखे दुआ

● हर घर में मातम, किसी की मां बेसुध, किसी के पिता दीवार पर पटक रहे सिर

अनिल कुमार सिंह

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज इलाके में सोमवार की दोपहर वो हुआ जिसने पूरे शहर को रुला दिया। एक कोचिंग संस्थान में लगी भीषण आग ने 15 मासूम बच्चों की जिंदगी छीन ली। ऐसा हादसा शायद ही लखनऊ में कभी हुआ हो जिसमें इतने मासूम बच्चों की जिंदगी छीन ली हो। हर तरफ चीख पुकार, रोते बिलखते परिवार वाले अपने बच्चों की जिंदगी की दुआ कर रहे थे कि शायद उनका बच्चा बचा हो। ऐसा मंजर देख लोगों की रूहे तक कांप गयी। दोपहर करीब 3 बजे तीसरी मंजिल पर बने गेमिंग जोन में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि लोहे की ग्रिल वाला एक ही गेट होने के कारण ज्यादातर बच्चे बाहर नहीं निकल पाए। धुएं के गुबार ने पूरी बिल्डिंग को घेर लिया। इस दौरान जान बचाने के लिए साहस दिखाते हुए कुछ बच्चे तार के सहारे नीचे उतरे, जिस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बच्चों के उतरने पर उनको सहारा दिया।

आग इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद लोगों के लिए भीतर जाना संभव नहीं था। दमकल को पहुंचने में भी

काफी समय लग गया। ऊपर फंसे बच्चे चीख-पुकार कर रहे थे और बाहर मौजूद लोग बेबस थे। इस बीच एक के बाद चार-पांच बच्चों ने छलांग लगा दी। इनमें एक बच्चा नीचे लगी ग्रिल पर गिर गया, जिसकी सरिया उसके पेट में धंस गई। चश्मदीदों का कहना है कि बच्चे खिड़कियों से बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। कुछ ने छलांग भी लगाई। फायर ब्रिगेड के पहुंचने तब बहुत देर हो चुकी थी। 15 बच्चों ने दम घुटने से दम तोड़ दिया। 10 बच्चे गंभीर रूप से झुलसे हैं और ट्रॉमा सेंटर में जिंदगी-मौत से लड़ रहे हैं।

लोगों का कहना है कि हर घर में मातम है। किसी की मां बेसुध है, किसी के पिता दीवार पर सिर पटक रहे हैं। आज लखनऊ के हर कोचिंग संस्थान के बाहर मां-बाप खड़े हैं। सबके मन में एक ही डर -कहीं अगला नंबर मेरे बच्चे का तो नहीं ! ये 15 बच्चे सिर्फ एक नंबर नहीं थे। कोई किसी का सपना था, कोई बुढ़ापे की लाठी। लोगों का कहना था कि जब भगदड़ मची। सीढ़ियां धुएं से भर चुकी थीं। एक ही लोहे का गेट, वो भी अंदर की तरफ खुलने वाला। 40 बच्चे, एक गेट और बढ़ती हुई लपटें।

चश्मदीदों ने बताया कि यहां लाइब्रेरी या कंप्यूटर कोर्स का संस्थान है। जब हम पहुंचे तो बिल्डिंग से धुआं निकल रहा था। हमने 5-6 लोगों को बचाया। आग लगने के बाद एक व्यक्ति इमारत से कूदा और गंभीर रूप से घायल हो गया। अभी भी कुछ लोग अंदर फंसे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि भवन से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। पूरा परिसर धू-धू कर जलने लगा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगने के बाद क्षेत्र में चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। हादसे से बचकर निकले एक छात्र ने बताया कि अचानक क्लासरूम में धुआं भरने लगा। सांस लेना मुश्किल हो गया था। सभी बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे। कुछ साथी बाथरूम की तरफ दौड़े, जबकि कई खिड़कियों और सीढ़ियों की ओर भागने लगे। हादसे के बाद बाहर निकले बच्चों की आंखों में डर साफ दिखाई दे रहा था। कोई अपने दोस्तों को पुकार रहा था तो कोई रोते हुए बता रहा था कि कैसे धुएं से बचने के लिए उसने बाथरूम में शरण ली।

बिजली कटौती से नाराज लोगों ने प्रदर्शन कर जाम की सड़क

लखनऊ। बुद्धेश्वर, हर्ष नगर, कुंदन विहार, कुमारपुरम, पारा, मायापुरम और आसपास के क्षेत्रों में बिजली कटौती होने पर बिजली उपभोक्ता पहले सैकड़ों लोग सड़क पर उतर आए और जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। फिर इसके बाद शकुंतला मिश्रा पावर हाऊस के तरफ कूच कर दिये जिसको देखते हुए पावर हाऊस पर पुलिस फोर्स को तैनात किया गया। गर्मी की तपिश के बीच घरों में पंखे और कूलर बंद पड़े थे, बच्चे बेचैन थे और बुजुर्ग परेशान। ऐसे में लोगों का धैर्य जवाब दे गया और आक्रोश सड़क पर आ गया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह कोई एक रात की समस्या नहीं है। कई दिनों से इन इलाकों में लंबे समय तक बिजली गुल रह रही है। बार-बार शिकायत के बावजूद बिजली विभाग की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं मिल रहा। रात के समय बिजली जाने से न केवल आम जनजीवन प्रभावित होता है बल्कि बीमार और बुजुर्गों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ती है। जाम की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल पहुंच गया। साथ ही बिजली विभाग की टीम भी घटनास्थल पर आई। दोनों ने मिलकर लोगों को समझाने का प्रयास किया और जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। काफी मशक्कत के बाद लोग माने और जाम खोला गया, हालांकि नाराजगी लोगों के चेहरों पर साफ दिख रही थी। इस मामले में एसडीओ संदीप वर्मा ने बताया कि शकुंतला मिश्रा उपकेंद्र पर अत्यधिक लोड के कारण रोस्टिंग करनी पड़ रही है जिससे इलाके में बिजली कटौती हो रही है। फिलहाल इलाके के लोग बिजली विभाग के इस आश्वासन पर टकटकी लगाए बैठे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि 10 से 12 दिन बाद उनके घरों में रोशनी के साथ-साथ राहत की सांस भी आएगी। उन्होंने बताया कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए 5 एमवीए का एक नया ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है जो अगले 10 से 12 दिनों में चालू हो जाएगा।

महत्वपूर्ण नंबर		फायर स्टेशन	एम्बुलेंस
वूमेन पावर लाइन	1090	हजरतगंज- कंट्रोल रूम 9454418642	मेडिकल सेवा- 102, 108
पुलिस	100	गोमती नगर-9454418657	
	2629999		
पुलिस स्टेशन गंज	2622556		

मेट्रो

पूर्व में हुए अग्निकाण्डों से लेते सबक, न जाती मासूमों की जान

राजधानी के अलीगंज इलाके में स्थित एनीमेशन सेंटर में लगी भीषण आग, 15 से अधिक छात्रों की हुई मौत

अलीगंज अग्निकांड : राहतकार्य में लगे पुलिसकर्मी

घटनास्थल पर जमा हुई भारी भीड़

घटना स्थल से बिल्ली को बाहर निकालते पुलिसकर्मी

फोटो-समीर भटनागर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में पूर्व में हुए अग्निकाण्डों से फायर सर्विस (दमकल विभाग) ने कोई सबक नहीं लिया है। हर बार अग्निकाण्ड के बाद कुछ दिनों के लिए विभाग के अधिकारी जागते हैं। जांच के नाम पर जागरुकता अभियान चलाये जाते हैं और कुछ लोगों को नोटिस थमाकर शान्त हो जाते हैं। अधिकारी कुछ होटल, धर्मशाला, अपार्टमेंट, जिम व कोचिंगों की चेकिंग कर उन्हें पर्याप्त अग्निशमन उपकरण लगाने व पानी का पर्याप्त इन्तजाम करने की हिदायत देते हुए समय देते हैं और फिर उस समय तक कोई वहां झांकने नहीं जाता, जब तक कोई दूसरा अग्निकाण्ड ना हो जाये।

अगर उसी जगह पर कोई अग्निकाण्ड सामने आता है तो अग्निशमन अधिकारी यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि मैने तो उन्हें नोटिस दे रखी है, लेकिन वर्तमान में अलीगंज कोचिंग काम्प्लेक्स में हुए अग्निकाण्ड में ना तो फायर सर्विस ने कोई नोटिस दिया है और ना ही बिल्डिंग की फायर अनापत्ति प्रमाण (एनओसी) पत्र जारी किया गया है। अगर कोचिंग सेन्टर काम्प्लेक्स में आग के पर्याप्त इन्तजाम किये गये होते या इमरजेंसी एक्जिट बनाया गया होता तो छात्रों की जान बच जाती। ध्यान रहे कि सोमवार को अलीगंज सेक्टर डी में दोपहर को निजी कोचिंग सेंटर में आग लग गई। कुछ ही देर में लपटें विकराल हो गई। भागने के सारे रास्ते बन्द हो गए। छात्र जान बचाने के लिए जिम सेन्टर में भागे, लेकिन वहां भी वह सुरक्षित नहीं रह सके और धुएं व आग की लपटों ने उनसे सांसे छीन लीं। इस बीच सूचना पाकर मौके पर पहुंची तीन दमकलों के फायर फाइटरों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। इस हादसे में 15 छात्रों की मौत हो गई और करीब 09 लोग झुलस गए हैं। उन्हें केजीएमयू में भर्ती कराया गया है। बताते हैं कि जान बचाने के लिए कई छात्रों ने नीचे कूद कर अपनी जान बचाई, लेकिन इस प्रयास में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। जिस इमारत में आग लगी थी, वहां पर पहले दो तल पर पेंट शाप और गेमिंग जोन था और तीसरे तल पर कोचिंग और लाइब्रेरी थी। बताया जाता कि सोमवार दोपहर करीब तीन बजे जब आग लगी तो कई लोग बिल्डिंग में मौजूद थे। भगदड़ मची तो लोगों को भागने का रास्ता तक नहीं मिला। एक ही जीना था तो आग लगने के दौरान रास्ता बन्द हो गया और लोग फंस गए। इस बीच दीवार तोड़कर रास्ता बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

राजधानी में हैं 96 रजिस्टर्ड कोचिंग, अधिकांश में नहीं हैं फायर फाइटिंग का इन्तजाम : वर्तमान में लखनऊ में 96 पंजीकृत कोचिंग हैं जो बड़े नाम हैं, लेकिन वहां भी अग्निशमन उपकरणों की पर्याप्त इन्तजाम नहीं किए गए हैं। इसके बावजूद अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को ये नहीं दिखाई दे रहे। इसमें सबसे ज्यादा कोचिंग हजरतगंज में हैं, फिर इन्दिरानगर, चिनहट कमता, आईआईएम रोड व अलीगंज क्षेत्र में हैं। दिखावे के तौर पर अग्निशमन अधिकारी अपने क्षेत्र में उन स्थानों में फायरफाइटिंग सिस्टम चेक करते व जागरुकता अभियान चलाते हुए रोज मीडिया को फोटो डालकर दिखावा करते रहे, लेकिन अंजाम भयानक रूप में सामने आया। अग्निशमन विभाग की सारा जागरुकता अभियान धरे के धरे रह गए।

हादसे के दौरान अफरातफरी का माहौल : हादसे के दौरान अफरातफरी का माहौल था। आग और धुएं से बचने के लिए कई छात्रों ने पहली और दूसरी मंजिल की खिड़कियों से नीचे छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण आग तेजी से फैल गई और बिजली आपूर्ति बंद होने से अंधेरा छा गया। संकरे रास्तों और धुएं के कारण लोगों को बाहर निकलने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हादसे के बाद कुल 22 लोगों को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 15 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 7 घायलों का उपचार जारी है और उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। यह हादसा कई परिवारों के लिए कभी न भरने वाला जख्म छोड़ गया है। हालांकि, इस त्रासदी के बीच बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए किए गए प्रयासों ने यह संदेश भी दिया कि आपदा के समय हर जीवन महत्वपूर्ण होता है, चाहे वह इंसान का हो या कोई बेजुबान।

पॉश रिहायशी क्षेत्र में संचालित हैं कारोबारी गतिविधयां : अलीगंज थाना इलाके में जिस उषा मेहता मार्ग पर स्थित तीन मंजिला वाणिज्यिक इमारत में दोपहर करीब तीन बजे आग लगी थी वह पॉश रिहायशी क्षेत्र है। आग पर काबू पाने के लिए कई दमकल वाहनों और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म वाली गाड़ी को अभियान पर लगाया गया। पुरनिया बाजार से चंद कदमों की दूरी पर स्थित यह इमारत अलीगंज के पॉश रिहायशी इलाके में कोचिंग सेंटर, कैफे और दुकानें संचालित हैं।

कुछ को बाडी बैग व कुछ को कंबल में लपेटा : अफसरों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान आग में फंसे लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। मृतकों में कुछ को लोगों को बॉडी बैग में ले जाया गया, जबकि कुछ को कंबल में लपेटकर एम्बुलेंस से ले गए। एम्बुलेंस में ले जाते समय वे बेहोश लग रहे थे। इन लोगों के शवों या घायलों को बगल की इमारत की छत से बाहर निकाला गया। इमारत पूरी तरह से पैक थी। फायर ब्रिगेड ने इमारत की पिछली दीवार तोड़कर लोगों को बाहर निकाला।

आग से बचने के लिए भागे, धूंए के गुबार में फंस गए छात्र: बिल्डिंग में आग लगने का शुरूआती कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है हालांकि फायर विभाग आग लगने की तफ्तीश कर रहा है। आग लगने और बिल्डिंग में धुआं भरने से वहां मौजूद छात्र पीछे की तरफ भागे, लेकिन वे बच नहीं सके। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान आग में फंसे 11 लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाला गया। कुछ लोगों को बॉडी बैग में लाया गया, जबकि कुछ को कंबल में लपेटा गया था। उन्हें बगल की बिल्डिंग की छत से बाहर निकाला गया, जहां रेस्क्यू ऑपरेशन रही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व फायर विभाग ने आग लगने के बावजूद बिल्डिंग के बगल की इमारत तक पहुंचने के लिए दो बड़े छेद किए थे। बड़े हादसे की जानकारी पाकर प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू की निगरानी की।

अग्निकाण्ड में इन लोगों ने गंवायी अपनी जान

अलीगंज स्थित कोचिंक सेन्टर में हुए अग्निकाण्ड में जिन छात्रों ने अपनी जान गंवायी है, उनमे सागर, नीलेश, अनामिका, संयम, अनुछा, सुखमनी, आदित्य श्रीवास्तव, ज्योति, भविष्य, अब्दुल रहमान, सूरज शाह, शहजान, जयनिल चक्रवर्ती, मोहम्मद अम्मार व सुमल्या शामिल हैं, जबकि घायलों में जयन्त, लवप्रीत, मो. आसिफ,जयनिल चक्रवर्ती, मो.अम्मार व सुमल्या शामिल हैं।

थम्ब इम्प्रेशन से खुलता था गेट जो बना जानलेवा

कोचिंग सेन्टर के अन्दर जाने वाले हर छात्र व कर्मचारी को थम्ब इम्प्रेशन सिस्टम से गुजरना होता था। संभावना है कि आग धुएं के दौरान सिस्टम ने काम करना बन्द कर दिया और छात्र अन्दर ही फंस गए। इसके चलते ज्यातर लोगों की धुंए से दम घुटने से मौत हो गयी।

सुबह भी लगी थी आग : बताया जा रहा है कोचिंग सेन्टर के बाहर सुबह बिजली के मीटर मे भी आग लगी थी, जिसे बुझा लिया गया था, यह एक संकेत था, जिसे लोगों ने नजर अन्दाज किया। इसके बाद दोपहर में फिर आग लगी जो संभाले नहीं संभली और करीब 24 लोगों के लिए जानलेवा साबित हुई।

आग से बचने के लिए कूदा छात्र, नीचे लगी ग्रिल की सरिया धंसी, गंभीर रूप से घायल

लखनऊ। अलीगंज स्थित एनीमेशन सेंटर में लगी आग ने कई युवाओं की जिंदगी को झकझोर दिया। आग से बचने के लिए प्रथम तल से छलांग लगाने वाले 26 वर्षीय जयंत गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। कूदने के दौरान गेट पर लगी सरिया उनकी कमर में धंस गई, जिससे वह जख्मी हो गए। खून से लथपथ हो गए। आनन-फानन जयंत को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर लाया गया। जहां डॉक्टरों की टीम उनके इलाज में जुटी है। जयंत ऐशबाग स्थित एलडीए कॉलोनी के रहने वाले हैं। उनके पिता प्रदीप कुमार ने बताया कि बेटा एनीमेशन का कोर्स कर रहा था। उन्होंने कहा कि उन्हें अंदाजा नहीं था कि करियर बनाने का सपना लेकर जिस सेंटर में बेटा जा रहा है, वहां उसकी जान खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने बताया कि ईश्वर की कृपा से बेटा सुरक्षित है। ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टर पूरी मेहनत से इलाज कर रहे हैं। वहीं, दिल्ली निवासी लवप्रीत भी इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई हैं। वह सॉफ्टवेयर डेवलपर हैं। आग से बचने की कोशिश में उनके शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं।

हताहतों में ज्यादातर वीडियो एनिमेशन स्टूडियो के स्टाफ: मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक आग लगने के बाद आधा दर्जन से ऊपर लोग छत से ही कूद गए जबकि लगभग 15 लोगों ने सीढ़ी से नीचे आकर जान बचाई। मकान के ग्राउंड फ्लोर पर अलीगंज पेट शॉप एंड क्लिनिक नाम से एक दुकान है। पहले मंजिले पर एक दफ्तर बताया जा रहा है, जिसके बारे में बहुत जानकारी नहीं है। वीडियो देखने से ऐसा महसूस होता है कि आग पहली मंजिल में लगी और अपने साथ-साथ दूसरी मंजिल को पूरी तरह चपेटे में ले लिया। वैसे, आग लगने की वजह और शुरूआत कहां से हुई, ये जांच से ही साफ हो पाएगा। दूसरी मंजिल पर वीडियो गेम के एनिमेशन का काम करने वाला हेड हूपर्स स्टूडियो है। आग लगने के समय स्टूडियो में कर्मचारी और स्टूडेंट मौजूद थे। एनिमेशन सेंटर में थर्ड पार्टी प्रोफेशनल काम के अलावा बच्चों को सिखाया भी जाता था। ब्रजेश पाठक ने कहा कि गर्मी छुट्टी में बच्चे एनिमेशन सीख रहे थे।

पिता को फोन करके बोला युवक: पापा बचा लो: अलीगंज में तीन मंजिला इमारत में आग ने पूरी इमारत को अपनी आगोश में ले लिया। इस दौरान यहां पर फंसे युवक युवतियां मदद और बचाव के लिए गुहार लगाते रहे। लेकिन उनकी मदद के लिए कोई नहीं पहुंचा तो कुछ युवक युवतियों ने खुद को बाथरूम में कैद कर लिया। एक युवक ने अपने पिता को फोन करके कहा कि पापा हम लोगों को बचा लो। लेकिन पिता उसको नहीं बचा पाए और घर का इकलौता चिराग बुझ गया। आलमबाग के प्रभूजोत सिंह का बेटा सुखमणि सिंह चार सालों से कम्पनी में काम कर रहा था। रविवार को बेटे ने फादर्स डे मनाया और आज उनका बच्चा इस दुनियां से रूखसत हो गया। यह कहकर प्रभूजोत सिंह फूट-फूट कर रोने लगे। प्रभूजोत ने बताया कि उनके बेटे ने उन्हें फोन करके बताया था कि आग लग गई और उसे बचा लो। वह अपने ऑफिस से अलीगंज पहुंचे लेकिन यहां पर सबकुछ जलकर राख हो गया। वहीं, इमारत में लगी भीषण आग से बच निकले एक कलाकार ने बताया कि दूसरी मंजिल पर मौजूद लोगों के पास बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा था।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहत व बचाव कार्य में दिया सहयोग

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज सेक्टर-डी स्थित कोचिंग संस्थान में भीषण आग लगने की दुखद घटना की सूचना मिलते ही भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी को तत्काल कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन का सहयोग करने के निर्देश दिए।

निर्देश प्राप्त होते ही भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और प्रशासन, पुलिस तथा बचाव दलों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय सहयोग किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने घायलों एवं उनके परिजनों की हरसंभव सहायता की तथा घटनास्थल पर व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोग प्रदान किया। भाजपा कार्यकर्ताओं की तत्परता और सेवा भावना ने मानवता का परिचय दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए भाजपा लखनऊ महानगर के सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम भी तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिए गए।

प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक एवं पीड़ादायक घटना है। उन्होंने कहा, इस संकट की घड़ी में भाजपा का पूरा परिवार शोकाकुल परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता निरंतर सेवा कार्य में लगे हुए हैं। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने भी घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता समाज सेवा के संकल्प के साथ हर आपदा और संकट की घड़ी में जनता के साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

अलीगंज कोचिंग अग्निकांडः ट्रामा सेन्टर में छह का उपचार जारी, 15 मृत घोषित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज क्षेत्र स्थित पुरनिया इलाके में सोमवार को एक निजी कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने से घायलों को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेन्टर में भर्ती कराया गया, इनमें 15 घायलों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि छह का उपचार जारी है।

घायलों का हाल जानने के लिए प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने घायलों से मुलाकात की और घायलों को बेहतर इलाज करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है। घटना के कारणों का पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। उनके साथ प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

घायलों के इलाज के संबंध में केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने कहा कि अलीगंज अग्निकांड में घायलों को बचाने के लिए चिकित्सकों की पूरी टीम जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों की मृत्यु हुई है, उनका पंचनामा और पोस्टमार्टम कराना आवश्यक प्रक्रिया है, जिसे शुरू कर दिया गया है। सीएमएस के ट्रामा सेंटर के डा. प्रेम राज सिंह ने बताया कि कुल 21 लोग अस्पताल में आए हैं, जिसमें 6 लोगों की स्थिति स्थिर है, इनमें जयंत, लवप्रीत, मोहम्मद आसिफ, भुवन श्रीवास्तव, पंकज, शैलेन्द्र, अभिषेक, पंकज जोशी और गौरव कुमार शमिल हैं। मरीजों में से दो को मामूली चोटें आई हैं। एक युवक को रीढ़ की हड्डी में चोट है। हमारे डाक्टर फिलहाल उसका इलाज कर रहे हैं। एक अन्य युवती के पैर में चोट आई है और उसकी भी जांच की जा रही है। बाकी लोग मृत अवस्था में लाए गए हैं। हम उनका पंचनामा कराकर उनको मार्चरी भेज रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल में बेड रिजर्व है, न दवाइयों की कमी है न ही बेड की। ट्रामा सेन्टर पहुंचे प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर के समय भवन से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया। धुएं के कारण छात्रों में भगदड़ मच गई और कई बच्चों ने जान बचाने के लिए ऊंचाई से छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

एक घायल व्यक्ति की अभी ओटी में सर्जरीः ब्रजेश पाठकः केजीएमयू के ट्रामा सेन्टर से बाहर निकले प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी लखनऊ पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक घायल व्यक्ति की अभी ओटी में सर्जरी हो रही है। गिरने की वजह से उसके पेट में चोट आई है। बाकी सभी घायल खतरे से बाहर हैं और उन्हें सही इलाज मिल रहा है, जो भी इस घटना में दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

सूचना मिलते ही 18 मिनट में पहुंचा 22 एम्बुलेंस का काफिलाः घायलों, गंभीर मरीजों को त्वरित इलाज देने के लिए शुरू की गई एंबुलेंस 108 व 102 एम्बुलेंस का काफिला अलीगंज क्षेत्र स्थित पुरनिया इलाके में सोमवार को एक निजी कोचिंग सेंटर में भीषण आग में लोगों के घालय होने की सूचना मिलते ही पहुंच गया। सोमवार की दोपहर करीब 2:44 बजे एक-एक एम्बुलेंसों का पहुंच शुरू हो गया। 108 एम्बुलेंस सेवा की 14 और 102 की 8 एम्बुलेंस पहुंच गयीं।

एम्बुलेंस संचालक संस्था के प्रवक्ता सुनील यादव ने बताया कि अभी कई एमबुलेंस मौके पर मौजूद हैं। जब तक स्थिति सामान्य नहीं होगी, तब तक एम्बुलेंस तैनात रहेंगी। आग की घटना के बाद घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस सेवा ने तेजी से मोर्चा संभाला। घटना की सूचना मिलने के महज 14 मिनट के अंदर सरकारी एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई थीं। अधिकारियों के मुताबिक राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर 108 सेवा की 14 एंबुलेंस और 102 सेवा की 8 एंबुलेंस भेजी गईं। इन एंबुलेंस के जरिए घायल छात्रों और कर्मचारियों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। एंबुलेंस टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया। घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए उन्हें ट्रॉमा सेंटर समेत अन्य अस्पतालों तक पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद भी मौके पर कई एंबुलेंस तैनात रखी गई हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी घायल को तुरंत चिकित्सा सुविधा मिल सके। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भी राहत कार्यों की निगरानी की। एंबुलेंस कर्मियों ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही सभी वाहनों को तत्काल रवाना किया गया था। भीड़भाड़ वाले इलाके में तेजी से पहुंचकर घायलों को सुरक्षित बाहर निकालना प्राथमिकता रही। घटना के दौरान एंबुलेंस सेवा की तत्परता से कई घायलों को समय पर इलाज मिला।

घायलों के पहुंचते ट्रामा सेन्टर में पसरा मातम, बेसुध हुए परिजन

लखनऊ। केजीएमयू के ट्रामा सेन्टर में दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे एक-एक कर दाखिल हो रही है एम्बुलेंस से अधजले घालयों को उतारा जाने लगा तो परिसर में मातम परस गया। घायलों में कइयों की जीवन लीला समाप्त हो गयी थी। ट्रामा सेन्टर की इमरजेंसी ओपीडी में डाक्टरों की पुष्टि के बाद कई परिजन बेसुद हो गये। मानों में माहौल में दुख की लहर दौड़ गयी।

हालांकि, किसी को इलाज की उम्मीद थी तो किसी के हाथों में अपनों की आखिरी बार पहचानना था। यह मामला था अलीगंज स्थित निजी कोचिंग में आग की घटना के बाद केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में छात्रों और घायलों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ। पहले से मरीजों के दबाव के बीच अचानक बड़ी संख्या में घायलों और शवों के पहुंचने से ट्रॉमा सेंटर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालात की गंभीरता देखते हुए ट्रॉमा सेंटर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. प्रेमराज सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डा. सुरेश कुमार, डीन डा. केके सिंह समेत वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम तुरंत राहत और इलाज के काम में जुट गई। इमरजेंसी व्यवस्था को संभालने के लिए दूसरे विभागों के डॉक्टर, कर्मचारी और रेजिडेंट डॉक्टर भी मोर्चे पर आ गए। कोई घायलों को इलाज तक पहुंचा रहा था तो कोई जरूरी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुटा था। लेकिन जब कुछ छात्र मृत अवस्था में ट्रॉमा सेंटर पहुंचे तो माहौल अचानक बदल गया। इलाज की भागदौड़ के बीच मातम छा गया। एनीमेशन की दुनिया में कुछ नया करने का सपना लेकर निकले युवाओं की दर्दनाक मौत ने डॉक्टरों और कर्मचारियों को भी झकझोर दिया। वो भी भावुक हो उठे। कई छात्रों के परिवारीजन भी सूचना मिलते ही ट्रॉमा सेंटर पहुंच गए। किसी की आंखें अपनों को तलाश रही थीं तो किसी की चीख पूरे परिसर को दहला रही थी। जिगर के टुकड़ों को खोने का दर्द चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था। रोते-बिलखते परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

आखिरी बड़ा मंगल आज, बजरंगबली के जयकारों से गूंजेगा शहर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। आज जेठ माह का आठवां व आखिरी बड़ा मंगल है। राजधानी लखनऊ के नया हनुमान मन्दिर अलीगंज पुराना हनुमान मन्दिर अलीगंज, हनुमान सेतु, सुभाष मार्ग का छांछी कुआ हनुमान मन्दिर अमीनाबाद का हनुमान मन्दिर समेत अन्य सभी हनुमान मन्दिर सज-धज कर तैयार हो गये हैं। सभी प्रमुख मन्दिर सोमवार की शाम हनुमान जी महाराज का श्रृंगार होने के बाद और नया चोला चढ़ाने के बाद मन्दिर के पट दर्शन के लिए खोल दिये जायेंगे। बड़े मंगल पर बजरंगबली की विशेष पूजा अर्चना होती है। राजधानी में बड़े मंगल का विशेष महत्व है।

अलीगंज नया हनुमान मंदिर में बदला जाएगा चोला : अलीगंज हनुमान मंदिर में सोमवार दिन में 12 बजे मंदिर के कपाट खुलने के बाद मंगलवार रात 12 बजे बंद होंगे। मंदिर की ओर से 2.5 कुंतल लड्डू और एक हजार कालाजाम बांटा जाएगा। बजरंगबली का दिन भर में 11 बार चोला बदला जाएगा। मंदिर के कार्यालय अधीक्षक राकेश दीक्षित ने बताया कि दो साल बाद मंदिर में भंडारे का आयोजन होगा।

अमीनाबाद हनुमान मंदिर: अमीनाबाद हनुमान मंदिर बड़े मंगल पर रंग बिरंगी झालरों से सजाया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री विजय पाठक ने बताया कि बड़े मंगल पर मेले का आयोजन होगा। बजरंगबली को 51 किलो बेसन के लड्डू का भोग लगेगा।

पातालपुरी हनुमान मंदिर में लगेगा भोग: पक्का पुल स्थित श्री अहिमर्दन पातालपुरी हनुमान जी मंदिर में सुबह सिंदूर लेप कर श्रृंगार किया जाएगा। कोषाध्यक्ष ऋद्धि किशोर गौड़ ने बताया कि सुबह 9 बजे आरती उतारी जाएगी। बजरंगबली को 56 व्यंजन का भोग लगाया जाएगा। सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन होगा।

हनुमान सेतु- मंगला आरती के बाद दर्शन: हनुमान सेतु मंदिर में बड़े मंगल को लेकर विशेष सजावट की जा रही है। बड़े मंगल पर 75 हजार लड्डू प्रसाद के रूप में बांटा जाएगा। सोमवार रात 12 बजे मंदिर के कपाट खुलने के साथ मंगला आरती होगी। मंदिर के कपाट मंगलवार रात 12 बजे बंद होगा। भक्त 24 घण्टे बजरंग बली के दर्शन कर सकेंगे। सुबह और शाम बजरंगबली की विशेष आरती होगी। लगातार सुदरकांड का पाठ होता रहेगा। मंदिर के बाहर समाजसेवियों द्वारा भण्डारे और प्याऊ की व्यवस्था की जाएगी। तालकटोरा स्थित श्री बालाजी मंदिर में ज्येष्ठ के हर मंगल को सोने चांदी की वर्क से बाबा का श्रृंगार किया जाता है। सोने का क्षत्र चढ़ाने के साथ ही भक्तों की ओर से हर मंगल को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के प्रबंधक डीएन अवस्थी ने बताया कि मंदिर में तैयारियां पूरी हो गई हैं। हर मंगल की देर शाम को बाबा के चरणों में भजनों का गुलदस्ता भी पेश किया जाएगा।

अलीगंज का नया हनुमान मन्दिर: बड़े मंगल की तैयारियां पूरी होने के बाद दोपहर से मन्दिर खोल दिया गया। मन्दिर के कार्यालय अधीक्षक राकेश दीक्षित ने बताया कि मन्दिर के हनुमान जी के दोनों गर्भगृह में एसी चालू है। एसी के लगने से भक्तों को काफी गर्मी में राहत मिलेगी। सोमवार की रात से ही राजधानी व आस-पास के गांवों से करीब 500 भक्त दंडवत परिक्रमा करते हुए दर्शन करने पहुंचे। मन्दिर मंगलवार को रात 12 बजे बंद होगा। करीब पांच कुंतल फूलों से श्रृंगार किया गया। व्यवस्था के लिए मन्दिर की ओर से 100 कार्यकर्ता व 50 अन्य सहयोगी सेवादार लगाए गए है।

चौक के कोतवालेश्वर हनुमान मन्दिर: पुजारी ने बताया कि बड़े मंगल पर हनुमान जी को सिन्दूर और चमेली के तेल से लेप होगा। मशीन द्वारा निकले चांदी के वर्क से भगवान का श्रृंगार होगा। मन्दिर के बाहर भण्डारे का आयोजन भी होगा।

शहर भर में जगह-जगह लगेगा भंडारा

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के आखिरी बड़े मंगल पर भी शहर में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया जायेगा। इंदिरानगर के सी ब्लॉक हनुमान मंदिर पर विशाल भंडारा लगाया जायेगा, इसके अलावा मानस विहार, मुंशी पुलिया, जानकीपुरम, भूतनाथ, गोमती नगर, बाल विहार, शिव विहार, हजरतगंज, अमीनाबाद, आशियाना, सहित शहर के तमाम जगहों पर बजरंगबली का भंडारा लगाया जायेगा। लखनऊ के निरालानगर में भी विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

रंग-बिरंगे फूलों व लाइटों से सजा हनुमान सेतु मन्दिर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। हनुमान मंदिर कई कुंतल फूलों से महक रहा है। शाम को रंगबिरंगी लाइटों से मन्दिर जगमग जगमग होगा। मन्दिर के बड़े पुजारी ने बताया कि सभी बड़े मंगल को हनुमान जी का हर दो-दो घंटे पर श्रृंगार बदला जायेगा। बड़े पुजारी ने बताया कि भक्तों की ओर से जेठ के सभी मंगल को मन्दिर पूरे मन्दिर परिसर को एयरकंडीशन किया जायेगा। जिससे भक्तों को गर्मी में काफी राहत मिलेगी। मन्दिर सोमवार की रात 12 बजे खुल गया जो मंगल को रात 12 बजे बन्द होगा। उन्होंने बताया कि मन्दिर के बाहर कई समाजसेवियों द्वारा भण्डारे और प्याऊ की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंगल के दिन विश्वविद्यालय मार्ग स्थित मन्दिर का द्वार बन्द रहेगा। उस दिन बंधा मार्ग पार्किंग स्टैंड के गणेश द्वार से दर्शन कराए जाएंगे।

अमीनाबाद हनुमान मन्दिर: अमीनाबाद हनुमान मन्दिर में बड़े मंगल को लेकर देर रात पूरी हो चुकी। मन्दिर के प्रधान पुजारी कृष्णकांत पाठक ने बताया कि मन्दिर सोमवार को रात 12 बजे खोल दिया गया। जो बुधवार को रात में बन्द होगा। मंगलवार को सुबह अभिषेक, आरती फिर 21 किलो बेसन के लड्डू का भोग लगेगा। रात में 10 बजे सुन्दरकांड पाठ होगा तथा जेठ के मंगल को मन्दिर की ओर से भण्डारे का आयोजन किया जाएगा।

बालाजी मन्दिर: तालकटोरा स्थित बालाजी मन्दिर पर जेठ के सभी मंगलों को सोने, चांदी के वर्क से बाबा का श्रृंगार होता है। शाम को भजन संध्या का कार्यक्रम होगा। इसके अलावा चारबाग के त्रिलोचन हनुमान मन्दिर, हजरतगंज के हनुमान मन्दिर, रकाबगंज चैराहा स्थित हनुमान मन्दिर, इन्दिरानगर सी ब्लाक हनुमान मन्दिर, कुर्सी रोड व बीरबल साहनी मार्ग के पंचमुखी हनुमान मन्दिर, पक्कापुल स्थित लेटे हुये हनुमान मन्दिर, दुबग्गा के बरदानी हनुमान मन्दिर में बड़े मंगल पर भक्त जुटेंगे।

काकोरी में कल से सजेगा भगवान आदिनाथ का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ । काकोरी स्थित 'भगवान श्री पार्श्वनाथ धाम' (अमेठिया, सलेमपुर) में 24 जून से 29 जून तक एक ऐतिहासिक एवं भव्य धार्मिक समागम होने जा रहा है। सकल दिगम्बर जैन समाज, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 'श्री 1008 भगवान आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' में भगवान आदिनाथ की 21 फुट ऊँची विशाल पद्मासन प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक बृजेश जैन 'बंटी' ने बताया कि इस छह दिवसीय महोत्सव के दौरान विश्व शांति महायज्ञ और भव्य महामस्तकाभिषेक का भी आयोजन होगा, जो क्षेत्र में सुख, समृद्धि और शांति का संदेश देगा। समिति के वरिष्ठ सदस्य विशाल जैन ने बताया कि लखनऊ के इतिहास में यह पहला अवसर होगा जब एक साथ लगभग 50 पिच्छिधारी मुनिराजों और आर्यिका माताओं का पावन सान्निध्य राजधानीवासियों को प्राप्त होने जा रहा है। समिति के अध्यक्ष संजीव जैन ने बताया कि कार्यक्रम परम पूज्य चर्याशिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में होगा।

आचार्य श्री का आगमन आज : मुख्य संयोजक बृजेश जैन बंटी जैन ने बताया है कि 23 जून को प्रातः 6:00 बजे हरदोई रोड स्थित निर्वाण लॉन पर मंगल गीत, जयकारों एवं पुष्पवर्षा के साथ आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज की भव्य अगवानी के बाद आचार्य श्री को भव्य शोभायात्रा के साथ काकोरी जैन मंदिर ले जायेंगे। इस महोत्सव में पाषाण से परमात्मा बनने की यात्रा का सजीव मंचन होगा, जिसमें भगवान के गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान एवं मोक्ष कल्याणकों का भव्य आयोजन किया जाएगा।

कला केवल मंच पर दिखाने की वस्तु नहीं, यह जीवन जीने की पद्धति है: प्रो. जयंत

एसएनए द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के दो दिवसीय समारोह के पहले दिन हुई संगीत प्रस्तुतियां

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के माननीय अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत एवं उपाध्यक्ष विभा सिंह की कुशल परिकल्पना एवं संयोजन में सोमवार 22 जून को अकादमी परिसर में स्थित संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह मं अकादमी द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन कला कार्यशालाओं की प्रभावी प्रस्तुतियां हुईं।

इस अवसर पर अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'कला ही जीवन है और जीवन ही कला है'। उनके अनुसार कार्यशाला के तीन केन्द्रीय उद्देश्य थे कि अपनी उन्नत कला परंपरा से नई पीढ़ी को परिचित करवाया जाए वहीं प्रतिभाओं को मंच देकर उन्हें प्रोत्साहित ही नहीं किया जाए बल्कि इन कार्यशालाओं के माध्यम से नवाचार को भी प्रमुखता दी जाए। उन्होंने बताया कि कला केवल मंच पर दिखाने की वस्तु नहीं, यह जीवन जीने की पद्धति है। रियाज में अनुशासन, प्रदर्शन में समर्पण जीवन में संवेदनशीलता यही एक सच्चे कलाकार की पहचान है। इसमें शास्त्रीय गायन में ख्याल तराना, उप शास्त्रीय गायन में ठुमरी, दादरा व टप्पा, तबला वादन, कथक नृत्य, अवधी लोकगीत और भजन-गजल के साथ-साथ नाटक आदि की कार्यशालाओं का भी संचालन किया गया। कार्यशाला प्रभारी पवन कुमार के अनुसार अकादमी की विगत वर्षों की सफल कार्यशालाओं को देखते हुए इस बार प्रतिभागियों की संख्या लगभग चार सौ तक पहुंच गई ।शास्त्रीय गायक का प्रशिक्षण राहुल अवस्थी, उपशास्त्रीय का डॉ.अंजनी कुमार मिश्र, कथक का डॉ मंजू मलकानी, श्रुति शर्मा, नीता जोशी, अवधी लोकगीत का रीना टंडन, भजन गजल का केवल कुमार, नाटक का शैलेश श्रीवास्तव, फोटोग्राफी का राकेश सिन्हा, एंकरिंग का विनय कुमार सिंह मानिक, तबला वादन का अनंत कुमार प्रजापति ने प्रशिक्षण प्रदान किया। केवल कुमार द्वारा प्रशिक्षित भजन और गजल गायन के प्रतिभागियों ने सबसे पहले भजन राम को प्रणाम करिए सुनाया। गजल कागज पे कलम तेरा के बाद कव्वाली अब भी न तकलीफ सुनाकर आयोजन को परवान चढ़ाया।

इस कार्यशाला की बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसमें सर्वाधिक प्रतिभागी शामिल हुए थे। रीना टंडन द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने वाले अवधी लोक गीतों के प्रतिभागियों ने सरिया गीत इमली के चिकने पतौवा, शगुन गीत देखो सखी बोले भिनुसखा रे कागा बोलिया सुहावन, विवाह गीत बाजी बाजी रे बारात जनक नगरी, झंडा गीत ह्लधनि धनि देसवा के धनि मोर झंडा, देवी गीत मैया झूल्यो जाय डारि कै हिंडोलना, सोहर चंपाकली दइया मांगे ननदिया, बन्ना बन्ना जल्दी से हो जा तैयार, नकटा गीत दिल काहे उदास नन्दोई जी सुनाया तो पूरा प्रेक्षागृह करतल ध्वनि से गूंज उठा। राहुल अवस्थी द्वारा प्रशिक्षण हासिल कर रहे शास्त्रीय गायन के प्रतिभागियों ने राग भीम पलासी में बंदिश पिया पास ले जा रे, तराना के बाद भजन प्रभु मोरे अवगुण चित न धरो की अत्यंत सुरीली प्रस्तुति दे कर तालियां हासिल की। डॉ.अंजनी कुमार मिश्र द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने वाले उपशास्त्रीय प्रतिभागियों ने राग पीलू में दादरा साँवरिया प्यारा रे मोरी गुइय्यां, राग खमाज में ठुमरी व्याकुल भई बृजभान बंसुरिया, दादरा नाजुक बहियां मरोरी और टप्पा मैनू जो बन सुनाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। डॉ. मंजू मलकानी द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने वाले कथक प्रतिभागियों ने कृष्ण भजन राधे रानी दे डारो बंसी मोरी, ठुमरी सजना बरसे हैं क्यों अंखियां और शिव भजन भाल चन्द्र जटा गंग पर बेहतरीन प्रस्तुति दी। इसमें कथक का पारंपरिक अंदाज भी ताने-बाने की भांति कुशलतापूर्वक पिरोया गया था। श्रुति शर्मा द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने वाले कथक प्रतिभागियों ने गुरुर्ब्रह्मा गुरुवंदना के उपरांत छाप तिलक की प्रभावी प्रस्तुति दी। अंत में उन्होंने आयो सावन मेघ मल्हारी पर अत्यंत मनोहारी संयोजन पेश किये। नीता जोशी द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने वाले कथक प्रतिभागियों ने श्रीराम स्तुति श्री रामचन्द्र कृपालु भजुमन के क्रम में ठुमरी ए री सखी और मेरा मुर्शिद खेले होली की प्रस्तुतियां देकर वाहवाही हासिल की। अनंत कुमार प्रजापति द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले तबला वादन कार्यशाला के प्रतिभागियों ने गणेश स्तुति, उठान, टुकड़ा के बाद, कायदा पेश किया जिसमें दिल्ली घराने का अंदाज सुनते ही बना। अंत में उन्होंने जय गणेश देवा पर दादरा और वैष्णव जन पर कहरवा ताल का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय लोक कला महोत्सव में दिखी भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक

कलाकारों ने दर्शकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भारतीय लोक कला, संगीत एवं सांस्कृतिक विरासत को समर्पित राष्ट्रीय लोक कला महोत्सव का आयोजन वाइब्रेंट फोक आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी, लखनऊ द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नईदिल्ली के सहयोग से सोमवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुशान्त गोल्फ सिटी के सेक्टर-1, अटलपुरी, नीलमथा, लखनऊ में हुआ, जहां प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए लोक कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोक संस्कृति की विविधता और सुंदरता को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध लोक गायिका वंदना मिश्रा, वरिष्ठ समाज सेविका हेमलता त्रिपाठी, राष्ट्रीय हिंदू सेना के अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, कृष्ण देव त्रिपाठी, एवं सेवा भारती की मंजू सिंह दीदी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के कई शहरों के कलाकारों ने पारंपरिक लोक गीत, संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया।

तीन दिवसीय नाट्य समारोह कल से

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था श्रद्धा मानव सेवा कल्याण समिति, लखनऊ द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के 47वीं मीटिंग के अंतर्गत स्वीकृत वित्तीय सहयोग के अन्तर्गत तीन दिवसीय नाट्य समारोह के अंतर्गत प्रथम दिवस में आयोजक सस्था श्रद्धा मानव सेवा कल्याण समिति, लखनऊ द्वारा सांयकाल 7:05 बजे स्थानीय अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, गोमतीनगर, लखनऊ में सुप्रसिद्ध नाट्य रचनाकार, मानव कौल की नाट्य रचना त्रासदी का नाट्य मंचन रंग निर्देशिका अचला बोस, उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी अवार्डी के कुशल निर्देशन में मंचित किया जा रहा है।25 जून को तीन दिवसीय नाट्य समारोह के अंतर्गत द्वितीय दिवस में आयोजक संस्था सफर फाउण्डेशन द्वारा सांयकाल 7:05 बजे स्थानीय अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, गोमतीनगर, लखनऊ में सुप्रसिद्ध नाट्य रचनाकार, अनवर बेग की नाट्य रचना माई फर्स्ट इन्काउन्टर का नाट्य मंचन नगर के वरिष्ठतम रंग निर्देशक, अनवर बेग, के कुशल निर्देशन में मंचित किया जा रहा है।26 जून को तृतीय दिवस में आयोजक संस्था आकंक्षा थिएटर द्वारा सांयकाल 7:05 बजे स्थानीय अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, गोमतीनगर, लखनऊ में सुप्रसिद्ध मूल नाट्य रचनाकार, यूजीन इओनेसको का हिन्दी अनुवादन सुश्री श्रद्धा बोस द्वारा रूपांतरित नाट्य रचना द लेसन का नाट्य मंचन नगर के वरिष्ठतम रंग निर्देशक, तुषार बाजपेयी 'शुभम्' के कुशल निर्देशन में मंचित किया जा रहा है।

38वां विशाल सन्त सम्मेलन संपन्न

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मक्कागंज चौराहा, सीतापुर रोड स्थित श्री आशुतोष शिव मन्दिर (बरगद पेड़ के नीचे, अवध स्कूल के सामने) के प्रांगण में इस वर्ष 38वाँ विशाल सन्त सम्मेलन एवं भण्डारे का भव्य आयोजन किया गया।

महन्त रघुनन्दन दास (बाबा सुरेन्द्र दास) ने बताया कि पहले सुन्दरकाण्ड पाठ हुआ उसके बाद सन्त सम्मेलन एवं विशाल भण्डारे (प्रसाद वितरण) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र और दूर-दराज से आए पूज्य सन्त महात्माओं का पावन सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। यह पूरा आयोजन साकेतवासी श्री श्री 1008 महन्त रामस्वरूप दास जी महाराज एवं बाबा राम दास (बड़े बाबा जी) व लालदास जी की पावन प्रेरणा से आयोजित किया गया।

कठपुतलियों के जरिए लखनऊ की आलिया ने दिया पर्यावरण का संदेश

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। दर्जियों की दुकानों के बाहर पड़े कतरन के ढेर अधिकांश लोगों के लिए बेकार होते हैं, लेकिन 14 वर्षीय आलिया फातिमा रिजवी ने इन्हीं टुकड़ों में एक नया सपना देखा। ऐसा सपना, जिसने न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया बल्कि लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत को भी दुनिया के सामने नए रूप में प्रस्तुत कर दिया। लॉ मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज की कक्षा नौ की छात्रा आलिया का चयन प्रतिष्ठित स्लिंगशाट चैलेंज में हुआ है, जिसे नेशनल ज्योग्राफिक और डिज्नी आयोजित करते हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्हें एक हजार डालर की पुरस्कार राशि भी मिलेगी, जो वर्तमान विनिमय दर के अनुसार लगभग 95 से 96 हजार रुपये के बराबर है।

आलिया बताती हैं कि इस विचार की शुरूआत किसी प्रयोगशाला या बड़े शोध केंद्र में नहीं, बल्कि लखनऊ की सड़कों पर हुई। जब वह अपने माता-पिता के साथ पुराने बाजारों में जाती थीं, तब अक्सर दर्जियों की दुकानों और सिलाई केंद्रों के बाहर कपड़ों की कतरनें बिखरी दिखाई देती थीं। उनके मन में सवाल उठता था कि आखिर इन कपड़ों का क्या होता होगा। अधिकांश कतरन कचरे में चली जाती थी। यहीं से उनके मन में विचार आया कि क्यों न लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जाए और बेकार समझी जाने वाली सामग्री को उपयोगी बनाया जाए।

इसी दौरान उन्हें लखनऊ की प्रसिद्ध गुलाबो-सिताबो परंपरा याद आई। कठपुतलियों के माध्यम से कहानी कहने की यह कला शहर की पहचान रही है।

आलिया ने सोचा कि यदि कपड़ों की कतरन से कठपुतलियां बनाई जाएं और उनके जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाए, तो एक साथ दो काम हो सकते हैं कचरा कम होगा और लखनऊ की विरासत भी नई पीढ़ी तक पहुंचेगी। इसके बाद उन्होंने स्क्रैप फैब्रिक और अन्य बेकार सामग्री से कठपुतलियां बनाने की अवधारणा पर काम शुरू किया। उनका माडल केवल वस्तुएं बनाने तक सीमित नहीं है। इसमें बच्चों को शामिल करना, कार्यशालाएं आयोजित करना और कहानियों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना भी शामिल है। उनका मानना है कि बच्चे किताबों की तुलना में कहानियों और गतिविधियों से अधिक सीखते हैं। आलिया के प्रयासों का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई देने लगा है।

वे लगातार अपने आसपास के बच्चों और साथियों को समझाती हैं कि किसी भी वस्तु को तुरंत कचरा मानकर फेंकना जरूरी नहीं है। उसका दोबारा उपयोग किया जा सकता है। कई बच्चे और युवा उनके विचारों से प्रेरित होकर बेकार सामग्री से उपयोगी वस्तुएं बनाने और पर्यावरण से जुड़े छोटे-छोटे प्रयास करने लगे हैं। यह वैश्विक प्रतियोगिता दुनिया भर के युवाओं को पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के व्यावहारिक और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है। इस वर्ष इसमें 100 से अधिक देशों के हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, लेकिन आलिया के अनूठे विचार ने शीर्ष में अपनी जगह बनाई। साथ ही आगामी अक्टूबर में उन्हें वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) आमंत्रित किया गया है, जहां दुनिया भर के युवा चेंजमेकर्स के साथ उन्हें सम्मानित किया जाएगा। आलिया कहती हैं कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या बड़े संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। हर व्यक्ति अपने स्तर पर बदलाव ला सकता है। उनका संदेश है कि जीवन में कठिनाइयां आएंगी, लेकिन उन्हें रास्ते की रुकावट नहीं बनने देना चाहिए। कठिनाइयां अस्थायी होती हैं, जबकि प्रयास और सीख हमेशा साथ रहते हैं। इसलिए कभी रुकना नहीं चाहिए और हमेशा कुछ नया तथा सकारात्मक करने की कोशिश करनी चाहिए। सिर्फ 14 वर्ष की उम्र में आलिया ने यह साबित कर दिया है कि बड़ा बदलाव लाने के लिए बड़ी उम्र की नहीं, बड़ी सोच की जरूरत होती है। लखनऊ की गलियों में बिखरी कपड़ों की कतरन से शुरू हुई यह कहानी आज अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच चुकी है। यह केवल एक छात्रा की सफलता नहीं, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय समस्याओं का समाधान खोजने वाली सोच दुनिया भर में पहचान बना सकती है।

शिल्पी राज का भोजपुरी गाना 'बर्थडे वाला दिन' रिलीज

लखनऊ। भोजपुरी की रील क्वीन के नाम से मशहूर शिल्पी राज एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी हर नई पेशकश से यूट्यूब पर छा जाने वाली शिल्पी राज का मनोरंजन से भरपूर भोजपुरी सॉन्ग 'बर्थडे वाला दिन ' रिलीज हो चुका है। इस गाने को म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसमें भोजपुरी एक्ट्रेस दामिनी यादव परफॉर्म कर रही हैं. ट्रेंडिंग सिंगर का ये नया गाना एक बार फिर उनके फैन्स के बीच पसंद किया जा रहा है. 'बर्थडे वाला दिन' गाने की सबसे बड़ी खासियत इसका हाई-बजट फिल्मांकन और लोकेशंस हैं. वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत लोकगीत 'बर्थडे वाला दिन' के निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं. इस भोजपुरी सॉन्ग को सिंगर शिल्पी राज ने गाया है. इसके वीडियो में एक्ट्रेस दामिनी यादव ने शानदार अदायगी की है. इस गाने को गीतकार सोनू सरगम ने लिखा है, जबकि संगीतकार आर्या शर्मा ने संगीत दिया है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के एमडी और फिल्म निमार्ता रत्नाकर कुमार ने कहा, 'ये भोजपुरी लोकगीत 'बर्थडे वाला दिन' हर उम्र के दर्शकों को पसंद आएगा। हमारी पूरी टीम ने इस प्रोजेक्ट पर कड़ी मेहनत की है और हमें पूरा विश्वास है कि यह गाना शादियों व पार्टियों की पहली पसंद बनेगा।' सिंगर शिल्पी राज ने कहा कि 'जब 'बर्थडे वाला दिन' के बोल मेरे पास आए, तो मुझे तभी अहसास हो गया था कि यह गाना कुछ खास होने वाला है। इसमें गीत-संगीत एवं सुरों के साथ पूरा न्याय किया है.' एक्ट्रेस दामिनी यादव ने भी इस गाने को अब तक का बेस्ट बताया है। यूट्यूब पर रिलीज हुए इस गाने को लेकर फैन्स के खूब कमेंट भी आ रहे हैं। एक ने इसे नाइस वीडियो बताया है जबकि एक ने उन्हें रील स्टार कहा है। शिल्पी राज के गाने इंस्टा रील्स पर खूब इस्तेमाल होते हैं। 24 वर्षीय शिल्पी राज भोजपुरी की मशहूर सिंगर है. वह पवन सिंह और खेसारी लाल यादव के साथ भी गाने गा चुकी हैं।

संक्षेप

सड़क के किनारे बैठी महिला की हादसे में मौत

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के देवकली बाजार में हुए सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई,जबकि उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। ।ज्ञात हो कि 42 वर्षीय सुचित्रा देवी अपने पुत्र अनुज के साथ सड़क किनारे बैठी थी, इसी दौरान केराकत की ओर से तेज रफ्तार में आ रही मैजिक अनियंत्रित हो गई। वाहन पहले पीडब्ल्यूडी के संकेतक बोर्ड व पुलिस बूथ के साइन बोर्ड को तोड़ते हुए महिला व उसके पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी ।हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र अनुज गंभीर रूप से घायल हो गया ।टक्कर की आवाज सुन जब तक लोग मौके पर पहुंचे कि जब तक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना के बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में तहसील प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका।

वकील पर हमला मुकदमा दर्ज

जौनपुर। केराकत थाना अंतर्गत ग्राम थानागद्दी में पुरानी रंजिश और जमीनी विवाद को लेकर बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री पर जानलेवा हमका करने के मामले में पुलिस ने चार नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया मंगलवार को अधिवक्ता मुकेश शुक्ला के बड़े पिता की तेरही थी वे सबेरे साढ़े 9 बजे बाइक से कुछ सामान लेने केराकत जा रहे थे रास्ते में मनबढ़ और आवारा बदमाशों ने न सिर्फ अधिवक्ता के साथ मारपीट और गाली-गलौज की, बल्कि उनकी मोटरसाइकिल भी तोड़ डाली थी। पीड़ित अधिवक्ता ने उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी और कोतवाल से लिखित शिकायत की थी थानागद्दी निवासी केराकत तहसील बार के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकेश कुमार शुक्ला तीन बार महामंत्री रह चुके हैं। अधिवक्ता के ऊपर हुए हमले से तहसील बार एसोसिएशन आक्रोशित हो गया था। अधिवक्ताओं ने इस मामले को लेकर गुरुवार को कोतवाली थाने का घेराव भी किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए केराकत कोतवाली पुलिस ने रविवार को आरोपी सुधीर मिश्रा, सुशील मिश्रा, शारदा मिश्रा और संजीव मिश्रा के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया।

रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा जारी

सोनभद्र। जनगणना में आदिवासी धर्म कोड शामिल करने समेत 8 सूत्रीय एजेण्डे पर जारी रोजगार सामाजिक अधिकार यात्रा नवाटोला, बलियरी, सुपांचुआ, लौबन, फाटपखना गांव में पहुंची। जहां ग्रामीणों के साथ संवाद किया गया। संवाद में कहा गया कि यदि सोनभद्र जनपद से बैंकों में जमा पूंजी के 60 प्रतिशत पलायन को रोक दिया जाए और इसे महिलाओं और नौजवानों को सस्ते दर पर ऋण के रूप में दिया जाए तो बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की लूट पर बोलते हुए वक्ताओं ने कहा कि इनके द्वारा 30 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज वसूली के कारण महिलाओं का जीवन बेहाल हो गया है। तमाम नॉन बैंकिंग कंपनियां आम आदमी की गाढी कमाई का जमा पैसा लूट कर भाग जा रही है। इनकी लूट पर लगाम लगाने के लिए कानून बनाना आज बेहद जरूरी है। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासियों की पहचान खत्म करने की कोशिश हो रही है और उन्हें वनवासी कहकर संबोधित किया जा रहा है। ऐसे में पूरे देश में उठ रही आदिवासी धर्म कोड को जनगणना में शामिल करने की मांग बेहद महत्वपूर्ण है जिसे सरकार को पूरा करना चाहिए। यात्रा में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका, जिला प्रवक्ता मंगरु प्रसाद श्याम, रामविचार गोंड, समरजीत गोंड, महावीर गोंड, रामस्वरूप, राम अवतार पनिका, झांझरिया देवी, काशी चेरो, ओम प्रकाश बैगा आदि लोग शामिल रहे।

सिन्दूर खा किया आत्महत्या का प्रयास

जौनपुर। थाना मछलीशहर के भाटकापुरा गांव निवासी एक महिला ने पारिवारिक कलह से आहत होकर सिंदूर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। महिला की पहचान भाटकापुरा गांव निवासी 40 वर्षीय कंचन के रूप में हुई है। हालत बिगड़ने पर महिला को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

गांजा तस्कर का 10.5 लाख का कंटेनर जब्त

जिला संवाददाता(vol)

आजमगढ़। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आजमगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना गंभीरपुर क्षेत्र में मार्च 2026 में 353.990 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किए गए अंतरराज्यीय तस्कर की अवैध संपत्ति पर कार्रवाई करते हुए करीब 10.50 लाख रुपये मूल्य के कंटेनर वाहन को विधिक रूप से जब्त कर लिया गया है।

वाहन को अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए जब्तीकरण का आदेश पारित किया था। पुलिस के अनुसार, 12 मार्च 2026 को एसटीएफ लखनऊ और थाना गंभीरपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने अमौड़ा टोल प्लाजा के पास कंटेनर वाहन संख्या यूपी-79 एटी-9418 को रोककर तलाशी ली थी। वाहन में बनाई गई गुप्त कैविटी से 14 बोरियों में कुल 353.990 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ था, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.77 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इस मामले में औरैया जनपद निवासी तस्कर राजीव कुमार यादव उर्फ संजीव कुमार उर्फ संजू को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने तस्कर की आय, संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की।

जांच में पाया गया कि तस्करी से अर्जित अवैध धनराशि से उक्त कंटेनर वाहन खरीदा गया था। इसके बाद थाना गंभीरपुर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(1) के तहत वाहन को फ्रीज कर कार्रवाई के लिए प्रकरण नई दिल्ली स्थित सक्षम प्राधिकारी को भेजा। सभी साक्ष्यों और वित्तीय जांच के आधार पर सक्षम प्राधिकारी ने वाहन को अवैध रूप से अर्जित संपत्तिष्मानते हुए फ्रीजिंग आदेश की पुष्टि की। इसके अनुपालन में सोमवार को वाहन के विरुद्ध विधिक जब्तीकरण की कार्रवाई पूरी की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि मादक पदार्थ तस्करों और अपराध से अर्जित उनकी अवैध संपत्तियों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में नशा और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अपराधियों के आर्थिक तंत्र को भी ध्वस्त किया जाएगा।

मुठभेड़ में हुई मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग

जौनपुर । अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की जिला इकाई ने बिहार के भोजपुर निवासी भरत भूषण तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संगठन ने इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।

महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने इस संबंध में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों से मिली जानकारी के अनुसार, भरत भूषण तिवारी को बिहार पुलिस और एसटीएफ टीम ने कथित तौर पर आत्मसमर्पण के बावजूद गोली मार दी थी। महासभा ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए किसी राष्ट्रीय संवैधानिक संस्था से इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि जांच में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके ।संगठन ने देश के विभिन्न हिस्सों में ब्राह्मण समाज के लोगों पर कथित अत्याचार, फर्जी मुकदमों और अन्यायपूर्ण कार्रवाई की घटनाओं को रोकने के लिए भी प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। महासभा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई, तो संगठन जनपद से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। अरविन्द कुमार सिद्ध, रमेश कुमार चैबे, राकेश तिवारी, रमाशंकर पाठक, अनुज मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, कृपाशंकर और अरुण मिश्र सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राईपुर की बेटी ने लहराया परचम

जौनपुर। घोषित मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट के परिणाम में सुरेरी क्षेत्र के राईपुर गांव निवासी भाजपा नेता अरविंद कुमार उपाध्याय एवं पूर्व प्रधान ममता उपाध्याय की पुत्री निक्की उपाध्याय ने 99.96 पर्सेंटाइल प्राप्त कर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। निक्की उपाध्याय की प्रारंभिक शिक्षा से लेकर इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई भदोही जनपद के गोपीगंज में स्थित एक इंटर कॉलेज में ही हुई। इसके बाद उन्होंने प्रयागराज में रहकर बीएससी (स्नातक) की शिक्षा प्राप्त की तथा वहीं से ड ाप्रपरीक्षा की तैयारी की। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा के लिए उनका परीक्षा केंद्र नई दिल्ली में निर्धारित था, जहां उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत का शानदार प्रदर्शन किया। परीक्षा में उन्होंने 800 का कंपोजिट स्कोर प्राप्त करते हुए 99.96 पर्सेंट हासिल की ।निक्की की इस उपलब्धि से राईपुर गांव सहित पूरे सुरेरी क्षेत्र का गौरव बढ़ा है। उनकी सफलता ने यह संदेश दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती, बल्कि गांव की मिट्टी से निकलकर भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। इस मौके पर आशीष दुबे, जगदम्बा उपाध्याय, बालकृष्ण उपाध्याय, तुफानी राजभार, दूधनाथ पाठक, देवीशंकर मिश्र, रविन्द्र मिश्र ने उनके आवास पर पहुंचकर बिटिया की सफलता पर बधाई दी।

घरेलू विवाद में पिता की मौत

दुद्धी, सोनभद्र। तहसील क्षेत्र के विण्ढमगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पकरी में रविवार की देर रात करीब 11:30 बजे घरेलू विवाद एक परिवार के लिए काल बन गया। सोनू पुत्र श्रीनाथ और उसके पिता श्रीनाथ पुत्र भृगुण के बीच किसी घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि सोनू ने अपना आपा खोते हुए डंडे से पिता के सिर पर वार कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उन्हे उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विण्ढमगंज ले गए। वहां चिकित्सक डॉ. सत्येंद्र प्रसाद ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर विण्ढमगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया। वहीं घटना के आरोपी पुत्र सोनू को हिरासत में लेकर पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

सीतापुर और रायबरेली में सपा प्रमुख के खिलाफ लगी आपत्तिजनक होर्डिंग, प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

सीतापुर/रायबरेली। सीतापुर और रायबरेली में सोमवार को कई स्थानों पर समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर और होर्डिंग लगाये गये। इस मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस से शिकायत की गयी है। धौरहरा से सपा के सांसद आनंद भदौरिया ने सीतापुर के पुलिस अधीक्षक को दी गयी लिखित शिकायत में कहा है कि सीतापुर शहर में कई स्थानों पर सपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तस्वीर लगाकर उनके विरुद्ध आपत्तिजनक बातें लिखी गयी हैं। भदौरिया ने बताया कि उन्होंने पुलिस अधीक्षक को दी गयी तहरीर में कहा है कि पार्टी प्रमुख के खिलाफ आपत्तिजनक बातें लिखी होर्डिंग लगाये जाने से सपा के कार्यकर्ताओं तथा आम जनता की भावनाएं आहत हुई हैं और इसे लेकर कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। पुलिस अधीक्षक से प्रकरण की जांच कराकर समाज में द्वेष फैलाने वाली होर्डिंग लगवाने वालों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने का आग्रह किया गया है। होर्डिंग में सपा प्रमुख पर जातिवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए लिखा गया है, 'साइकिल निशान। यादववाद इसकी पहचान' जैसी बातें लिखी गयी हैं। हालांकि इन होर्डिंग पर इन्हें लगवाने वाले संगठन या व्यक्ति का नाम नहीं लिखा है। इस बीच, रायबरेली में भी शहर के सिविल लाइंस चौराहे, सारस होटल चौराहे, जीजीआईसी के गेट के पास व बस स्टैण्ड मार्ग समेत कई स्थानों पर ऐसी ही होर्डिंग लगायी गयीं। पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव की अगुवाई में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करके दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की मांग की है। यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को दी गयी तहरीर में कहा गया है कि सपा प्रमुख के खिलाफ आपत्तिजनक बातों वाली होर्डिंग जगह-जगह लगाया जाना कुत्सित मंशा का प्रतीक है, लिहाजा मुकदमा दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जानी चाहिये। बछरावां सीट से सपा विधायक श्याम सुंदर भारती ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग ज्वलंत मुद्दों से आम जनता का ध्यान भटकाने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की लोकप्रियता पर प्रहार कर रहे हैं।

सीतापुर के टाउन हॉल कॉम्प्लेक्स में बना सपा का जिला कार्यालय ध्वस्त, प्रशासन ने बताया था अवैध

सीतापुर । जिला प्रशासन ने सोमवार सुबह टाउन हॉल कॉम्प्लेक्स में स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पांच बुलडोजरों से तीन हजार वर्ग फुट में बनी पूरी इमारत को मलबे में बदल दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, सपा का कार्यालय सरकारी जमीन पर बना था। इस कीमती जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए लंबे समय से कानूनी प्रक्रिया चल रही थी। प्रशासन की ओर से कार्यालय खाली करने के लिए लगातार नोटिस दिए गए थे। जिलाधिकारी राजा गणपति आर ने छह जून को सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव को 15 दिन में कार्यालय खाली करने का आदेश दिया था। नोटिस अवधि पूरी होने और प्रशासनिक दबाव के बाद सपा पदाधिकारियों ने दो दिन पहले ही कार्यालय खाली कर दिया था। सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव ने कहा कि उन्होंने 18 जून को ही कार्यालय खाली कर जिला प्रशासन को सूचना दे दी थी। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की थी कि चूंकि समाजवादी पार्टी के कार्यालय की इमारत चंदे से बनी थी, इसलिए उन्हें कार्यालय का मलबा हटाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सोमवार सुबह कार्यालय खाली होते ही प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। ध्वस्तीकरण के समय सपा का कोई पदाधिकारी मौके पर मौजूद नहीं था।

निजामाबाद के विकास की लड़ाई में उतरे अरुण मिश्रा , मिला जनसमर्थन

आजमगढ़। क्षेत्र की वर्षों पुरानी जनसमस्याओं और विकास कार्यों की मांग को लेकर समाजसेवी अरुण कुमार मिश्रा उर्फ लालू मिश्रा ने सोमवार को शेरपुर तिराहा स्थित अंबेडकर पार्क में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने के पहले ही दिन बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों की उपस्थिति ने आंदोलन को मजबूत जनसमर्थन प्रदान किया।

धरने का नेतृत्व कर रहे अरुण कुमार मिश्रा ॥लालू॥ ने कहा कि निजामाबाद क्षेत्र सड़क, पेयजल, बिजली, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से लंबे समय से जूझ रहा है। कई बार मांग उठाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए यह आंदोलन शुरू किया गया है। धरना स्थल पर उपस्थित लोगों ने मंच से अपनी समस्याओं और सुझाव रखते हुए निजामाबाद-भड़ुली मार्ग तथा रानी की सराय-निजामाबाद मार्ग के चौड़ीकरण एवं मरम्मत, शुद्ध पेयजल व्यवस्था, बेहतर विद्युत आपूर्ति, बाजार क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं की मांग प्रमुखता से उठाई। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र के समुचित विकास के लिए अब ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इस दौरान निजामाबाद से भड़ुली पुल तक पक्की सड़क निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेते हुए अपने हस्ताक्षर कर आंदोलन के प्रति समर्थन व्यक्त किया। अपने संबोधन में लालू मिश्रा ने कहा कि यह संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

धरने में प्रमुख रूप से राहुल मौर्य, सरवन यादव, प्रदीप पाण्डेय, विनीत सिंह श्रिशुष्ठ, रोहित सिंह, प्रभात श्रीवास्तव, सिंटू विश्वकर्मा, तन्मय सिंह, राशिद खान, प्रदीप कुमार, सुनील यादव, दीपक पाठक एवं राजकुमार चौबे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे और आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

सम्भव दिवस में सुनी जन समस्याएं

सोनभद्र। प्रदेश सरकार के दिशा निर्देश पर जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद एवं मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद में 2, नगर पंचायत घोरावल में 0, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 5, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग

प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है। इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

लसड़ा में पीएम आवास प्लस सर्वे को लेकर खुली बैठक

सोनभद्र। सदर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लसड़ा पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत सोमवार को आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 की स्थाई पात्र सूची बनाने को लेकर खुली बैठक आयोजित की गई। सेक्रेटरी श्वेता गुप्ता की अगुवाई में बैठक की कार्रवाई शुरू की गई। सक्रेटरी द्वारा सूची में शामिल लोगों का नाम पढ़कर सुनाया गया। इस दौरान दर्जनों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बैठक के दौरान कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आवास की सूची में दर्जन भर पात्र लोगों का नाम गायब है, जबकि कई दर्जन अपात्र लोगों के नाम सूची में शामिल कर दिए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यापक पैमाने पर पूर्व में जांच अधिकारी द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर सही और निष्पक्ष जांच की जाए तो सूची में शामिल आधे लोगों में से अपात्रों का नाम हटाकर वास्तविक पात्र व्यक्तियों को जोड़ा जा सकता है। वहीं सेक्रेटरी श्वेता गुप्ता ने बताया कि अभी लिस्ट तैयार की गई है, जिसमें 7 पात्रों का नाम काटते हुए 172 लोगों का नाम चिन्हित किया गया है। जांच-पड़ताल करते हुए अपात्रों का नाम काटा जाएगा। इसके उपरांत 1 जुलाई के आसपास सूची पंचायत भवन पर लगाई जाएगी। 1 से 15 तारीख तक आपत्ति की तिथि रहेगी। इस दौरान जिसको भी किसी नाम को लेकर आपत्ति हो, वह टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराएगा। शिकायत की जांच कराकर अपात्र का नाम काट दिया जाएगा। छुटे हुए नामों के बाबत सेक्रेट्री का कहना है कि पहले सूची में 200 से अधिक लोगों का नाम था कैसे गायब हुआ इसकी जानकारी कोई अधिकारी देने को तैयार नहीं है।

विद्युत आपूर्ति की समस्याओं को लेकर अखिलेश हुए गंभीर

आजमगढ़। शहर में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही विद्युत आपूर्ति की समस्याओं को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश मिश्रा ॥गुड्डू॥ के नेतृत्व में विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य अभियंता इंजीनियर राम बाबू, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता प्रथम, सहायक अभियंता तथा नगर के अवर अभियंताओं को बिजली आपूर्ति से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। भाजपा नेताओं ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बार-बार हो रही बिजली कटौती, जर्जर तारों, क्षतिग्रस्त केबलों, ट्रांसफार्मरों की खराब स्थिति तथा अन्य तकनीकी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। इस पर मुख्य अभियंता ने आश्वासन दिया कि विद्युत व्यवस्था में शीघ्र सुधार किया जाएगा तथा जर्जर तारों और केबलों का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री पवन सिंह मुन्ना, जिला उपाध्यक्ष अवनीश मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष अभिनव श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष मृगांक शेखर, मंडल अध्यक्ष शशिकांत विश्वकर्मा, बाबूराम चाहान, नगर महामंत्री नीरज सिंह, सभासद अवनीश चतुर्वेदी, सभासद पुरुषोत्तम सिंह, अभिषेक गुप्ता, मुंशी निषाद सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्य अभियंता इंजीनियर रामबाबू ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विभाग लगातार उपभोक्ताओं से फीडबैक लेकर समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य कर रहा है। सोमवार को मिले प्रतिनिधिमंडल ने भी विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ क्षेत्रों में केबलों की खराब स्थिति, बिजली के खंभों से जुड़ी समस्याएं तथा ट्रांसफार्मरों में आ रही तकनीकी दिक्कतों को दूर करने के लिए अधिकारियों को तत्काल निर्देश जारी कर दिए गए हैं। संबंधित विभागों से रिपोर्ट भी तलब की गई है।

वनवासी बस्ती में किया रात्रि जन चौपाल

जिला संवाददाता

जौनपुर। विकास खंड रामपुर की ग्राम पंचायत पट्टीकीरत राय स्थित अटल आवासीय परिसर (वनवासी बस्ती) में रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मड़ियाहूं डॉ. आर.के. पटेल, ब्लॉक प्रमुख राहुल सिंह, जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी पात्र व्यक्ति आवास, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने गांव में पेयजल, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं को शत-प्रतिशत उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार अंतिम पायदान के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने महिलाओं, किसानों और युवाओं को सरकारी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागीय स्टालों का निरीक्षण किया तथा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत लाभार्थियों को ई-रिक्शा वितरित किए गए। वहीं मुख्यमंत्री आवास योजना, श्रम कार्ड, अंत्योदय कार्ड, आयुष्मान भारत योजना, पीएम सूर्यघर योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। के0पी0 मिश्रा0, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, खंड विकास अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आरसेटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए

जिला संवाददाता(vol)

- आरसेटी प्रशिक्षण बैचों की नियमित निगरानी एवं अभिलेखीकरण के निर्देश
- प्रशिक्षित युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से जोड़ने के निर्देश
- सफलता की कहानियों का फोटो एवं वीडियो दस्तावेजीकरण किया जाए
- जेल बंदियों एवं विशेष समूहों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित होंगे

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति (डीएलआरएस) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम बैठक एवं आरसेटी प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आरसेटी एवं आरसेटी के माध्यम से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं एवं युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जुड़ सकें।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आरसेटी में संचालित सभी प्रशिक्षण बैचों का प्रतिदिन फोटोग्राफ लिया जाए तथा प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति का अद्यतन विवरण सुरक्षित रखा जाए। पोस्ट प्रोग्राम रिपोर्ट (पीपीआर) में प्रशिक्षणार्थियों के मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से अंकित किए जाएं, जिससे प्रशिक्षण उपरांत उनकी प्रगति का प्रभावी अनुश्रवण किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में आवेदन करने हेतु प्रेरित किया जाए। साथ ही उन्हें विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यमिता योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर सफल हुए युवाओं की सफलता की कहानियों का फोटो एवं वीडियो तैयार किया जाए तथा प्रशिक्षण गतिविधियों का नियमित दस्तावेजीकरण किया जाए। इससे अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धियां व्यापक स्तर पर जनसामान्य तक पहुंच सकेंगी।

बैठक में एनआरएलएम के सहयोग से जेल बंदियों के लिए कौशल विकास एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, वन जीपी-वन बीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा आरसेटी में आयोजित होने वाले आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूचना समय से संबंधित कार्यालयों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर डीसी एनआरएलएम सरिता सिंह, जीएम डीआईसी विनोद कुमार चौधरी, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

भरत तिवारी हत्याकांड के विरोध में स्वामी घाट पर श्रद्धांजलि सभा

मथुरा। बिहार में पुलिस कार्रवाई के दौरान मारे गए होनहार युवक भरत तिवारी की मौत पर ब्रज के विप्र समाज में भारी आक्रोश है। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति (रजि.) मथुरा के तत्वावधान में स्वामी घाट पर शाम 6 बजे एक शोक व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान विप्र समाज ने घटना की घोर निंदा करते हुए महामहिम राष्ट्रपति के नाम पांच सूत्रीय मांगें रखीं। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने बिहार पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। समिति के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने निहत्थे भरत तिवारी के पैर और पेट में अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इसके बाद केवल खानापूर्ति के लिए, उन्हें अस्पताल ले जाया गया। विप्र समाज के नेताओं ने कहा कि भरत तिवारी ब्राह्मण समाज का एक उभरता हुआ सितारा थे, जो हमेशा लोगों के दुख-दर्द में खड़े रहते थे और पूर्व में प्रशासन द्वारा कई बार सम्मानित भी किए जा चुके थे। मृतक भरत तिवारी के पीड़ित परिवार को 5 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। घटना में सीधे तौर पर गोली चलाने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को सख्त कानूनी प्रक्रिया के तहत फांसी की सजा दी जाए। इस बर्बरतापूर्ण कृत्य में शामिल अन्य सभी सहयोगी पुलिसकर्मियों को आजीवन कारावास की सजा मिले। भरत तिवारी की निर्मम हत्या विप्र समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। हम इस दमनकारी कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और न्याय न मिलने तक अपनी आवाज बुलंद रखेंगे। सभा के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय भरत तिवारी की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा और ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

केन्द्र व प्रदेश सरकार गोवध निषेध कानून बनाये

मथुरा। संस्कृत भारती मथुरा द्वारा गोपाल गली स्थित प्राचीन श्रीगोपाल मंदिर में श्री विष्णु मातानुयायी परम पूज्य गोपाल वैष्णव पीठाधीश्वर यदुनंदनजी महाराज के सान्निध्य में गो सम्मान आह्वान अभियान चलाया गया। इस अवसर पर यदुनंदन जी महाराज ने गौमाता की पौराणिक मान्यताओं पर प्रकाश डालते हुए गौमाता को करोड़ों भारतीयों की आस्था व श्रद्धा का प्रतीक बताया उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार से गो हत्या को रोकने के लिए कठोर से कठोर कानून बनाने की मांग की। ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने कहा गौमाता में भारतीय परंपरा के समस्त आराध्य देवी देवताओं का निवास है भारतवर्ष में गौमाता को वैदिक काल से ही पूजनीय माना गया है अतः गोवंश की रक्षा के लिए कठोर कानून बनाने की आवश्यकता है। संस्कृत भारती मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने बताया 27 जुलाई आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी सोमवार को गो सम्मान आह्वान अभियान के अन्तर्गत सम्पूर्ण भारतवर्ष में सभी जिला मुख्यालयों पर जिलाधिकारी के माध्यम से देश के महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, एवं महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम 40 करोड़ हस्ताक्षर सहित ज्ञापन सौंपा जाएगा जिसमें गोवध निषेध कानून बनाने, गोवंश को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर घोषित किए जाने तथा सम्पूर्ण देश में कत्ल खानों को शक्ति से बंद किए जाने की मांग की जाएगी।

सीएम ने जिले को दी 658 करोड़ की सौगात

जिला संवाददाता (vol)

फिरोजाबाद। रविवार को ऐतिहासिक भूमि सुहाग नगरी की पावन धरा पर मुख्यमंत्री योगी का शुभागमन हुआ, कांच उद्योग के लिए विख्यात सुहाग की नीशानी चूड़ियों से पूरे देश को रोशन करने वाली फिरोजाबाद की जनता ने मुख्यमंत्री का अभूतपूर्व और गर्मजोशी से स्वागत किया, मुख्यमंत्री ने जनपद के टूण्डला तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत उसायनी में आयोजित एक भव्य समारोह में जनपद को 658 करोड़ से अधिक की लागत वाली 81 विकास परियोजनाओं का उपहार दिया, मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, साथ ही इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियों को उनके घर की चाबियां सौंपी तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र चैक और उपकरण वितरित किए। इस अवसर पर शिकोहाबाद विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने 139 करोड़ की लागत से कुल 19 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जबकि इसी विधानसभा की 67 करोड़ की 22 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जबकि टूण्डला विधानसभा क्षेत्र की 94 करोड़ की लागत से 14 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया तथा इसी विधानसभा में 358 करोड़ की लागत से 26 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

● हड़ताल के दौरान बैनामा कराने का आरोप, विरोध में जमकर हुई नारेबाजी

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उ0प्र0 माफिया गुण्डो और उपद्रवियों से मुक्त हो चुका है, प्रदेश में 15 करोड़ गरीबों को निःशुल्क राशन दिया जा रहा है, 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के तहत 5 लाख का निःशुल्क स्वास्थ्य कवच मिला है, 65 लाख गरीबों को आवास और 2 करोड़ परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन दिए गए है, जबकि 15 से 16 लाख किसानों के निजी नलकूपों के बिजली बिल पूरी तरह माफ किए गए है।

मुख्यमंत्री ने फिरोजाबाद के कांच ग्लास उद्योग के वैश्विक सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यहां के कारीगरों और उद्यमियों ने नई तकनीकी और मार्केट की मांग के अनुरूप डिजाइन तैयार कर चीन जैसे देश को भी पीछे कर दिया है, उनके अथक परिश्रम का परिणाम है कि यहां के उत्पाद लोकल से ग्लोबल तक की यात्रा तय कर रहें है।अब होली दिपावली, विजयादशमी या किसी भी उत्सवों में चीनी उत्पादों के स्थान पर फिरोजाबाद में निर्मित भगवान गणेश रामदरबार राधा कृष्ण बुद्ध और भगवान शिव की सुन्दर कांच की प्रतिमाएँ आज वैश्विक पहचान बना रही है और सभी के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बन रही है।

मुख्यमंत्री ने जनपद में लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की भव्य प्रतिमा स्थापित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन धर्म के पुनरोद्धार में माता अहिल्याबाई होल्कर का योगदान अविस्मरणीय है, सरकार ने उनके सम्मान में औरैया के मेडिकल कॉलेज का नामकरण माता अहिल्याबाई होल्कर पर किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून का राज स्थापित होने पर आज उ0प्र0 देश में अपनी विकासपरक छवि बना रहा है, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट योजना विकास कार्यों और भव्य अयोध्या काशी व मथुरा वृन्दावन के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के कारण उ0प्र0 दुनिया भर के आकर्षण का केन्द्र बन चुका है। 2017 से पहले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के छापों से व्यापारी परेशान थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने छापों को बन्द कराकर गैस की आपूर्ति सुनश्चित की और अब सोलर पैनल व बिजली से भट्टियों के संचालन की नई तकनीकी देकर उद्योग को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है, आज मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश को बीमारू राज्य से निकलकर विकसित राज्य बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरा जनपद पर्यटन हब के रूप में विकसित हो रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए सदर विधायक मनीष असीजा व टूण्डला विधायक प्रेमपाल धनगर ने कहा कि आज मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कानून का राज्य स्थापित होने पर पं0 दीन दयाल के सपने अंत्योदय को साकार किया जा रहा है। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रकार के स्टॉलो का अवलोकन किया। इस भव्य कार्यक्रम में मेयर कामिनी राठौर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष हर्षिता सुमित प्रताप सिंह विधान परिषद सदस्य विजय

हम सबने यह ठाना है ब्रज को स्वच्छ बनाना है

मथुरा। ब्रज की पावन भूमि को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से सोमवार को एक व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू किया गया। तहसील महावन के गोकुल स्थित ऐतिहासिक ब्रह्मांड घाट से ह्यहम सबने यह ठाना है ब्रज को स्वच्छ बनाना हैह्न अभियान का शुभारंभ हुआ। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्वयं श्रमदान कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान घाट परिसर, सीढ़ियों, आवागमन मार्गों, यमुना जी के किनारे तथा आस-पास के क्षेत्र में फैली गंदगी को साफ किया गया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्वयं कूड़ा एवं मिट्टी को हटाया। जिलाधिकारी ने एक-एक कर प्लास्टिक को एकत्रित करते हुए यमुना जी के घाटों को प्लास्टिक मुक्त किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र सहित स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों ने झाड़ू लगाकर, कूड़ा एकत्रित कर और परिसर को व्यवस्थित कर यह संदेश दिया कि ब्रज की स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक सहभागिता का विषय भी है। अभियान का नेतृत्व करते हुए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि ब्रजभूमि हम सभी की अमूल्य धरोहर है। नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन, गोकुल, बलदेव, वृंदावन और मथुरा जैसे पावन तीर्थस्थलों की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि ब्रज में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक दर्शन और पुण्य लाभ के लिए आते हैं, लेकिन अनजाने में प्लास्टिक की बोतलें, पॉलिथीन और अन्य कचरा फेंक देते हैं, जिससे तीर्थस्थलों की पवित्रता प्रभावित होती है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्थानीय नागरिकों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि ह्यब्रज की रज अत्यंत पवित्र है। यहां पुण्य कमाने आएं, गंदगी फैलाने से बचें। हर नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होना होगा।ह्न उन्होंने कहा कि यह अभियान एक दिन का नहीं है, बल्कि पूरे ब्रज में निरंतर चलता रहेगा। उक्त सफाई अभियान में हार्टफुलनेस स्वयंसेवक और विद्यार्थियों ने दिखाया सेवा का जज्बा।

● अभियान का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

ई-रजिस्ट्री आंदोलन के बीच विधायक के बैनामे पर भड़के अधिवक्ता, फूंका पुतला

● हड़ताल के दौरान बैनामा कराने का आरोप, विरोध में जमकर हुई नारेबाजी

जिला संवाददाता (vol)

शिकोहाबाद। ई स्टांप रजिस्ट्री को लेकर अधिवक्ता विगत कई दिनों से हड़ताल पर रहकर बैनामा कार्यालय के बाहर धरना दे रहे है। लेकिन हड़ताल के बाद सिरसागंज के विधायक द्वारा रजिस्ट्री ऑफिस में चुपचाप रिश्वत देकर रजिस्ट्री कराई। इसके विरोध में अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त हो गया। सोमवार को आक्रोशित अधिवक्ताओं ने विधायक का पुतला दहन करते हुए उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उसके खिलाफ जमकर मुर्दाबाद के नारे लगाए।

इस अवसर पर बार एसो.के पदाधिकारियों ने कहा कि यह कितने दुख की बात है कि प्रदेश के लाखों लोगों के रोजगार छिनने के डर से अधिवक्ता ई रजिस्ट्री के विरोध में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं जिससे लोगों के रोजगार सुरक्षित रहे। वह सरकार से नई व्यवस्था को वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं लेकिन सपा विधायक सर्वेश सिंह यादव ने रजिस्ट्री कार्यालय के लोगों से सांठगांठ करके बैनामा करा लिया। जबकि वकीलों के विरोध के चलते बैनामा नहीं हो रहे हैं। सरकार के आदेश का सभी जनप्रतिनिधियों को सम्मान करते हुए अधिवक्ताओं का समर्थन करना चाहिए था, लेकिन वह अधिवक्ताओं की रोजीरोटी पर लात मारने का प्रयास कर रहे हैं। वह किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव सीपी यादव ओमवीर सिंह, धर्मवीर सिंह अशोक यादव कपिल श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

संस्कृति विवि में योग दिवस पर लिया निरोग रहने का संकल्प

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक साथ योग किया। स्वस्थ और निरोग रहने के संकल्प के साथ किए गए इस सामूहिक आयोजन के अवसर पर योग की आवश्यकता, विशेषता और भारत की इस प्राचीन विधा पर वक्ताओं द्वारा अपने उपयोगी विचार व्यक्त किए गए।

बताते चलें कि इस वर्ष यानी 2026 की अधिकारिक थीम थी, स्वस्थ आयु के लिए योग। यह थीम बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक गतिशीलता, मानसिक सतर्कता और जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखने पर केंद्रित है। योग केवल एक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मन, शरीर और प्रकृति के बीच संतुलन बनाने की एक जीवनशैली है। संस्कृति विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 6 बजे से 7:30 बजे तक राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन योग प्रशिक्षक आशीष शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। इस अवसर पर लगभग शिक्षक, अधिकारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग थीम के अनुरूप स्वस्थ, सक्रिय एवं संतुलित जीवन के लिए योग के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सचिन गुप्ता तथा सीईओ डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए योग को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य का आधार बताया। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज सम्पूर्ण विश्व ने अपनाया है। उन्होंने अपने संदेश में 21 जून के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे ग्रीष्म संक्रांति भी कहा जाता है, और योग परंपरा में इसका विशेष आध्यात्मिक महत्व है। कार्यक्रम में प्रति उपकुलपति डॉ. रघुराम भट्ट, डीन छात्र कल्याण डॉ. डी.एस. तोमर, डीन अकादमिक डॉ. गंगाधर, संस्कृति आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहनन, निदेशक डॉ. रजनी भट्ट, कुलसचिव रवि त्रिवेदी, प्रशासक अमित शर्मा सहित अनेक शिक्षकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नियमित योगाभ्यास करने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के संकल्प के साथ हुआ।

मण्डी चौराहे से दबोचा गैंगस्टर एक्ट का वांछित अपराधी

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस को सोमवार को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने गैंगस्टर अधिनियम के तहत वांछित चल रहे शातिर अभियुक्त कपिल (उम्र 25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है।

मुखबिर की सूचनानुसार उप-निरीक्षक (उ.नि.) मुश्ताक मेहन्दी और कॉस्टेबल धर्मेंद्र सोमवार सुबह मंडी चैराहे के पास घेराबंदी करते हुए कपिल (पुत्र रामदयाल) को पकड़ लिया। आरोपित मूल रूप से थाना जैत के बढ़ेता का निवासी है और हाल में हाईवे थाना क्षेत्र की अमर कॉलोनी में रह रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त पर पहले से ही चोरी और गैंगस्टर एक्ट सहित बीएनएस की विभिन्न धाराओं में थाना कोतवाली में 4 गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक विधिक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है मथुरा में 15 दिवसीय महाअभियान शुरू

मथुरा। मथुरा-वृन्दावन को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने 15 दिवसीय विशेष स्वच्छता, प्रवर्तन, सौंदर्यीकरण और जन-जागरूकता महाअभियान शुरू किया है। इस अभियान का शुभारंभ नगर आयुक्त जग प्रवेश ने स्वयं विभिन्न स्थानों पर झाड़ू लगाकर और स्वच्छता श्रमदान कर किया। वृन्दावन स्थित हजारीमल सोमानी नगर निगम इंटर कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में महाअभियान का शुभारम्भ नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा झाड़ू लगाकर और दुकानदारों को डस्टबिन बांटकर किया। नगर आयुक्त ने जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और निगम अधिकारियों के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उनसे ह्यहम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना हैह्न के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। स्वच्छता श्रमदान के उपरांत नगर आयुक्त ने सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों को डस्टबिन भी वितरित किए गए, साथ ही स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। यह 15 दिवसीय अभियान नगर निगम, जिला प्रशासन, मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में संचालित हो रहा है। इसके तहत 70 वार्डों को 10 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इन सेक्टरों में विशेष सफाई, अतिक्रमण हटाने, सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई, कूड़ा निस्तारण, फॉगिंग और जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अभियान के दौरान प्रमुख मंदिरों, परिक्रमा मार्गों, पर्यटन स्थलों, बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

खतौनी की त्रुटियों व अंश निर्धारण के लिए विशेष अभियान शुरू

मथुरा। मथुरा जनपद के राजस्व ग्रामों की खतौनियों में दर्ज खातेदारों और सहखातेदारों के गाटों में शत-प्रतिशत अंश निर्धारण और त्रुटि सुधार के लिए सोमवार से एक बड़ा विशेष अभियान शुरू हो गया। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने स्वयं धरातल पर उतरकर तहसील मांट और महावन के विभिन्न गांवों में आयोजित कैम्पों का औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। यह विशेष अभियान जनपद में 22 जून से 26 जून 2026 तक चलाया जा रहा है, जिसके तहत प्रत्येक राजस्व ग्राम में लेखपालों द्वारा खुली बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने तहसील मांट के अंतर्गत ग्राम दीवाना कलां के मजरा दूधा-धारी और तहसील महावन के ग्राम पड़ारी के नगला पीता में चल रहे कैम्पों का जायजा लिया। उन्होंने लेखपालों को स्पष्ट हिदायत दी कि खतौनियों में हुई त्रुटियों को ठीक करने और बचे हुए गाटों के अंश निर्धारण के कार्य को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अवगत कराया कि भू-लेख वेबसाइट पर भूलेख खतौनी अंशत्रुटि सुधार नाम से ऑनलाइन पोर्टल पहले से ही क्रियाशील है। इस पोर्टल पर खातेदार या सहखातेदार स्वयं सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों के माध्यम से भी प्राप्त प्रार्थना पत्रों को ऑनलाइन फीड कर त्वरित कार्रवाई की जा सकती है।

डीएम ने बताया अंश निर्धारण और त्रुटि संशोधन का यह कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी एसडीएम प्रतिदिन इसकी समीक्षा करें और लेखपालों के माध्यम से डेटा को समयबद्ध पोर्टल पर अपडेट कराएं। डीएम ने एसडीएम मांट (दीपिका मेहर) और उप जिलाधिकारी महावन (ऊषा सिंह) को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की रोजाना मॉनिटरिंग करें। इस मौके पर डीएम के साथ एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य, एसडीएम मांट दीपिका मेहर, एसडीएम महावन ऊषा सिंह और तहसीलदार मांट सुशील गुप्ता सहित राजस्व विभाग के तमाम अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर चला चाबुक

मथुरा। सड़क हादसों पर लगाम लगाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मथुरा जनपद में परिवहन विभाग और पुलिस ने मिलकर एक बड़ा एक्शन लिया है। उप के परिवहन आयुक्त (लखनऊ) के निर्देश पर मथुरा में दो दिवसीय विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा।

पेट्रोल पंप का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

मथुरा। मथुरा-भरतपुर रोड स्थित जाजनपट्टी में सोमवार को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के एक नए अत्याधुनिक पेट्रोल पंप का बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भव्य शुभारंभ किया गया। इस नए ईंधन केंद्र के खुलने से स्थानीय ग्रामीणों और व्यापारियों में खुशी की लहर है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकिशन चैधरी उपस्थित रहे। उन्होंने रीजनल मैनेजर, चीफ इंजीनियर और सेल्स अफसर के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर पंप का विधिवत उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी ने कहा इस क्षेत्र में आस-पास कोई पेट्रोल पंप न होने के कारण स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को ईंधन के लिए दूर-दराज के इलाकों में भटकना पड़ता था। जाजन पट्टी में इस पंप के शुरू होने से आस-पास के कई किलोमीटर के दायरे में रहने वाले ग्रामीणों और व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह पेट्रोल पंप न केवल स्थानीय वाहन चालकों और व्यापारियों के लिए समय और पैसे की बचत करेगा, बल्कि क्षेत्र के विकास में भी एक नई दिशा तय करेगा। ग्राम पंचायत नैनुपट्टी के प्रधान एवं पेट्रोल पंप के स्वामी डा. देवेन्द्र चाहर ने स्थानीय जनता की ओर से प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने भी इस नए ईंधन केंद्र को क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति और क्षेत्र के चैमुखी विकास की एक बेहद अहम कड़ी बताया है। यह पंप क्षेत्र की सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित रहेगा। कार्यक्रम के अंत में ग्राम प्रधान देवेंद्र चैधरी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष को ठाकुर बांकेबिहारी जी महाराज की छवि (तस्वीर) भेंट की और पटुका व माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत व अभिनंदन किया। इस गौरवमयी अवसर पर भारी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एसएसपी के आदेश पर जमीन कब्जे व फर्जी वसीयत के आरोप में मुकदमा दर्ज

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव दखिनारा स्थित एक कृषि भूमि और मकान को लेकर चल रहे विवाद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने फर्जी वसीयत तैयार कर संपत्ति अपने नाम दर्ज कराने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इटावा जनपद के वेस्ल कटरा साहब खान निवासी पवन कुमार पुत्र ओमप्रकाश ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी बुआ सुशीला देवी की शादी गांव दखिनारा निवासी होरीलाल के साथ हुई थी। दंपति की कोई संतान नहीं थी। होरीलाल की मृत्यु के बाद उनकी लगभग आठ बीघा कृषि भूमि और मकान सुशीला देवी के नाम हो गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, सुशीला देवी की तबीयत खराब होने पर वह उन्हें अपने साथ इटावा ले गया और उनका उपचार कराया। इसी दौरान सुशीला देवी ने अपनी संपत्ति उसके नाम वसीयत कर दी। 11 नवंबर 2025 को सुशीला देवी का निधन हो गया पवन कुमार का आरोप है कि उसके फूफा के भाई लाखन सिंह के पुत्र इन्द्रजीत, कोमल सिंह और रघुवीर सिंह ने आपस में मिलकर होरीलाल के नाम से कथित रूप से फर्जी वसीयत तैयार कराई और तहसील स्तर पर मिलीभगत कर संपत्ति अपने नाम खसरा-खतौनी में दर्ज करा ली। आरोप है कि आरोपी अब उक्त भूमि को बेचने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि जब वह गांव जाकर अपनी संपत्ति का दावा करता है तो आरोपी उसके साथ अभद्रता और मारपीट करते हैं तथा खेत पर आने पर जान से मारने की धमकी देते हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं को रोजगार की जगह मिल रही मौत सरे आम एनकाउंटर बड़ा अपराधः राजवीर

मथुरा। अखिल भारत हिंदू महासभा के मथुरा कार्यकारी जिलाध्यक्ष राजवीर दीक्षित ने देश में युवाओं की स्थिति और हाल के दिनों में सामने आए एनकाउंटर मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। मासिक बैठक के दौरान पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कुछ राज्यों में युवाओं को रोजगार देने की जगह कानून के सहारे उनकी हत्या कराई जा रही है, जो कि एक अत्यंत गंभीर और बड़ा अपराध है। बैठक में मुख्य रूप से बिहार के भोजपुर जिले (ग्राम बिलौटी) के निवासी और जनहित के मुद्दे उठाने वाले नौजवान भरत भूषण तिवारी की बिहार पुलिस द्वारा की गई कथित निर्मम हत्या का मुद्दा छाया रहा। हिंदू महासभा ने इस घटना की घोर निंदा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया। दोषी पुलिसकर्मियों और टीम का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों पर तुरंत हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। इस पूरे मामले की कानूनी कार्रवाई को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर जल्द से जल्द न्याय सुनिश्चित किया जाए। अखिल भारत हिंदू महासभा कार्यकारी जिलाध्यक्ष राजवीर दीक्षित ने कहा भरत भूषण तिवारी का अपराध सिर्फ इतना था कि वह सत्ता से जनता के हित में और वादों से जुड़े तीखे सवाल पूछ रहे थे। उनकी शहादत बेकार नहीं जाएगी। कुछ लोग जातिवाद का कार्ड खेलकर और सोशल मीडिया पर फेक अभियान चलाकर इस शहादत को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि भरत भूषण के खिलाफ एक भी मुकदमा दर्ज नहीं था। अखिल भारत हिंदू महासभा ने न्यायालय और सरकार से इस पूरे मामले में सख्त से सख्त रुख अपनाने की अपील की है। इस मासिक बैठक में जिला प्रभारी व कार्यकारी जिलाध्यक्ष राजवीर दीक्षित के अलावा जिला संयोजक रवि पाराशर, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कुमार, जिला प्रवक्ता प्रवीण मिश्रा, संगठन मंत्री राम शर्मा, जिला सचिव के.पी. सिंह, गौरव सिंह, राकेश शर्मा सहित कई सदस्य व पदाधिकारी मौजूद रहे।

निःशुल्क पानी का टैंकर न मिलने पर पालिका के सभासदों ने दिया धरना

शिकोहाबाद। नगर के मोहल्ला खेड़ा में श्रीमद भागवत कथा के लिए नगर पालिका द्वारा निःशुल्क पानी का टैंकर न देने के विरोध में वार्ड नम्बर 11 के सभासद मनीष कुमार के नेतृत्व में सभासदों ने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पालिका प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान सभासद ने आरोप लगाया कि उन्होंने भागवत कथा के लिए पानी का टैंकर उपलब्ध कराने के लिए अपने लेटर पैड पर निःशुल्क पानी का टैंकर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था लेकिन नगर पालिका परिषद ने फ्री में पानी का टैंकर देने से इंकार कर दिया। जबकि आज तक के पालिका के इतिहास में धार्मिक कार्यों के लिए कोई भुगतान नहीं किया गया। लेकिन नगर पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण आज धार्मिक कार्य के लिए पानी का टैंकर उपलब्ध नहीं हो रहा है। यह बहुत ही दुखद बात है। इस दौरान धरने पर बैठे सभासद के आंदोलन से पालिका प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन फानन में मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने सभासदों की मांगे मानते हुए पानी के टैंकर को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उसके बाद सभासदों ने धरना समाप्त किया। इस दौरान नगर पालिका के सभी सभासद मौजूद रहे।

भीषण हादसों के सबक?

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अग्नि दुर्घटना का ऐसा मंजर लोगों ने देखा जिसकी हृदय विदारक तस्वीरें कोई भी व्यक्ति जीवन में भुला नहीं पायेगा। इस अग्नि दुर्घटना से भविष्य को रोशन करने के लिए पढ़ाई कर रहे छात्रों के घरों का चिराग बुझ गया। प्रशासनिक अक्षमता और सब कुछ चलता है जैसी हमारी तदर्थवादी और लापरवाह मानसिकता ने ऐसा जख्म दिया, जो लंबे समय तक दर्द देगा। कोचिंग संस्थानों में, होटलों में और अस्पतालों में जहां बड़ी संख्या में व्यक्ति की मौजूदगी होती है, वहां अग्नि दुर्घटना रोकने के लिए विशेष इंतजाम होते हैं, साथ ही इस बात का भी ख्याल किया जाता है कि अगर दुर्घटना हो जाये, तो मौजूद लोगों के जीवन को बचाने का इंतजाम हो। इसीलिए साधारण यात्री बस हो या पैसेंजर ट्रेन के डिब्बे, इंमरजेंसी गेट लगाये जाते हैं। दुर्घटना के समय इनका कितना सार्थक उपयोग होता है, यह अलग विषय है, लेकिन बस, ट्रेन से लेकर होटल, अस्पताल, कोचिंग, स्कूल आदि में वैकल्पिक या कहें इमरजेंसी एक्जिट दिया जाता है ताकि अग्नि दुर्घटना, भूकंप या दूसरे तरह की आपात स्थिति आने पर लोगों के जीवन पर आने वाले संकट को टाला जा सके। गर्मियों में अग्नि दुर्घटना होना कोई

आश्चर्य की बात नहीं है। कोई भी केबल जल सकती है, विद्युत चालित यंत्र में आग लग सकती है, एसी, फ्रिज आदि के कम्प्रेसर फट सकते हैं, बड़ी बिल्डिंगों में किचेन से, गैस से, चाय-कॉफी बनाते समय अग्नि दुर्घटना हो सकती है। जब तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेट को पार कर जाता है, तो शहरों के कंक्रीट के जंगल दहकने लगते हैं। ऊपर से वाहनों की रेलमपेल और ठंड के लिए लगाया जाने वाले एसी भी दहकती आग में घी डालते हैं। इस तरह की भीषण गर्मी में छोटी सी चिंगारी भी दावानल बन जाती है। लखनऊ में अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में यही हुआ। भीषण गर्मी में सब कुछ पहले से दहक रहा था, भीषण गर्मी से बचने के लिए एसी लगे थे, एसी में शॉर्ट सर्किट से आग और धुंआ पूरी बिल्डिंग में फैल गया। बवाव के लिए कोई वैकल्पिक या आपातकालीन रास्ता नहीं बनाया गया था जिससे देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग लाक्षागृह बन गयी। कुछ ही मिनट में 15 लोगों की झुलसने, दम घुटने से मौत हो गयी और 9 गंभीर रूप से घायल हो गये। मृतकों की उम्र 20-24 के बीच बतायी जा रही है। इससे स्पष्ट है इसमें ज्यादातर या सभी छात्र ही होंगे। इस दुर्घटना की अभी कोई जांच रिपोर्ट नहीं आयी है। ऐसे में कुछ भी भरोसे के साथ नहीं कहा जा सकता है, लेकिन जो अनुमान लगाये जा सकते हैं वो यही कि बिना पर्याप्त सुरक्षा मानक के कोचिंग चल रही थी, कोचिंग में आपातकालीन निकास की व्यवस्था नहीं थीं, इसके निर्माण से लेकर फायर एनओसी आदि में लापरवाही या भ्रष्टाचार किया गया होगा आदि आदि। लेकिन यही सब बातें तो ज्यादातर दुर्घटना में सामने आती हैं। दुर्घटना के बाद बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों की जांच-एनओसी आदि का अभियान चलाया जाता है, जब तक दुर्घटना सुर्खियों में रहती है, तब तक जांच-पड़ताल, कमेटी-रिपोर्ट आदि सरकारी संस्कार चलते हैं और फिर सब कुछ भुला दिया जाता है... अगली दुर्घटना तक। लखनऊ में और देश में पहले भी इस तरह की बड़ी दुर्घटनाएं हुई हैं। पीजीआई, केजीएमयू से लेकर होटल, स्कूल और कोचिंग में भीषण अग्निकांड हुए हैं, लेकिन किसी से सबक नहीं सीखा गया। इस दुर्घटना में भी शायद यही परंपरागत प्रशासनिक रवैया अपनाया जाये और कोई सबक न सीखा जाये। अब अगर यही सब होता है तो किसी कार्रवाई का कोई फायदा नहीं। सरकार वास्तव में गंभीर है, तो कठोरता से अग्नि सुरक्षा के मानक लागू करे और लापरवाही बरतने पर इतनी बड़ी कार्रवाई हो कि दोबारा गलती दोहराने की कोई हिम्मत न करे।

विचार

चिंता से ही चिंता दूर होती है। धोखा देकर इसे रोकने का प्रयस करने से परिणाम उल्टा होता है।

–रवीन्द्र नाथ टैगोर.

अपनी उन्नति और शत्रु का विनाश– यही दो नीति है। इन्हीं को अंगीकार करके कुशल पुरुष अपनी वाक् चतुरता का विस्तार करते हैं।

–माघ.

जो मूर्ख दुष्टों का साथ करता है, वह अपने हाथों से अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारता है।

– वृन्द.

सबसे कठिन तीन वस्तुएं हैं– एक रहस्य को अप्रकट रखना, कष्ट को भूल जाना और अवकाश का सदुपयोग करना।

–चिलो.

विनम्रता से अच्छी कोई नीति नहीं। जहां होशियार जुबान असफल हो जाती है, वहां अच्छा व्यवहार बहुत काम कर जाता है।

– मेंगून.

नीट री-एग्जाम में सुरक्षा के नाम पर तामझाम

लोकमित्र

इक्कीस जून को आयोजित नीट (यूजी) री.एग्जाम केवल एक परीक्षाभर नहीं थी बल्कि भारतीय परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और प्रशासनिक क्षमता की भी परीक्षा थी। परीक्षा में 22 लाख से ज्यादा विद्यार्थी शामिल हुए और देश में पहली बार नीट के क्वेश्चन पेपर एयरफोर्स के एमआई-17 हेलीकॉप्टर द्वारा पहुंचाये गये। परीक्षा के एक दिन पहले 551 शहरों में बने 6,669 एग्जाम सेंटर्स पर मॉक ड्रिल की गई। परीक्षा की व्यवस्था संभालने के लिए 2 लाख से ज्यादा कर्मचारी लगाये गये। साथ ही हर जगह आब्जर्वर भी मौजूद रहे। एनटीए ने दावा किया कि लीक रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किये गये। ऐसा होता भी क्यों न, पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, फर्जी अभ्यार्थियों के परीक्षा में बैठने, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और संगठित नकल के मामलों ने परीक्षा संचालकों को सुरक्षा के प्रति अत्यधिक सतर्क बनाना ही था। लेकिन यह महज चाकचौबंद सुरक्षा ही नहीं थी बल्कि सुरक्षा के नाम पर एक तरह की हास्यास्पद स्थिति भी थी। कहीं परीक्षार्थियों की नोज पिन पर टेप लगाया गया, कहीं हाथों में बंधे धार्मिक कलावे कटवाये गये, कहीं बुर्का पहनकर आने वाली परीक्षार्थियों के प्रवेश पर विवाद खड़ा हुआ, तो कहीं कुछ मिनटों की देरी के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया गया। सवाल है क्या वास्तव में यह सारी कवायद सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर जरूरी थी या फिर हमारी परीक्षा कराने वाली एजेंसी और प्रशासन सुरक्षा व संवेदनशीलता के बीच जरूरी संतुलन बनाने में विफल रहे?

> परीक्षा कराना, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से कराना, यह सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसके लिए देश में बिना पैनिक हुए माहौल बनाना भी सरकार की जिम्मेदारी है। री.एग्जाम करा देना परीक्षार्थियों या उनके घरवालों पर किसी तरह का एहसान नहीं है, इस बात का एनटीए और सरकार दोनों को मंथन करना चाहिए।

नीट निःसंदेह आज भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं से एक है। लाखों विद्यार्थी एक ही दिन इस परीक्षा में बैठते हैं और परिणाम उनके भविष्य को तय करता है। जिस तरह से हाल के सालों में कई राष्ट्रीय परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं और नकल से जुड़े मामलों ने व्यवस्था को चोट पहुंचायी है, उसके कारण कहना नहीं होगा कि नीट री.एग्जाम के समय प्रशासन और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी सुरक्षा के नाम पर कुछ ज्यादा ही पैनिक हो गई। इसमें कोई दो राय नहीं है कि परीक्षाएं हमेशा चाक-चौबंद माहौल में होनी चाहिए, इनमें किसी तरह की गड़बड़ी लाखों लोगों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर देती

हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर पैनिक क्रिएट किया जाये। इससे व्यवस्था बनाने संबंधित ताकत नहीं दहशत और हताशा दिखती है। 'शून्य जोखिम' की नीति परीक्षाओं में होनी ही चाहिए। दुनिया में ज्यादातर देशों में जो महत्वपूर्ण परीक्षाएं होती हैं, निःसंदेह वे शून्य जोखिम के फ्रेम में ही होती है। हाल में जिस तरह मोबाइल फोन, ब्लू टूथ डिवाइस, स्मार्ट घड़ियां, माइक्रो ईयर पीस और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिये नकल के कई मामले सामने आ चुके हैं, उसको देखते हुए इस तरह की सुरक्षा भी स्वाभाविक थी, लेकिन इसके लिए दिखी हड़बड़ी हमारी कई स्तरों पर पोल खोलती है। किसी भी किस्म से परीक्षा में नकल न हो सके, इसके लिए परीक्षार्थियों की गहन जांच तो जरूरी है। लेकिन जांच के साथ मानवीय गरिमा और सामान्य विवेक को भी बनाये रखना जरूरी है कि छात्रों को किसी तरह की असुविधा न हो, उन्हें किसी तरह की असहजता न महसूस करायी जाए और सामान्य विवेक की सीमा भी न पार की जाए। क्योंकि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी और प्रशासन का यह काम ही है कि परीक्षाएं साफ-सुथरी और सुरक्षित सम्पन्न हों। लेकिन गुजरे इतवार (21 जून 2026) को जिस तरह सुरक्षा के नाम पर हर तरफ हड़बड़ी देखी गई, वह दुर्भाग्यपूर्ण थी।

सामयिक

सुरक्षा के नाम पर हमारे यहां किसी भी तरह की असुविधा को स्वीकार्य मान लिया जाता है। इससे लगता है सुरक्षा व्यवस्था जिनको बनाना था, वह ऐसा करके कोई एहसान कर रहे थे। हम यह क्यों नहीं सोचते, जिनको सुरक्षा व्यवस्था बनानी थी, उनकी व्यवस्था में कोई कमी रह गई, जिस कारण कई तरह की अव्यवस्थाएं पैदा हुईं? देश में एक दर्जन से ज्यादा छात्रों को महज कुछ मिनटों की देरी से परीक्षा केंद्र पहुंचने पर परीक्षा में नहीं बैठने दिया गया। जबकि इस देरी में उनकी लापरवाही कम, लेट के लिए पैदा हुई परिस्थितियां ज्यादा जिम्मेदार थीं। कई छात्रों को हजारों किलोमीटर दूर का एग्जाम सेंटर मिला था। मसलन भुवनेश्वर की एक छात्रा को देहरादून का केंद्र मिला था, हालांकि जिसे बाद में एनटीए द्वारा सही किया गया। लेकिन जिस तरह से नीट परीक्षा के लिए 18 लोकेशन पर क्वेश्चन पेपर पहुंचाने के लिए 200 उड़ाने संचालित की गईं, वह भी अपने आपमें कोई उपलब्धि नहीं, एक तरह से निराशा की ही बात है कि क्या अब परीक्षाओं को सुचारु रूप से चलाने के लिए सेना का साथ लिया जायेगा? क्या अब सेना सरहदों की सुरक्षा के अलावा इस तरह की प्रशासनिक व्यवस्था भी खुद देखेगी? जिस तरह से वायु सेना ने एक हफ्ते तक इस मिशन के लिए अपनी सेवाएं दी, वह भविष्य के लिए कोई आदर्श मॉडल नहीं है। पुलिस प्रशासन और सरकार को यह जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी और देश को विश्वास भी दिलाना होगा, नहीं तो कल को यह काम भी सेना की जिम्मेदारी बना दी जायेगी। करीब 7 हजार एग्जाम आब्जर्वर, 2 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की परीक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के लिए तैनाती और करीब 5 हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे व अत्याधुनिक बायोमेट्रिफिकेशन, ये सारे तामझाम की जरूरत इसलिए पड़ी कि सामान्य प्रशासन और परीक्षा व्यवस्था बेहद करप्ट हो चुकी है, जिसकी कीमत इतने बड़े तामझाम के जरिये चुकायी गई।

एग्जाम सेंटर्स पर अभ्यार्थियों की पहचान के लिए आधार बेस्ड बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, हाई सेंसिटिव मेटल डिटेक्टर से जांच, एक्स्ट्रा बायोमेट्रिक मशीनों और ट्रेंड कर्मियों की तैनाती, ये सब व्यवस्था इसलिए करनी पड़ीं, क्योंकि धीरे-धीरे करके परीक्षा आयोजित कराने वाला तंत्र लापरवाही की इतनी बड़ी मिसाल बन गया कि देश हताशा में डूब गया था कि शायद परीक्षाएं निष्पक्ष और सुरक्षित ढंग से हो ही नहीं सकती। इस सबकी कीमत न सिर्फ परीक्षार्थियों को बल्कि उनके मां-बाप और पूरे देश को भुगतनी पड़ी। 2 बजे से परीक्षा के लिए 11 बजे केंद्र में पहुंचने की आवश्यकता, डेढ़ बजे के बाद एंट्री न होने का फरमान, एडमिट कार्ड और फोटो आईडी और दो फोटो साथ रखने की जिम्मेदारी, इस सबकी जिस बदहवासी में व्यवस्था की गई, उसमें ट्रैफिक और मौसम की अडंगाकारी भूमिका के लिए कोई स्पेस नहीं रखा गया। यही कारण है कि दर्जनभर से ज्यादा छात्र परीक्षा में बैठने से वंचित रह गये। जबकि देर पहुंचने का कारण वो नहीं बल्कि ऐसी प्रशासनिक और प्राकृतिक स्थितियां थीं, जिन पर उनका कोई बस नहीं चला।

सवाल है क्या परीक्षा एजेंसी या स्थानीय प्रशासन ने इसका संज्ञान लिया? अगर नहीं लिया तो कुछ मिनटों की देरी से सेंटर पहुंचने वाले कुछ छात्रों को आखिर क्यों नहीं परीक्षा में बैठने दिया गया? जबकि वो और उनके मां-बाप रो-गिड़गिड़ा रहे थे। लेकिन पहले संवेदनहीन होने और फिर अत्यधिक दबाव होने के कारण जरूरत से ज्यादा संवदेनशील होने का खामियाजा भी उन मासूम छात्रों को भुगतना पड़ा, जिनकी इसमें कोई भूमिका नहीं थी। कहने का मतलब यह है कि नीट री.एग्जाम तो सम्पन्न हो गये, लेकिन चाकचौबंद इंतजाम के नाम पर इस पूरी व्यवस्था को जिस तरह से परीक्षार्थियों और उनके घरवालों के लिए प्रतिकूल बनाया गया, वह हास्यास्पद है। अगर ऐसी हड़बड़ी की व्यवस्था के चलते एग्जाम पूरी तरह से सुरक्षित सम्पन्न भी हो जाएं, तो भी यह बहुत बड़ी कीमत है। क्योंकि इसका मतलब यह है कि सामान्यतः ईमानदार माहौल और प्रशासन की निगरानी में कोई अखिल भारतीय परीक्षा सम्पन्न ही नहीं हो सकती।

सोशल मीडिया

लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से जिन्होंने अपनी जान गंवाई, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि, जिन परिवारों ने अपनों को उनके प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। अखिलेश यादव.

लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आज दोपहर बाद हुई अग्नि कांड में अनेक लोगों की मौत तथा और भी कई लोगों के घायल हो जाने की घटना अति दुखद है। मायावती.

लखनऊ में दुर्भाग्यपूर्ण अग्नि दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत हृदय विदारक है। मेरी गहन संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ है, ईश्वर घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य करें। केशवप्रसाद मौर्य.

आस्था के विविध रूप

अंतर्दृष्टि

सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाये तो स्पष्ट होता है कि सम्पूर्ण जीवन प्रवाह एवं उसकी उपलब्धियां वस्तुतः श्रद्धा की ही परिणति है। मां अपना अभिन्न अंग मानकर नौ माह तक अपने गर्भ में बच्चे का सेवन करती है। अपने रक्त मांस को काटकर शिशु को पोषण प्रदान करती है। श्रद्धा का यह उत्कृष्ट स्वरूप है जिसका बीजारोपण मां बच्चे में संस्कार के रूप में करती है। निःस्वार्थ भाव से उसको संरक्षण देती है। अनावश्यक भार कष्टों का जंजाल समझने का कुतर्क उठे तो नव शिशु प्रादुर्भाव ही संभव न हो सकेगा। यह श्रद्धा ही है जिसके कारण बच्चा मां के सीने से चिपकने, स्नेह दुलार पाने के लिए लालायित रहता, रोता कलपता रहता है। मूक भाषा वाणी से रहित नवशिशु की श्रद्धा एक मात्र मां के ऊपर ही होती है। माता-पिता भी निश्छल हृदय से बच्चे के विकास के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। खाने, पीने स्वास्थ्य संरक्षण से लेकर शिक्षा दीक्षा के झंझट भरे सरंजाम जुटाते हैं। समग्र विकास ही उनका एक मात्र लक्ष्य होता है। तर्क तो हर बात को उपयोगिता की कसौटी पर कसता है। इस आधार पर कसने पर माता पिता को हर दृष्टि से घाटा ही घाटा दिखायी पड़ेगा। बात तर्क की मान लीजाये तो बच्चे का अस्तित्व ही शंका में पड़ जायेगा। दृष्टिमात्र उपयोगितावादी हो जाये तथा यह परम्परा प्रत्येक क्षेत्र में चल पड़े तो परिवार एवं समाज विश्रृंखलित हो जायेगा। सभ्यता को अधिक दिनों तक जीवित नहीं रखा जा सकेगा। श्रद्धा ही पारिवारिक जीवन को स्नेह सूत्र में बांधे रहती है।

सहयोग करने अन्य सदस्यों के लिए अपने स्वार्थों का उत्सर्ग करने की प्रेरणा देती है। पारिवारिक विघटनों में इसका अभाव ही कारण बनता है। पति पत्नी के बीच मनमुटाव, सदस्यों के बीच टकराहट का कारण अश्रद्धा है। तर्क एवं उपयोगिता की कसौटी पर कसने पर तो वृद्ध माता-पिता का महत्व भी समझ में नहीं आता। वे भर के रूप में ही दिखाई पड़ते हैं। किन्तु श्रद्धा दृष्टि है कि उनका कितना ऋण चढ़ा है। उनके आशीर्वाद स्नेह को पाने की कामना आजीवन बनी रहती है। यह भाव दृष्टि तो श्रद्धा की ही उपलब्धि है। जो सदा एक युवक को माता-पिता के समक्ष नतमस्तक किये रहती है। मनुष्य के व्यक्तित्व की ढलाई श्रद्धा की भट्ठी के सानिध्य में होती है। इस श्रद्धा तत्व की गरिमा को यदि स्वीकार किया जा सके तो यह भी मानना पड़ेगा कि उसे विकसित, परिष्कृत और परिपक्व करने के लिए आस्तिकता की मान्यता का अवलंबन लेना आवश्यक है।

हारने पर रोटी के लाले पड़ेंगे

व्यंग्यलोक

अगले चुनाव में जीतने की कतई उम्मीद न करें और उसी हिसाब से जितना भी हड़प अथवा हजम कर सकें कर लें, वर्ना आगामी चुनाव के समय आर्थिक परेशानी आ सकती है। हारने पर रोटी के भी लाले पड़ सकते हैं। इसलिए एक बार सरकार में रहकर पाँच पीढ़ियों के ऐशो आराम की व्यवस्था को ध्यान में रखिए। कई बार अंतुले कौतुक-करतब राजनीति में लम्बे समय तक जिन्दा रखते हैं। कोई भी बड़े नेता के नाम पर कोई बड़ा धंधे का धंधा, गबन-घोटाला करके, सत्ता से अलग हो जाओ, तब भी सत्ता में रहने के जैसे ही ऐशो आराम भोग सकते हो। ऐसा करने से राजनीति से अलग और सत्ताहीन होने का दुःख नहीं व्यापता है थोड़ी सावधानी यही रहे कि जरा केन्द्र को भी विश्वास में ले लें, वरना वह आपको चैन की बंशी नहीं बजाने देगा और कोई जाँच आयोग-वायोग का नाटक रचकर फिजूल परेशान किया जाएगा। राज्य में कोई न कोई ऐसा कार्यक्रम प्रारम्भ करवा दें जिसमें गरीबी की पीड़ा निहित हो तो इससे भी समय आसानी से कट जाता है। जैसे दस्यु उन्मूलन अभियान, पिछड़े को पहले, बेघर को घर, जंगल में मंगल, अन्त्योदय तथा सबको रोटी, ये ऐसे नारे और आश्वासन हैं कि जनता का सहज आपके प्रति विश्वास जग आएगा तथा उसकी लार टपकने लगेगी। करना आपको कुछ नहीं है बस सचिवालय से आदेश निकालकर विभागों के निदेशालयों के मार्फत, जिला मुख्यालयों तथा ग्राम पंचायत स्तर तक उनके निर्देश भेज देने हैं। सरपंच, जिला प्रमुख और जिलाधीश आपकी सरकार की दुकान साधे रहेंगे। कई बार स्थिति उस समय बड़ी विषम हो उठती है जब आपके मंत्रिमण्डल में कोई अन्य साथी आपकी बराबर की टक्कर का हो। उससे सचेत तो रहें ही, इसके साथ ही साथ आप केन्द्र से बातचीत करके, उपमुख्यमंत्री का पद सृजित करवाकर उसे वहाँ 'एडजस्ट कर दें। इससे उसका 'ईगो काफी हद तक मर जाएगा और वह खुलकर विरोध करने में संकोच करेगा। लम्बे समय तक सत्ताजीवी रहने के लिए यह भी जरूरी है कि आप जन सम्पर्क अथवा जन आयोजनों में ज्यादा भाग न लेवें। इससे आपके मुँह से अंट-संट निकलने तथा भूल-चूक होने का पूरा खतरा रहता है। इसलिए इस तरह की बातों से बचें और यदि नौबत जाने की आ ही गई है तो मित्तभाषी बनकर महान और बृद्धिजीवी होने का भ्रम उत्पन्न करें। राज्य में कई बार मजदूरों अथवा कर्मचारियों के आन्दोलन भड़क उठते हैं। ये अवसर भी अत्यन्त घातक होते हैं। आप प्रयास कीजिए उन्हें तत्काल राहत की पंजीरी देने की। यदि फिर भी वे लोग काबू में नहीं आ रहे हैं तो एक समिति बना दें तथा उसमें वह व्यक्ति जरूर शामिल कर देवें, जो आपका प्रतिद्वंदी हो, इससे जिन्दाबाद, मुर्दाबाद का जयघोष उसके ही नाम बुलेगा।

पूरन सरमा

प्रलय की आहट है ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता संकट

पर्यावरण

वीना गौतम

बीते तीन दशकों से वैज्ञानिक चीख चीखकर पूरी दुनिया को बता रहे हैं कि धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। दिखावटी चिंता तो पूरी दुनिया के राजनेता भी दिखा रहे हैं। लंबी लंबी बैठकें कर रहे हैं, बड़े बड़े लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं, चुन-चुन करके बहुमूल्य कथनों के जैसी बातें कर रहे हैं। लेकिन हकीकत में दुनिया के बढ़ते हुए तापमान को रोकने के लिए ऐसा कुछ नहीं कर रहे कि बढ़ता हुआ तापमान थमे और दुनिया राहत की सांस ले। वैज्ञानिकों के पास पिछली लगभग पौने तीन सदियों का तापमान है और तापमान की घटती बढ़ती समझ है।

साल 1850 से लेकर साल 2024 के बीच धरती के तापमान में रिकॉर्ड 1.66 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है और वैज्ञानिकों ने जो बढ़ते हुए तापमान की हद निर्धारित कर रखी थी, उस हद 1.5 डिग्री की सीमा को ग्लोबल वार्मिंग तोड़ चुकी है और यह कारनामा पिछले 12 महीनों में हुआ है। यह अकारण नहीं है कि साल 2024 की जनवरी इतनी गर्म रही है कि पिछले ढाई सौ सालों में ऐसी गर्म जनवरी की कल्पना भी नहीं की गई। दुनिया सचमुच के प्रलय के टिक टिक बम के ऊपर बैठी हुई है और दुनियाभर के शासकों खासकर खुद को दुनिया की अकेली महाशक्ति बताने वाले शासकों के सिर में जूं तक नहीं रेंग रही। यूरोपियन एजेंसी ने गुजरी 8 फरवरी 2024 को 12 माह की ग्लोबल वार्मिंग रिपोर्ट को पेश करते हुए एक बार फिर से नेताओं की विश्व बिरादरी को आगाह किया है कि ग्लोबल वार्मिंग को जितना जल्दी संभव हो रोकें वरना तमाम गर्व करने वाली सभ्यताएं लापरवाही की गर्त में खो जाएंगी। यूरोपियन एजेंसी ने ग्लोबल वार्मिंग का जो गहन अध्ययन किया है, उससे स्पष्ट हुआ है कि दुनिया में पहली बार एक साल का औसत तापमान 1.50 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया है और यह किसी विशेष महीने की बात नहीं है बल्कि 2023 के सभी महीनों का औसत तापमान 1.50 डिग्री से ज्यादा रहा है। साल 2000 में धरती का तापमान 0.9 डिग्री बढ़ गया था और यह 1850 से शुरू होकर साल 2000 के बीच की लंबी अवधि में हुआ था यानी धरती के तापमान में औसत से 0.9 डिग्री तापमान बढ़ने के लिए 170 साल लगे थे। लेकिन 0.61 डिग्री तापमान बढ़ने में महज तीन साल लगे हैं। साल 2000 में जहां धरती का बढ़ा हुआ तापमान 0.9 डिग्री था, वह 2020 में बढ़कर 1.51 डिग्री हो गया और अब महज तीन साल के भीतर 0.73 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पहले जो आफत सदियों का सफर तय करके हमारे तक पहुंच रही थी, अब वह महज एक किलोमीटर की दूरी से दस्तक दे रही है।

वैज्ञानिकों की चेतावनियों को लगातार सिर्फ राजनेताओं ने ही नहीं बल्कि आम लोगों ने भी हल्के में लिया है। लेकिन इस चेतावनी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह किसी एक देश या एक समुदाय की बात नहीं है, समूची मानवता के लिए चेतावनी है। यूरोपियन यूनियन की कॉपर निक्स क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने यह जानकारी दी है। एजेंसी के मुताबिक फरवरी 2023 से जनवरी 2024 तक दुनिया का औसत वैश्विक तापमान अब तक के इतिहास का सबसे ज्यादा रिकॉर्डेड तापमान है। पिछले 12 महीनों में दुनिया के तापमान में 0.64 डिग्री की बढ़ोत्तरी हुई है। यह हैरान करने वाली बढ़ोत्तरी है। पूर्व औद्योगिक काल यानी 1850 से 1900 के बीच 1.52 डिग्री तामपान ज्यादा बढ़ना मानव इतिहास का सबसे बड़ा खतरा है। वैज्ञानिकों ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चेतावनी दी है कि जितना जल्दी और जितना अधिक संभव हो, तेल, गैस, कोयला जैसे जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल को रोका जाए और दुनिया में ज्यादा से ज्यादा वन क्षेत्र बढ़ाने की कोशिश की जाए। दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग की यह भयावह त्रासदी एक दिन में नहीं आयी। 1940 से लगातार धरती का तापमान अलार्मिंग स्टेज में है। लगातार धरती गर्मा रही है। 1940 में जहां पूर्व औद्योगिक काल के मुकाबले दुनिया का तापमान 0.2 डिग्री बढ़ गया था, वहीं साल 1960 में यह 0.3 डिग्री तक बढ़ गया। महज 20 सालों में 0.1 डिग्री की बढ़ोत्तरी आंख खोल देने वाली थी। लेकिन हमारी आंखें तो अगले 20 सालों में यानी 1960 से 1980 के बीच में जब 0.4 डिग्री तापमान और बढ़ गया यानी पूर्व औद्योगिक काल के पैमाने से 0.7 डिग्री की बढ़ोत्तरी हो गई, तो भी दुनिया ने या तो कुछ किया नहीं या कुछ करने की स्थिति में नहीं रही।

आप की बात

महिलाओं के लिए वरदान

उज्ज्वला योजना महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अगर हम पीएम उज्ज्वला योजना की बात करें, तो इसकी भी खूब आलोचना हुई है। गैस देकर गरीबों को लूटने, उज्ज्वला गैस की रिफिलिंग कम होने, जैसी आलोचनाएं की गयीं, लेकिन इन बातों से हटकर अगर हम आजाद भारत में ऐसी योजनाओं की चर्चा करें जिसने देश के सामाजिक-आर्थिक ढांचे, स्वच्छता और महिला स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन का काम किया है, तो उसमें उज्ज्वला योजना भी है। हालांकि पीएम जनधन, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन जैसी योजनाएं भी सामाजिक-आर्थिक बदलाव और महिलाओं के सशक्तीकरण का वाहक बनी हैं। हम महिला सशक्तीकरण के गीत दशकों से गाते रहे हैं, लेकिन एक दशक पहले राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कौन सी बड़ी योजना थी जो महिलाओं के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन का वाहक बनी। लेकिन आज कई योजनाएं हैं और उसमें उज्ज्वला गैस योजना ने महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव किया है और सफल भी रही है। 1 मई 2016 से शुरू की गयी इस योजना ने अब तक 9.60 करोड़ घरों को स्वच्छ ईंधन से आच्छादित किया है। अगर एक परिवार से चार-पांच सदस्य ही लाभान्वित हों, तो सीधे-सीधे करीब 50 करोड़ लोगों को इससे लाभ हुआ है। 9.60 करोड़ घरों में उन महिलाओं की ताकत उज्ज्वला गैस बनी है जो लकड़ी, उपले या मिट्टी के तेल से खाना बनाती थीं। इससे उनको खाना बनने में अधिक समय लगता था, धुएं से स्वास्थ्य प्रभावित होता था और ऐसे समय जब वर्षा आदि के कारण जलावन में नमी आ जाती थी, तो चूल्हा जलाने में महिलाओं को इतनी फूंक मारनी पड़ती थी कि उनके सीने और मुंह में दर्द होने लगता था। अगर हम यह मान भी लें कि बहुत से घरों में उज्ज्वला गैस एक-दो बार ही भरायी जाती है, तो भी इससे बहुत मदद मिली। जलावन भीगने पर, वर्षा के दिनों में या सूखा जलावन न होने पर ही अगर गैस का प्रयोग हुआ, तो इससे भी महिलाओं को खाना बनाने में मदद मिली। बच्चों को जल्दी स्कूल भेजने में मदद मिली, स्वच्छ गैस से स्वास्थ्य बचाने में मदद मिली। उज्ज्वला गैस महिलाओं का संभल बनी है। इसीलिए केन्द्र सरकार ने 75 लाख और लाभार्थियों को जोड़ने का फैसला किया है।

विकास श्रीवास्तव, लखनऊ.

सड़कों में बढ़ते गड्ढे

हर बरसात के बाद सड़कों की हालत बदतर हो जाती है और महीनों या कई बार सालों तक उसको दुरुस्त नहीं किया जाता है जिसके कारण गड्ढे लगातार बढ़ते जाते हैं। इससे सड़क दुर्घटनाएं तो बढ़ती ही हैं लेकिन लोगों का चलना भी दूभर हो जाता है। शहरों में तो सड़कों की सुध-खैर भी ली जाती है, लेकिन अधिकांश ग्रामीण सड़कें दुर्दशा की शिकार हैं। उनका कोई पुरसाहाल नहीं है। वर्षों तक गड्ढों की भराई नहीं होती है। शहरों में तो बात-बात पर सड़कें काट देने या उनको खोद डालने की परम्परा सी बन गयी है। एक तरफ सड़क बनकर तैयार होती है और दूसरी तरफ उसे खोदने वाले पहुंच जाते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे इंतजार करते हैं कि जल्दी से सड़कें बनें ताकि उनकी खोदाई व तहस-नहस करने का शुरू हो सके। यह दरअसल विकास में नियोजन की कमी का परिणाम है। अगर पहले से यह अनुमान लगा लिया जाये ताकि जो सड़क बनायी जायेगी वहां उसके नीचे से सीवर भी बनना है, अंडरग्राउण्ड बिजली की लाइन जाने है, कम्युनिकेशन केबल बिछाना है, जैसी चीजों का पहले से ही अनुमान लगाकर नियोजन कर लिया जाये तो एक तरफ सड़कें बनने के बद ही दूसरी तरफ उसकी खोदाई न हो। सिर्फ विकास के लिए सड़कों सड़कों को नहीं खोदा जाता है बल्कि कई बार स्वागत द्वार बनाने, टेंट लगाने, होर्डिंग के लिए भी खोदाई होती है। इसतरह की खुदाई पर रोक लगाने के साथ ही सड़कों निर्माण में मैटेरियल का सही उपयोग होना चाहिए ताकि सड़कें टिकाऊ हों।

मनोज कुमार सिंह, बाराबंकी.

संक्षेप

नोटिस की समय सीमा बीती, नहीं हटाया अतिक्रमण

मिल्कीपुर-अयोध्या। सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण को हटाने के लिए चश्पा की गई नोटिस के दो माह बीत जाने के बाद भी सार्वजनिक भूमि से विपक्षी ने कब्जा नहीं हटाया है। विपक्षी के द्वारा कब्जा हटाये जाने से अर्ध निर्मित नाले का का पुनः निर्माण शुरू नहीं हो सका है।

तहसील मिल्कीपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भदोखरा निवासी प्रधान प्रतिनिधि लालू यादव ने एसडीएम मिल्कीपुर को दिए गए शिकायती पत्र में बताया है कि गांव की जल निकासी के लिए नाला बनाया जा रहा है जिसका 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा भी हो चुका है।

निर्माणाधीन नाले के सामने गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा अवैध कब्जा किए जाने से नाले का निर्माण रुक गया है। अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन के द्वारा 20 अप्रैल को नोटिस चस्पा कर 10 दिन के अंदर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी विपक्षी द्वारा अवैध कब्जा नहीं हटाया गया जिसके चलते नाले का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद के चलते दानपेटियों में घटा नकद चढ़ावा

जिला संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के बाद नकद दान में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली है। मंदिर से जुड़े कर्मचारियों के अनुसार, पहले सामान्य दिनों में दानपेटियों से प्रतिदिन 8 से 12 लाख रुपये तक निकलते थे, जबकि 15 से 19 जून के बीच यह राशि घटकर रोजाना लगभग 85 हजार से 95 हजार रुपये रह गई।

यानी नकद चढ़ावा एक लाख रुपये से भी कम हो गया। हालांकि, मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कोई खास कमी नहीं आई है। कर्मचारियों के अनुसार, विवाद के बाद भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। कई श्रद्धालुओं का कहना है कि घटना से उन्हें दुख हुआ है और अब वे दानपेटी के बजाय

- मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बरकरार

ऑनलाइन दान को प्राथमिकता देने पर विचार कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, चढ़ावा चोरी मामले की जांच के बाद दानपेटियों की गिनती से लेकर बैंक में राशि जमा करने तक की व्यवस्था को और सख्त किया गया है। निगरानी भी बढ़ा दी गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 5 फरवरी 2020 से मंदिर ट्रस्ट के गठन के बाद राम मंदिर को हजारों करोड़ रुपये का चढ़ावा प्राप्त हुआ। वहीं, प्राण-प्रतिष्ठा के बाद शुरूआती महीनों में चढ़ावे की राशि काफी अधिक रही, लेकिन समय के साथ इसमें कमी दर्ज की गई।

अब चोरी के विवाद के बाद नकद चढ़ावे में और गिरावट सामने आई है, जबकि श्रद्धालुओं की आस्था और मंदिर में आने वालों की संख्या पहले की तरह बनी हुई है।

शेषावतार मंदिर का ध्वजारोहण समारोह आज, तैयारियां पूरी

जिला संवाददाता

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दानराशि गबन प्रकरण की जांच को लेकर चल रही हलचल के बीच शेषावतार मंदिर में ध्वजारोहण समारोह की तैयारियां पूरी हो गयी है। कार्यक्रम मंगलवार 23 जून को शाम 6 बजे होगा। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से कार्यक्रम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के बीच समारोह को स्थगित करने और तय समय पर कराने, दोनों विकल्पों पर विचार किया गया। अंत में ट्रस्ट ने प्रोग्राम को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराने का फैसला लिया। ट्रस्ट महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने समारोह की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक के बाद संबंधित अधिकारियों और व्यवस्था प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो सकते हैं। हालांकि उनकी उपस्थिति को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ट्रस्ट की ओर से अयोध्या महानगर, ग्रामीण क्षेत्र और आसपास के जनपदों के कार्यकताओं तथा रामभक्तों को व्हाट्सएप के माध्यम से आमंत्रण भेजे गए हैं। निमंत्रण के साथ सुरक्षा और प्रवेश व्यवस्था से संबंधित दिशा-निर्देश भी साझा किए गए हैं। समारोह में आने वाले अतिथियों का प्रवेश जगद्गुरु रामानंदाचार्य द्वार और जगद्गुरु रामानुजाचार्य द्वार से कराया जाएगा। वाहनों की पार्किंग के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। ट्रस्ट के अनुसार, शाम 4.30 बजे से प्रवेश शुरू हो जाएगा। श्रद्धालुओं और आमंत्रित अतिथियों के लिए जलपान और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रवेश के दौरान सुरक्षा जांच की व्यवस्था भी रहेगी। चढ़ावे से जुड़े विवाद और जांच के बीच आयोजित होने वाला यह समारोह ट्रस्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में आयोजन की व्यवस्थाओं और इसमें होने वाली सहभागिता पर भी लोगों की नजर बनी हुई है।

एसआईटी जांच के बीच कर्नाटक रवाना हुए गोपाल राव, जांच एजेंसी जुटा रही जानकारी

अयोध्या। अयोध्या से जुड़े चर्चित मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एस.आई.टी) के बीच एक नया घटनाक्रम सामने आया है। जांच के दायरे में शामिल गोपाल राव के अयोध्या से कर्नाटक जाने की जानकारी मिलने के बाद प्रशासनिक और जांच एजेंसियों में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, एस.आई.टी ने हाल के दिनों में कई लोगों से पूछताछ की थी और संबंधित व्यक्तियों को जांच पूरी होने तक उपलब्ध रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर दोबारा उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। ऐसे में गोपाल राव के अयोध्या छोड़ने की सूचना को जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोपाल राव ने अयोध्या से रवाना होने से पहले एस.आई.टी को इसकी जानकारी दी थी या नहीं। जांच एजेंसी इसी पहलू की पड़ताल कर रही है। यदि बिना सूचना या अनुमति के जाने की पुष्टि होती है, तो एस.आई.टी इस संबंध में आगे की कार्रवाई पर विचार कर सकती है। हालांकि, इस विषय पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले में प्रतिक्रिया लेने के लिए गोपाल राव से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। सूत्रों का कहना है कि एस.आई.टी अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। इसी दौरान गोपाल राव के कर्नाटक जाने की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनका दौरा पूर्व निर्धारित था या उन्होंने बिना पूर्व सूचना के अयोध्या छोड़ा। जांच एजेंसी की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें बनी हुई हैं।

भारतीय कायस्थ महासभा ने किया बार पदाधिकारियो का स्वागत

बाराबंकी। धनोखर सरोवर स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर परिसर में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा व राष्ट्रीय जागरण मंच के संयुक्त तत्वाधान मे नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन अध्यक्ष रमन द्विवेदी व महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुभाष श्रीवास्तव, सुबोध श्रीवास्तव, हरीश श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, योगेन्द्र गुप्ता, गौरव श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, अंबरीष श्रीवास्तव मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सजेगी आम की महफिल

बहराइच। जिला उद्यान अधिकारी, बहराइच दिनेश चैधरी ने बताया कि इन्दिरा गॉधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर, लखनऊ में 03 से 05 जुलाई 2026 तक ह्यह्यउ.प्र. आम महोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा 03 जुलाई को किया जाना प्रस्तावित है। आम महोत्सव में विभिन्न प्रकार की आम के प्रजातियों के प्रदर्शन के साथ-साथ आम की उन्नतिशील तकनीक की जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा दी जायेगी तथा प्रदर्शनों के मूल्यांकन के आधार पर उत्कृष्ट आम उत्पादक कृषकों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार भी प्रदान किया जायेगा।

श्री चैधरी ने बताया कि उ.प्र. आम महोत्सव-2026 में संरक्षित उत्पाद के प्रदर्शन हेतु जिले के इच्छुक आम उत्पादक कृषक/बागवान को 02 जुलाई 2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुॅचना होगा। आम महोत्सव के सम्बन्ध में किसी प्रकार की जानकारी के लिए योजना प्रभारी पंकज वर्मा के मो.न. 9455108000 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

मिट्टी खनन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार साधारण मिट्टी के सम्बन्ध में पूर्व निर्गत समस्त संगत आदेशों/निदेर्शों को अवक्रमित करते हुए साधारण मिट्टी का 100 घन मी. तक खनन/परिवहन मात्र आनलाइन पंजीकरण के आधार पर तथा 100 घन मी. से अधिक साधारण मिट्टी की मात्रा के खनन/परिवहन के लिए विभागीय पोर्टल माइन मित्रा पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर अनुज्ञा पत्र प्राप्त किया जा सकता है। किसानों को निजी उपयोग हेतु 100 घन मी. तक साधारण मिट्टी के खनन/परिवहन हेतु पोर्टल पर अनुमति के ब्लॉक पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। इस हेतु खनन योजना एवं खनन अनुज्ञा पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। पंजीकरण हेतु नाम, पता, मोबाईल नम्बर, ई-मेल आई.डी. भरकर अपना लॉग इन बनाना होगा। इच्छुक किसान अपने खेत, कृषि कार्य अथवा अन्य निजी उपयोग हेतु निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है तथा पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त होने के उपरान्त नियमानुसार 100 घन मी. तक मिट्टी खनन कार्य कर सकते है। आमजन को सुझाव दिया गया है कि किसी भी प्रकार के अवैध खनन अथवा बिना वैध प्रपत्र के सा. मिट्टी (खनिज) खनन/परिवहन न करें। खनन के लिए पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन खनन अनुज्ञा पत्र प्राप्त किया जाना आवश्यक है। अस सम्बन्ध में अधिक जानकारी हेतु संबंधित तहसील, खनन कार्यालय अथवा माइन मित्रा पोर्टल पर संपर्क किया जा सकता है।

खनन माफियाओं का वर्चस्व जारी, पुलिस अनजान बनी

जिला संवाददाता

बहराइच। तहसील महसी, नानपारा के थाना खैरीघाट क्षेत्र के कोने कोने में खनन माफियाओं का वर्चस्व जारी है और धरती माता का सीना चीरा जा रहा है

खनन माफियाओं द्वारा लगातार अवैध मिट्टी खनन किया जा रहा है

जहां पर तहसील प्रशासन, खनन विभाग बहराइच और स्थानीय पुलिस अनजान बनी है

सूत्रों के मुताबिक एक व्यक्ति ने बताया कि स्थानीय प्रशासन से मिले कोई कार्य संभव नहीं है और खर्चा देते हैं यह आरोप पुलिस पर लगे

लेकिन बड़ा सवाल क्या खनन विभाग बहराइच मामले पर मौन बना है या फिर कहीं किसी के दबाव में कार्यवाही नहीं करता है योगी सरकार जहां खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही की बात करती हैं लेकिन यहां खनन विभाग में सरकार के आदेशों को पलीता लगा रहा है

वही स्थानीय पुलिस भी मामले पर अनजान बनी है खैरी घाट थाना क्षेत्र के कई क्षेत्रों में अवैध मिट्टी का खनन रात में जारी रहता है और चलने वाला है लोग रातों में सो नहीं पाते हैं कई बार प्रशासन से इसकी शिकायत की है लेकिन विभाग अनजान बना है खैरी घाट थाना क्षेत्र में अवैध खनन जारी है बीच में दो तीन दिनों के लिए बंद हुआ है फिर उसी तरह जारी हो गया है स्थानीय सूत्रों ने बताया है कि लाइन मिलती रहती है जैसे ही खनन माफिया खेतों को खोदकर तालाब बना देते हैं जिससे राजस्व को नुकसान हो रहा कार्य बाकी अपडेट समाचार के साथ लेकिन देखना यह है जिला प्रशासन मामले पर क्या संज्ञान लेगा या अवैध खनन जारी रहेगा

अयोध्या में बनकर तैयार हुआ नर्सिंग कॉलेज

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज परिसर में अत्याधुनिक नर्सिंग कॉलेज भवन और छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। 9.94 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुए इस आधुनिक परिसर के साथ अब अयोध्या में नर्सिंग शिक्षा को मजबूत आधार मिल गया है। केन्द्रीय सहायतित योजना के अंतर्गत

- स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अयोध्या को मिला अत्याधुनिक नर्सिंग कॉलेज
- 9.94 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ नर्सिंग कॉलेज भवन और छात्रावास

उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, अयोध्या इकाई द्वारा यह परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की गई। परियोजना में जी प्लस 1 मंजिला एकेडमिक ब्लॉक और जी प्लस 2 मंजिला हॉस्टल ब्लॉक का निर्माण शामिल था। 30 अगस्त 2024 को कार्य प्रारंभ होने के बाद 28 फरवरी 2026 को निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा कर लिया गया। वर्तमान में भवन का पूर्ण रूप से सौंपा जाना हो चुका है और भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस नर्सिंग कॉलेज में आधुनिक कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, प्रशिक्षण सुविधाएं और छात्रावास का प्रावधान किया गया है, जो भविष्य के नर्सिंग पेशेवरों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवासीय सुविधा उपलब्ध कराएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा वित्तपोषित इस परियोजना से अयोध्या में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास को नई गति मिलेगी। इस आधुनिक नर्सिंग कॉलेज के शुरू होने से अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को नर्सिंग पेशे में करियर बनाने का बेहतर अवसर मिलेगा। साथ ही, राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए अयोध्या को चिकित्सा हब बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए हैं। इस नर्सिंग कॉलेज की स्थापना उसी विजन का हिस्सा है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अयोध्या अब न केवल चिकित्सा शिक्षा बल्कि नर्सिंग शिक्षा में भी उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा। राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर रविंदर यादव ने बताया कि परियोजना को उच्च गुणवत्ता के साथ समयसीमा के अंदर पूरा करने के लिए निरंतर निगरानी रखी गई। निर्माण कार्य में स्थानीय श्रमिकों को भी रोजगार मिला, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचा। यह परियोजना न केवल अयोध्या बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में एक सकारात्मक विकास है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से युक्त नर्सिंग कॉलेज अब तैयार है, जो आने वाले वर्षों में कुशल नर्सिंग पेशेवर तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह व मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन ने जनपद में 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में निर्माणाधीन परियोजनाओं

- निर्माण कार्यों में देरी और गुणवत्ता में कमी पर होगी जवाबदेही तय: डीएम
- जल निगम शहरी के कार्यों में धीमी प्रगति पर जताई कड़ी नाराजगी

की गुणवत्ता एवं समयसीमा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिन परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षित नहीं है, उनमें विशेष ध्यान देते हुए श्रमिकों एवं संसाधनों की संख्या बढ़ाई जाए तथा कार्यों को तेजी से पूर्ण कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुये कहा कि जनपद में संचालित सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराने, कार्यदायी संस्थाओं के साथ-साथ संबंधित विभागों के अधिकारी भी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करने, निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखने, किसी भी स्तर पर लापरवाही, शिथिलता अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। बैठक में जल निगम शहरी द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों में संचालित पेयजल योजनाओं के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने एवं पानी की टंकियों के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

बैठक में जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए राकेश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल रहे।

सड़क हादसे में तीन की मौत

बहराइच। जिले के जरवल रोड थाना क्षेत्र के धनराजपुर मोड़ के पास सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कैसरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भखरौली मुंगेशपुर निवासी बूधई (50), राममिलन (25) और रामकिशुन (40) एक मोटरसाइकिल से बाराबंकी जिले के सिरौली गांव जा रहे थे।

सुबह लगभग सात बजे जब उनकी बाइक जरवल रोड थाना क्षेत्र के धनराजपुर मोड़ के निकट पहुंची, तभी वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पुलिया से टकरा गई और गहरे खड्डे में जा गिरी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार बूधई और राममिलन की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं गंभीर रूप से घायल रामकिशुन को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

जो लोग स्वयं दोषी, वे निष्पक्ष जांच कैसे कर सकते हैं: पवन पांडेय

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास के जन्मदिवस पर पूर्व मंत्री व समाजवादी पार्टी नेता तेज नारायण पांडेय पवन ने उनसे भेंट कर शुभकामनाएं दीं और उनके दीघार्यु व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में राम मंदिर की दान पेटिका से जुड़े कथित अनियमितता के मामले पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए पांडेय ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को इस प्रकरण की जानकारी पहले इसलिए मिली क्योंकि भगवान राम ने स्वयं उन्हें जानकारी दी। एसआईटी जांच पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग स्वयं दोषी हैं, वे निष्पक्ष जांच कैसे कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए पांडेय ने कहा कि यदि इतनी बड़ी घटना हुई है तो यह पूरे तंत्र और व्यवस्था की विफलता को दशार्ता है। कारसेवकों पर गोलीकांड के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जिन्होंने गोली चलवाई, आज वही लोग मंदिर निर्माण व्यवस्था में महत्वपूर्ण पद पर कार्य कर रहे हैं।

एसपी ने जनता दर्शन में सुनीं जनसमस्याएं

बहराइच। पुलिस अधीक्षक श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा *जनता दर्शन* में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

बहराइच। विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुकपुलिस अधीक्षक श्री विश्वजीत श्रीवास्तवके निर्देशन म्मशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सीएम डैशबोर्ड की मासिक समीक्षा बैठक

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की मासिक समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें तथा योजनाओं की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए प्रभावी प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों का प्रदर्शन अपेक्षानुरूप नहीं

- फैमिली आईडी सहित सभी प्राथमिकता योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश

है, वे व्यक्तिगत रुचि लेते हुए कमियों का तत्काल निराकरण करें। सीडी एवं ई श्रेणी में शामिल विभागों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा उदासीनता की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में विशेष रूप से फैमिली आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पात्र परिवारों का अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाई जाए तथा किसी भी स्तर पर लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, उपायुक्त मनरेगा, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

बहराइच। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत आवेदनों, स्थापित संयंत्रों, लंबित प्रकरणों तथा डीसीआर अपलोड की स्थिति की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। डीएम ने योजना की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त कर वेंडर चयन की प्रक्रिया में प्रगति लाने के निर्देश दिये। डीएम ने वेंडर्स को निर्देश दिया कि कार्य में तेजी लाकर लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करें।

डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्राम प्रधानों व सभासदों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें अपने अपने घरों तथा ग्रामवासियों व वार्डवासियों को सोलर पैनल स्थापना के लिए प्रेरित किया जाय। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि जिले के ऐसे अधिकारी व कर्मचारी जिनके जनपद में खुद के निजी आवास हैं उन्हें भी सोलर पैनल स्थापना के लिए प्रोत्साहित किया जाय। डीएम ने योजना की समीक्षा के लिए पुनः 29 जून बैठक आहूत किये जाने का भी निर्देश दिया। विद्युत विभाग से सम्बन्धित वेंडर्स की समस्याओं के समाधान हेतु विद्युत विभाग प्रत्येक पखवाड़े में तथा बैंकों से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक शुक्रवार को पूर्ववत बैठक आयोजित किये जाने के भी निर्देश दिये गये। डीएम ने बैंकों को निर्देश दिया कि स्वीकृत पत्रावलियों की धनराशि 02 दिवस में अवमुक्त कर दी जाय। वेण्डर्स को निर्देश दिया गया कि सभी स्वीकृत लाभार्थियों की सूची को अतिशीघ्र पोर्टल पर अपलोड करते हुए संयंत्र स्थापना का कार्य पूर्ण किया जाय। डीएम ने परियोजना अधिकारी यूपीनेडा को निर्देश दिया कि योजना के अंतर्गत लाभान्धित उपभोवता की सफलता की कहानी तैयार कर प्रकाशित कराये जिससे आमजन भी प्रेरित हो सकें। विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि स्थापित संयंत्रों का निरीक्षण एवं नेट मीटर/स्मार्ट मीटर से संबंधित कार्य को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाय।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, वरिष्ठपअधिकारी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत बहराइच, सहायक अभियन्ता विद्युत मीटर, जिला समन्वयक सहित वेंडर्स व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

संक्षेप

सुमीत इंडस्ट्रीज ने की 199.75 करोड़ के राइट्स इश्यू की घोषणा

सूरत। पॉलिएस्टर टेक्सचराइज्ड यार्न, पार्टियली ओरिएंटेड यार्न (पीओवाई), फुली ड्रॉन यार्न (एफडीवाई) के उत्पादन से जुड़े अग्रणी एकीकृत पॉलिएस्टर निर्माताओं में से एक, सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने पात्र शेयरधारकों के लिए राइट्स इश्यू की घोषणा की है। इसका उद्देश्य कंपनी की वित्तीय लचीलापन बढ़ाना तथा उसकी रणनीतिक व्यावसायिक प्राथमिकताओं को समर्थन प्रदान करना है। सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने पूर्ण रूप से चुकता इक्विटी शेयर जारी करके कुल 199.75 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू की शर्तों को मंजूरी प्रदान की है। कंपनी राइट्स इश्यू से प्राप्त राशि में से 49 करोड़ रुपए गुजरात के सूरत में नाकोडा लिमिटेड से अधिग्रहित अतिरिक्त 1,40,000 टन प्रति वर्ष क्षमता वाले पॉलिएस्टर चिप्स प्लांट के अधिग्रहण एवं संचालन हेतु आवंटित करने का प्रस्ताव रखती है। इस परियोजना की कुल लागत 90 करोड़ रुपए है, जिसमें शेष 41 करोड़ रुपए आंतरिक संसाधनों से उपलब्ध कराए जायेंगे।

एल्पेनलीबे और स्विगी ने लॉन्च किया स्वीटेस्ट सिटी चैलेंज

बंगलुरु। एल्पेनलीबे ने स्विगी स्विगी लिमिटेड के साथ साझेदारी में एल्पेनलीबे स्वीटेस्ट सिटी चैलेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। इस चैलेंज का उद्देश्य इस बात को रेखांकित करना है कि डिलीवरी पार्टनर्स भारत की बढ़ती आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो हर दिन विभिन्न शहरों में अनगिनत लोगों से मिलते हैं और उनसे संवाद करते हैं। यह चैलेंज पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, चेन्नई और दिल्ली सहित भारत के 20 से अधिक शहरों में लाइव होगा। अपनी तरह की यह अनूठी पहल लाखों उपभोक्ताओं को, जो हर दिन शहरों में डिलीवरी पार्टनर्स के साथ बातचीत करते हैं, अपना ऑर्डर प्राप्त करते समय उनके प्रति सराहना, गर्मजोशी और आभार व्यक्त करने का एक छोटा सा कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु डिजाइन की गई है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मई में 0.5 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। देश के आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मई में सात महीने के निचले स्तर 0.5 प्रतिशत पर रही। कोयला, कच्चा तेल और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट के कारण बुनियादी उद्योगों की वृद्धि सुस्त पड़ी। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इससे पिछले महीने अप्रैल में बुनियादी उद्योग की वृद्धि दर 1.8 प्रतिशत और मई, 2025 में 1.2 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार, कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन वृद्धि में गिरावट आई। प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अप्रैल-मई के दौरान 1.1 प्रतिशत पर स्थिर रही। इससे पहले, बीते वर्ष अक्टूबर में, आठ बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में 0.1 प्रतिशत में गिरावट आई थी।

सेबी ने किया प्रतिभूति बाजार टेकस्प्रिंट पेश

नयी दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को वैश्विक फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) महोत्सव 2026 के तहत प्रतिभूति बाजार टेकस्प्रिंट पेश किया। इस पहल का मकसद प्रतिभूति बाजार की वास्तविक चुनौतियों से निपटने के लिए देश के तकनीकी प्रतिभा का उपयोग करना है। बाजार बुनियादी ढांचा संस्थानों और उद्योग निकायों के साथ मिलकर तैयार किया गया यह टेकस्प्रिंट नवोन्मेषकों को ऐसे डिजिटल समाधान बनाने के लिए आमंत्रित करता है जो खुदरा निवेशकों को सशक्त बनाने और भारत के पूंजी बाजार में पारदर्शिता, दक्षता, नियमों का पालन और पहुंच को बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। इस पहल का विषय... नवाचार पर अमलः भविष्य के लिए प्रतिभूति बाजार को आकार देना है। प्रतिभागियों को मुख्य समस्याओं पर समाधान विकसित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। टेकस्प्रिंट प्रतिभागियों को वैश्विक फिनटेक महोत्सव में अपने समाधान प्रदर्शित करने और नकद पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देगा। छांटे गये नवाचारों पर सेबी नवोन्मेष सैंडबॉक्स कार्यक्रम के तहत संरक्षण के लिए भी विचार किया जाएगा। पुरस्कार राशि में विजेता के लिए 2.5 लाख रुपये, पहले रनर-अप के लिए दो लाख रुपये, दूसरे रनर-अप के लिए 1.5 लाख रुपये और जूरी की सिफारिश पाने वाली प्रविष्टियों के लिए 50,000 रुपये प्रति प्रविष्टि शामिल हैं।

सेंसेक्स में 291 अंकों की उछाल

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति की उम्मीद के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी लौट आई। सेंसेक्स 291 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 90 अंक की बढ़त दर्ज की गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 291.17 अंक यानी 0.38 प्रतिशत बढ़कर 77,094.07 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 522.66 अंक यानी 0.68 प्रतिशत चढ़कर 77,325.56 अंक तक चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 89.80 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,102.90 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों के फिर से लिवाली शुरू करने और रिलायंस इंडस्ट्रीज एवं एचडीएफसी बैंक के शेयरों में खरीदारी आने से बाजार को सहारा मिला। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा में सर्वाधिक 1.87 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और बजाज फिनसर्व के शेयर भी चढ़कर बंद हुए। दूसरी तरफ एशियन पेंट्स, टाइटन, पावरग्रिड और ट्रेंट के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका-ईरान वार्ता के पहले दौर के सकारात्मक संकेतों से वैश्विक निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है, हालांकि निवेशक सतर्क रुख बनाए हुए हैं। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.60 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप में 0.45 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में बीएसई उपयोगिता खंड में 1.01 प्रतिशत, स्वास्थ्य देखभाल खंड में 0.81 प्रतिशत, ऊर्जा खंड में 0.68 प्रतिशत और तेल एवं गैस खंड में 0.68 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,635 कंपनियों के शेयर चढ़कर बंद हुए, जबकि 1,754 कंपनियों में गिरावट रही और 197 अन्य अपरिवर्तित रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.66 प्रतिशत गिरकर 79.23 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति की उम्मीद के बीच बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। इसमें बैंकिंग, उपयोगिता एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन की अहम भूमिका रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,859.07 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीद की थी। यूरोप के बाजार मिले जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे।

रुपया 34 पैसे टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 34 पैसे कमजोर होकर 94.67 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी बाज़ार में अमेरिकी मुद्रा की मज़बूती के कारण रुपये पर दबाव है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में उतार-चढ़ाव बना रहा। स्थिर ऋण एवं जमा प्रवाह ने घरेलू मुद्रा को सहारा दिया, जबकि पश्चिम एशिया की अनिश्चित स्थिति तथा मजबूत डॉलर ने इसे दबाव में डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.42 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले भाव से नौ पैसे की गिरावट है। हालांकि, शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 से 94.76 के स्तर तक पहुंचा। अंत में रुपया 94.67 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद भाव से 34 पैसे कम था। रुपया शुक्रवार को सात पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.33 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.88 पर रहा। अंतराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा बाजार भाव 1.75 प्रतिशत गिरावट के साथ 79.16 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू शेयर बाज़ारों में सेंसेक्स 291.17 अंक चढ़कर 77,094.07 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 89.80 अंक बढ़त के साथ 24,102.90 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को शुद्ध लिवाल रहे थे और उन्होंने 4,859.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

छुट्टियों के दौरान बढ़ती यात्रा बुकिंग के दबाव से साइबर हमलों में इजाफा

नयी दिल्ली। छुट्टियों के दौरान यात्रा बुकिंग की मांग बढ़ने का फायदा उठाने के लिए साइबर अपराधी भारत के यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र को बड़े पैमाने पर निशाना बना रहे हैं। इन संस्थानों को वैश्विक औसत की तुलना में काफी अधिक संख्या में साइबर हमलों का सामना करना पड़ रहा हैं। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

पिछले छह महीनों के दौरान भारत में संगठनों को प्रति सप्ताह औसतन 3,296 साइबर हमलों का सामना करना पड़ा, जबकि वैश्विक औसत 2,085 हमले प्रति सप्ताह रहा। मई 2026 में आतिथ्य, यात्रा और मनोरंजन क्षेत्र के प्रत्येक संस्थान पर औसतन 2,291 साप्ताहिक साइबर हमले दर्ज किए गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक हैं। इसके विपरीत, सभी क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर साइबर हमलों में वार्षिक वृद्धि मात्र दो प्रतिशत रही। भारत में खतरा और अधिक गंभीर है, क्योंकि पिछले एक महीने में पाई गई 86 प्रतिशत खतरनाक फाइल डिजिटल माध्यमों से भेजी गईं। इससे स्पष्ट होता है कि फर्जी यात्रा वेबसाइट, नकली बुकिंग मंच और भ्रामक ऑनलाइन विज्ञापन यात्रियों को ठगने के लिए साइबर अपराधियों के सबसे प्रभावी हथियार बन चुके हैं। मई, 2026 में यात्रा से जुड़े 47,318 नए डोमेन (इंटरनेट पते) पंजीकृत किए गए।

आधार मोबाइल ऐप पांच माह में 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड

नयी दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की तरफ से पेश नए आधार मोबाइल ऐप को पांच माह के भीतर ही 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। सोमवार को जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस ऐप के माध्यम से करीब 40 लाख उपयोगकर्ताओं ने अपने मोबाइल नंबर को अद्यतन किया है, जबकि लगभग 8.5 लाख लोगों ने पते में संशोधन की सुविधा का उपयोग किया है। प्राधिकरण ने कहा कि पांच महीने पहले पेश किए गए इस ऐप को देशभर में तेजी से स्वीकृति मिल रही है और इसका बढ़ता उपयोग इस पर लोगों के बढ़ते भरोसा जताता है। यह नया आधार ऐप स्मार्टफोन के जरिये मोबाइल नंबर और पते को अद्यतन करने समेत कई सेवाएं उपलब्ध कराता है।

इसमें मौजूद क्यूआर कोड के माध्यम से संपर्क विवरण डिजिटल रूप से साझा करने की सुविधा भी है, जिससे विजिटिंग कार्ड रखने की जरूरत खत्म हो जाती है। बयान के मुताबिक, ऐप में एक क्लिक के जरिये बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक, उपस्थिति प्रमाण के लिए चेहरा सत्यापन, प्रमाणीकरण इतिहास और क्यूआर आधारित संपादन योग्य कार्ड जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके साथ ही, उपयोगकर्ता ई-आधार डाउनलोड कर सकते हैं और आधार सेवा केंद्रों में जाने के लिए ऑनलाइन समय भी ले सकते हैं। नए ऐप के जरिये होटल में चेक-इन के दौरान होटल के क्यूआर कोड को स्कैन कर आधार की भौतिक प्रति दिए बगैर भी सत्यापन किया जा सकता है। प्राधिकरण ने कहा कि यह ऐप अस्पताल में भर्ती, आगंतुकों के प्रबंधन, आयोजनों में प्रवेश और अस्थायी कामगार (गिग वर्कर) एवं सेवा साझेदारों की पहचान सत्यापन जैसे कई उपयोग मामलों में मददगार है।

पेट्रोल-डीजल मार्जिन पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर से पार

नयी दिल्ली। सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के लाभ में सुधार की उम्मीद है। इसका कारण कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में होने वाला सुधार है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब हाल के पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। इसका कारण कच्चे तेल की कम कीमतें और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से वैश्विक तेल की कीमतों में उछाल आया, लेकिन देश में पेट्रोल पंप पर ईंधन की खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं। इसमें वृद्धि जरूरी बढ़ोतरी के मुकाबले बहुत कम रही। मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद भी, पेट्रोल पंप पर ईंधन के दाम लागत से कम थे। पेट्रोल और डीजल पर पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के संयुक्त मार्जिन के लिए हमारे अनुमान अब युद्ध-पूर्व स्तर से अधिक हैं। एलपीजी पर नुकसान अब भी अधिक है, लेकिन जल्द ही तेल की कीमतों के साथ इसमें भी कमी आनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल बजटः वित्तीय अनुशासन के बीच बनाया संतुलन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने 2026-27 के लिए राज्य का 4.38 लाख करोड़ रुपये का बजट सोमवार को पेश किया। तृणमूल कांग्रेस सरकार ने फरवरी में 4.06 लाख करोड़ रुपये का अंतरिम बजट (वोट-ऑन-अकाउंट) पेश किया था।

मई में सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का यह पहला पूर्ण बजट है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 15 वर्ष तक सत्ता में रहने के बाद हाल ही में संपन्न चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा सरकार ने अपने पहले बजट में कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता को राजनीतिक एवं प्रशासनिक पुनर्संरचना के साथ जोड़ने का प्रयास किया। इसमें एक लाख सरकारी रिक्तियां भरने और महंगाई भत्ते में 20 प्रतिशत की वृद्धि का वादा किया गया, साथ ही राजकोषीय अनुशासन की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। दासगुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (डीआर) को एक अक्टूबर से 20 प्रतिशत बढ़ाकर 38 प्रतिशत किया जाएगा। इस कदम से राज्य सरकार के कर्मचारियों को मिलने वाले डीए और उनके केंद्र सरकार के कर्मचारियों को मिलने वाले भत्ते में अंतर कम होकर 22 प्रतिशत रह गया है। यह एक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण घोषणा है, क्योंकि पिछली सरकार के दौरान इस मुद्दे पर सरकारी कर्मचारी लंबे समय से आंदोलन कर रहे थे। वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार को पिछली सरकार से 8.15 लाख करोड़ रुपये का कर्ज विरासत में मिला है। उन्होंने कहा कि राजकोषीय अनुशासन तथा राजकाज में जनता का विश्वास बहाल करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल होगा। भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासनिक ढांचे का निर्माण हमारे दृष्टिकोण का प्रमुख आधार है। हमें राजकाज में लोगों का भरोसा फिर से कायम करना होगा। उन्होंने घोषणा की कि पुलिस में 20,000 पद और स्कूलों में 50,000 शिक्षण एवं गैर-शिक्षण पद सहित एक लाख रिक्तियां चरणबद्ध तरीके से भरी जाएंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि 33 प्रतिशत नौकरियां महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, जबकि जहां लागू होगा वहां अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाएगा। सरकारी भर्तियों के लिए अधिकतम आयु सीमा, जिसे पहले ही पांच वर्ष तक बढ़ाया गया है, अगले दो वर्षों तक जारी रहेगी। दासगुप्ता ने कहा कि सभी मौजूदा सामाजिक कल्याण योजनाएं जारी रहेंगी। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक पहुंचे। जहां आवश्यकता होगी, वहां आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

भारत के संरचनात्मक सुधारों के लिए विश्व बैंक ने 1.5 अरब डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, 22 जून (भाषा) विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने निजी क्षेत्र आधारित रोजगार सृजन और आर्थिक वृद्धि को तेज करने के उद्देश्य से भारत के संरचनात्मक सुधारों के समर्थन के लिए 1.5 अरब डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दी है।

यह वित्तपोषण निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा कार्यक्रम के तहत दिया जा रहा है। इससे अगले दो दशकों में कार्यबल में शामिल होने वाले करीब 1.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार अवसरों के सृजन में मदद मिलने की उम्मीद है।

विश्व बैंक ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि यह कार्यक्रम हाल के वर्षों में किए गए सुधारों पर आधारित है, जिनमें कर प्रणाली का सरलीकरण, व्यापार एकीकरण, नियामकीय बदलाव और कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के उपाय शामिल हैं। विकास नीति वित्तपोषण के तहत उद्यमिता में बाधाओं को कम करने, खासकर महिलाओं की श्रम भागीदारी बढ़ाने, व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा व्यवसायों के लिए पूंजी तक पहुंच बेहतर करने की पहल को समर्थन दिया जाएगा। सरकार ने नवंबर, 2025 में 29 श्रम कानूनों को मिलाकर चार व्यापक श्रम संहिताएं लागू की थीं। इसका उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, पुराने प्रावधानों का आधुनिकीकरण और कारोबार के लिए अधिक प्रभावी ढांचा तैयार करने के साथ श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित करना है। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत निजी पूंजी को आकर्षित करने और रोजगार सृजन के लिए अपने सुधार एजेंडा पर अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है। डीपीएफ कार्यक्रम विश्व बैंक समूह की निजी क्षेत्र इकाई अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम के हालिया निवेशों के पूरक के रूप में भी काम करेगा, जो एमएसएमई और वंचित समुदायों, खासकर ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों की महिलाओं के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ाने पर केंद्रित हैं।

पेज एक का शेष

लखनऊ में

कि बचाव दल ने इस घटना में घायल कुल 22 लोगों को केजीएमयू पहुंचाया, जिनमें से 15 को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल द्वारा जारी सूची के अनुसार हादसे में मरने वालों की शिनाख्त सागर, नीलेश, अनामिका, संयम, अनुछा, सुखमणि, आदित्य श्रीवास्तव, ज्योति, भविष्य, अब्दुल रहमान, सूरज शाह, शाहजान, जयनिल चक्रवर्ती, मोहम्मद अम्मार और सुमाल्या के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने ट्रामा सेंटर में संवाददाताओं को बताया कि शवों का पंचनामा करके पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सूचना मिलने पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की।

मुख्यमंत्री अलीगढ का दौरा बीच में ही छोड़कर लखनऊ लौटे और घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। वह अस्पताल भी पहुंचे और घायल पीड़ितों से मुलाकात करके संवेदना प्रकट की।

अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे का शिकार हुई तीन मंजिला इमारत की स्थिति का जायजा लिया और इमारत की ऊपरी मंजिलों का दौरा भी किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ थे। अधिकारियों के अनुसार घटनास्थल का मुआयना करने के बाद आदित्यनाथ केजीएमयू पहुंचे और दुर्घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात करके उनका हाल जाना और उन्हें भरोसा दिलाया कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन और अधिकारियों को पीड़ितों का हर संभव बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों के मुताबिक आदित्यनाथ ने पुलिस महानिदेशक और अपर मुख्य सचिव (गृह) को घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लेने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले की तह में जाकर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

अलीगंज थाना इलाके में उषा मेहता मार्ग पर स्थित तीन मंजिला वाणिज्यिक इमारत में अपराह्न करीब तीन बजे आग लगी। आग पर काबू पाने के लिए कई दमकल वाहनों और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म वाली गाड़ी का इस्तेमाल किया गया। पुरनिया बाजार से चंद कदमों की दूरी पर स्थित यह इमारत अलीगंज के पॉश रिहायशी इलाके में है, जहां कोचिंग सेंटर और कैफे स्थित हैं।

स्थानीय भाजपा विधायक नीरज बोरा ने बताया कि हादसे में मरने वाले लोगों में से आधे स्थानीय निवासी थे। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि उनमें से ज़्यादातर लोगों की मौत जलने से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुई है। इमारत में बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था और शायद यही वजह है कि यह हादसा इतना बड़ा हो गया। विधायक ने कहा, यह इलाका और जानकीपुरम कोचिंग हब बन गए हैं इसीलिए मैं लगातार इस इलाके के लिए एक फायर स्टेशन की मांग कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार बचाव अभियान के दौरान आग में फंसे लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। कुछ लोगों को बॉडी बैग में लाया गया, जबकि कुछ को कंबल में लपेटा गया था और एम्बुलेंस में ले जाते समय वे बेहोश लग रहे थे।

उन्होंने कहा कि शवों और घायल लोगों को बगल की इमारत की छत से बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जाहिर करते हुए मृतकों के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, लखनऊ में अग्नि दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा कि इस हादसे के पीछे के कारणों की ईमानदारी से जांच हो। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे हादसों से बचने की कोशिश की जानी चाहिए। बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी घटना पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आज दोपहर बाद आग लगने की घटना में अनेक लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना अति-दुखद है। उन्होंने कहा, इस प्रकार की जानलेवा घटनायें दिल को दहलाने वाली होती हैं तथा कितने ही परिवार की उम्मीदों को बिखेर देती हैं। ऐसी दुखद घटनाओं की रोकथाम के लिये सबको मिलकर सही से काम करने की ज़रूरत है। सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप से काम नहीं चलेगा।

घायलों का हाल

दिया। सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर घटनास्थल पर पहुंचे और उस तीन मंजिला इमारत की स्थिति का जायजा लिया जिसमें यह भीषण आग लगी थी। उन्होंने इमारत की ऊपरी मंजिलों का भी दौरा किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ थे। अधिकारियों के अनुसार घटनास्थल का मुआयना करने के बाद आदित्यनाथ केजीएमयू पहुंचे और दुर्घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात करके उनका हाल जाना और उन्हें भरोसा दिलाया कि घटना के लिए जिम्मेदार किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन और अधिकारियों को पीड़ितों के लिए हर संभव बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने इस अग्निकांड में मारे गए लोगों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। अस्पताल में मुख्यमंत्री ने एक घायल महिला से बात की जिसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार अलीगंज की रहने वाली उस महिला ने आदित्यनाथ को बताया कि वह उसी इमारत में काम करती थी। चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि महिला के पैर की हड्डी टूट गई है। बयान के अनुसार योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर मौजूद कुछ चश्मदीदों से भी बातचीत की और घटना के बारे में जानकारी ली। लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को ऊषा मेहता मार्ग पर स्थित तीन मंजिल की एक व्यावसायिक इमारत में लगी भीषण आग में एक एनिमेशन सेंटर में पढ़ रहे कई छात्रों समेत कुल 15 लोगों की मौत हो गयी तथा सात अन्य जख्मी हो गये।

अमेरिका-ईरान समझौते में अड़चन, कमजोर मानसून से आर्थिक वृद्धि परिदृश्य पर पड़ेगा दबावःआरबीआई

मुंबई। अमेरिका-ईरान शांति समझौते में संभावित व्यवधान और दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमजोरी से भारत की आर्थिक वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर दबाव पड़ सकता है जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब भी नाजुक बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक बुलेटिन में सोमवार को यह आशंका जताई गई। जून माह के बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति शीर्षक से प्रकाशित लेख में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में अंतरिम शांति समझौता होने के बावजूद भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार से जुड़े गतिरोध कायम हैं। बुलेटिन के मुताबिक, अमेरिका एवं ईरान के बीच अस्थायी समझौते से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी कमजोर बना हुआ है। लेख में कहा गया, अगर यह समझौता टूटता है तो महंगाई के अनुमानों में उछाल, ऊर्जा आपूर्ति ढांचे में बाधा, निवेश में देरी, खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं और वित्तीय स्थिरता पर असर जैसे जोखिम फिर से बढ़ सकते हैं, जिससे वृद्धि दर पर भी दबाव आ सकता है। इस चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

अपनों को खोने

ने संवाददाताओं को बताया कि कुछ छात्रों ने तो केबल के सहारे कूदकर जान बचा ली लेकिन कई छात्र बाहर नहीं निकल सके और उनकी झुलसने से मौत हो गयी। उसने बताया, घटनास्थल पर पहुंचे एक अंकल ने बताया कि उनके बेटे ने उन्हें फोन करके बताया था कि कोचिंग सेंटर में आग लग गयी है, मुझे बचा लीजिये। इस पर अंकल यहां आये मगर वह चाहकर भी अपने बेटे को बचा नहीं सकते थे। वह पूरी तरह बेबस थे और रो रहे थे। यह बेबसी सिर्फ एक शख्स की नहीं थी, बल्कि भड़कती आग में अपनों के फंसे होने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचा हर व्यक्ति इसी लाचारी का सामना कर रहा था। एक छात्र ने बताया कि इमारत की छत का रास्ता बंद था जिससे आग में फंसे लोग बाहर नहीं निकल सके। घटनास्थल पर मौजूद धीरज मेहरा ने बताया कि उन्हें अपने साथी आदित्य श्रीवास्तव का फोन आया था। आदित्य इमारत के गेमिंग जोन में थ्रीडी आर्टिस्ट के तौर पर काम करते थे और तीसरी मंजिल पर फंस गए थे। लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को ऊषा मेहता मार्ग पर स्थित तीन मंजिल एक व्यावसायिक इमारत में लगी भीषण आग में एक एनिमेशन सेंटर में पढ़ रहे कई छात्रों समेत कुल 15 लोगों की मौत हो गयी तथा सात अन्य जख्मी हो गये। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग फैलते ही कई स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे और पुलिस व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। कुछ लोगों ने इमारत के शीशे तोड़ने की कोशिश की ताकि धुआं बाहर निकल सके और अंदर फंसे लोगों के लिए बाहर निकलने का रास्ता बन सके। कुछ चश्मदीदों ने बताया कि इमारत के भीतर छात्रों को फंसा हुआ देखकर कई लोगों ने मदद की कोशिश की। मौके की कुछ तस्वीरों में एक छात्र को आग की लपटों के बीच इमारत की एक मंजिल से गिरते हुए देखा गया। वह बाहर रखे गद्दे जैसी चीज पर गिरा, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे इलाज मुहैया कराया। आगरा में तैनात और फिलहाल लखनऊ मुख्यालय से जुड़े लांस नायक छवि राम भी घटनास्थल के पास से गुजर रहे थे और जानकारी मिलते ही वह भी बचाव कार्य में शामिल हो गए। छवि राम ने पीटीआई-भाषा से कहा कि उनके पेशेवर अनुभव को देखते हुए अधिकारियों ने उन्हें बचाव कार्य में शामिल किया। आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मियों की मदद के लिये आस-पास की इमारतों में रहने वाले लोग भी आगे आये और उन्हें पानी की बोतलें देते हुए देखा गया। दमकलकर्मी बगल की इमारत में पहुंचे और आग से घिरी इमारत में दाखिल होने के लिये दो रास्ते बनाये।

अलीगढ़ का

जाना पड़ रहा है। अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री ने घायलों के उचित इलाज के निर्देश दिये और इस अग्निकांड में अपने अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना भी प्रकट की। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि पुलिस महानिदेशक और अपर मुख्य सचिव (गृह) मौके पर जाकर घटना की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि इस मामले की तह में जाकर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने लिखा लखनऊ में अग्नि दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

सुथार ने काउंटी में चटकाये 7 विकेट

भारत के स्पिनर मानव सुथार ने समरसेट के खिलाफ इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप मैच में वॉरविकशर के लिए पारी में पांच विकेट सहित मैच में सात विकेट लिए

एजेंसी

टांटन। भारत के उभरते हुए स्पिनर मानव सुथार ने समरसेट के खिलाफ इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप मैच में वॉरविकशर के लिए पारी में पांच विकेट सहित मैच में सात विकेट चटकाए। वॉरविकशर के साथ दो काउंटी मैच खेलने के लिए अनुबंध करने वाले सुथार ने समरसेट की दूसरी पारी में 46.5 ओवर में 100 रन पर पांच विकेट चटकाने सहित मैच में सात विकेट हासिल किए। पहली पारी में सुथार ने 18 ओवर में 50 रन देकर दो विकेट हासिल किए थे। उन्होंने यॉर्कशर के खिलाफ काउंटी क्रिकेट में पदार्पण करते हुए चार विकेट (दोनों पारियों में दो-दो विकेट) लिए थे।

इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट पदार्पण करते हुए 10 विकेट हासिल करने वाले सुथार को टेस्ट प्रारूप में भारत का भविष्य माना जा रहा है। उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में अपने संक्षिप्त अभियान का अंत दो मैच में 11 विकेट के साथ किया। टांटन में मौजूदा मैच में समरसेट की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट ऑलराउंडर ब्यु वेबस्टर (23 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 208 रन पर सिमट गई। सुथार ने पहली पारी में दोनों पुछल्ले बल्लेबाजों को आउट किया। वॉरविकशर ने इसके जवाब में पहली पारी में 330 रन बनाए। सुथार ने 28 रन का योगदान दिया। उन्होंने पहले मैच में भी 33 और 37 रन की पारियां खेली थीं। पिच के बल्लेबाजी के लिए आसान होने पर समरसेट ने दूसरी पारी में 435 रन बनाए। सुथार ने तीन विकेट जल्दी चटकाकर समरसेट का स्कोर छह विकेट पर 148 रन कर दिया था

लेकिन टीम वापसी करने में सफल रही। वॉरविकशर को जीत के लिए 314 रन की दरकार है और उसने दो विकेट पर 34 रन बना लिए हैं। वहीं दूसरी ओर महिला टी20 विश्व कप से पहले ही दौर में बाहर होने के बाद मैदान से बाहर की गतिविधियों के लिये पाकिस्तानी टीम और मुख्य कोच वहाब रियाज की जमकर आलोचना हो रही है।

भारत, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद पाकिस्तान पहले दौर से ही बाहर हो गया था। टूर्नामेंट के दौरान टीम की तफरीह की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आलोचना हो रही है। पुरूष टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान राशिद लतीफ ने कहा कि हर कोई महिला क्रिकेट का समर्थन करना चाहता है और करना भी चाहिये लेकिन पाकिस्तानी महिला क्रिकेट आगे बढ ही नहीं रहा है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा, पाकिस्तान महिला टीम कई साल से खेल रही है और यह हैरानी की बात है कि आईसीसी टूर्नामेंटों में प्रदर्शन में कोई सुधार नहीं है। वीडियो में दिख रहा है कि सीनियर खिलाड़ी आलिया रियाज और उनके पति अली यूनिस के साथ खिलाड़ी रेस्त्रां में डिनर कर रहे हैं। अली पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वकार यूनिस के छोटे भाई हैं। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और महिला टीम के पूर्व कोच कबीर खान ने कहा, इन खिलाड़ियों को किसी सुविधा या अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर की कमी नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ी दबाव को झेलने के लिये मानसिक रूप से मजबूत नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ इस विश्व कप में कम स्कोर वाले मैचों को ही देख लो। उन्होंने कहा, अगर आप लगातार हारते रहे तो पाकिस्तान में महिला क्रिकेट आगे नहीं बढ सकेगा। वहीं दूसरी ओरमहिला खिलाड़ियों के लिये मातृत्व के बाद क्रिकेट में सुरक्षित और सुगम वापसी के लिये आईसीसी ने सोमवार को दिशा निर्देश जारी किये जिसमें वापसी से पहले 16 सप्ताह के विंडो में बच्चा होने के बाद शुरूआती रिकवरी, सुनियोजित अभ्यास और अनुकूलन शामिल होगा। महिला क्रिकेटरों के लिये रिटर्न टू प्ले पोस्ट प्रेगनेंसी गाइडलाइंस (मातृत्व के बाद मैदान पर वापसी के दिशा निर्देश) में छह आर ढांचा बनाया गया है जिसमें रेडी (तैयार), रिव्यू (समीक्षा), रेस्टोर (बहाली), रिकंडीशन (फिर से संगठित होना), रिटर्न (वापसी) और रिफाइन (परिष्कृत) शामिल हैं। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, इसमें जन्म के बाद शुरूआती रिकवरी, चिकित्सा और कल्याण समीक्षायें, सुनियोजित अभ्यास में धीरे धीरे वापसी, क्रिकेट संबंधी अनुकूलन, खेल में वापसी और लगातार मॉनिटरिंग शामिल है। इसमें खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद केस मैनेजर रखने की भी बात की गई है जो डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट होगा।

शुरूआती समीक्षा में एक मां के रूप में जीवन में आये बदलव से सामंजस्य बिठाने के लिये मनोवैज्ञानिक सहयोग शामिल है। इसके बाद दमखम बढाने के लिये अभ्यास कराया जायेगा। आठ सप्ताह इन समीक्षाओं के बाद खिलाड़ी डॉक्टर या फिजियो की मदद से दौड़ना शुरू करेगी। खिलाड़ी को मैदान पर वापसी की मंजूरी देने से पहले हर तरह के लक्षणों की जांच की जायेगी। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, किसी खिलाड़ी को मातृत्व और देश के लिये शीर्ष स्तर पर खेलने के बीच चयन नहीं करना पड़ा। आईसीसी के ये दिशा निर्देश खेल में सहयोगात्मक और सूचित वातावरण बनाने के लिये अहम कदम है। उन्होंने कहा, जैसे जैसे महिला क्रिकेट दुनिया भर में बढ़ रहा है, यह जरूरी है कि हम खिलाड़ियों की भलाई का ध्यान रखें, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बनाए रखें और मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए रास्ते मजबूत करें।

बुलंद हौसलों के साथ भारतीय महिला हैंडबॉल टीम चीन रवाना

लखनऊ। चीन के जिनझोंग में 24 जून से 4 जुलाई, 2026 तक होने वाली 25वीं आईएचएफ महिला जूनियर (अंडर-20) विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए चयनित भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम सोमवार को नई दिल्ली से रवाना हो गई। यह पहला अवसर है कि कि जब भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम विश्व चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी। इस चैंपियनशिप के लिए चयनित टीम में उत्तर प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सौम्या श्रीवास्तव को भी जगह मिली है।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया

- 24 जून से 4 जुलाई तक होगी आईएचएफ महिला जूनियर (अंडर20) विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप

(एचएआई) के महासचिव डा. तेजराज सिंह ने बताया कि टीम का विदाई समारोह सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। समारोह में एचएआई के महासचिव डा. तेजराज सिंह, कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय और दिल्ली हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव जसबीर सिंह बिस्ला ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। भारतीय टीम के मुख्य कोच सचिन चौधरी होंगे। एचएआई की अध्यक्ष श्रीमती अलका दास ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम का विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करना देश के लिए गर्व का क्षण है। यह खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों की प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। एचएआई कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने कहा कि कि अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल सर्किट पर भारत के प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है।

मुझे विश्वास है कि इस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ने में सफल होंगी। उन्होंने बताया कि चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने के लिए भारतीय टीम को कोई सरकारी वित्तीय सहायता नहीं प्राप्त हुई है। हालांकि पहली बार विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रचने वाली टीम की भागीदारी तय करने के लिए हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया (एचएआई) खिलाड़ियों और अधिकारियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। फिर भी कुछ आकस्मिक खर्च खिलाड़ियों और अधिकारियों को स्वयं वहन करने पड़ेंगे।

इस टीम में चयनित उत्तर प्रदेश की सौम्या श्रीवास्तव पिछले साल थाईलैंड में हुई आईएचएफ ट्रॉफी हैंडबॉल जूनियर बालिका कांटिनेंटल फेज टूनामेंट की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम की सदस्य रह चुकी है। उन्होंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण व कांस्य पदक भी जीते हैं। सौम्या श्रीवास्तव वर्तमान में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मोहम्मद तौहीद (राष्ट्रीय हैंडबॉल कोच) से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। भारतीय टीम में उनके चयन पर उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कार्यकारी महासचिव अमित पाण्डेय व कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों

- उत्तर प्रदेश की सौम्या श्रीवास्तव भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम में

ने बधाई देते हुए इसे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।

भारतीय टीम में चयनित खिलाड़ी सुजाता (दिल्ली), सौम्या श्रीवास्तव (उत्तर प्रदेश), प्रदन्या बालासो माने (महाराष्ट्र), अमृता (हरियाणा), स्वाति (बिहार), शिवानी देवी, मुस्कान, नेहा चौहान, कनिष्का, ऋद्धिमा, गरिमा (सभी हिमाचल प्रदेश), लविशा गहलावत (चंडीगढ़)।

शाहबाज ने राढ़ टाइगर्स को बंगाल लीग का पहला खिताब दिलाया

कोलकाता। कप्तान शाहाबाज अहमद ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए नाबाद 88 रन बनाए जिससे श्रची राढ़ टाइगर्स ने सोबिस्को स्मैशर्स मालदा को बारिश से प्रभावित मैच में डकवर्थ लुइस पद्धति से नौ रन से हराकर बंगाल टी20 लीग का अपना पहला खिताब जीता।

टीम इंडिया एईएसएफ पोकेमॉन यूनाईट स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रही

बैंकॉक। भारत एईएसएफ से मान्यता प्राप्त पोकेमॉन यूनाईट एशिया अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए एशिया की 11 राष्ट्रीय टीमों के बीच उपविजेता रहा। एशियाई इलेक्ट्रॉनिक खेल महासंघ (एईएसएफ) द्वारा मान्यता प्राप्त इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हांगकांग, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर, भारत, कजाखस्तान, किर्गिस्तान और नेपाल की राष्ट्रीय टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागी टीमों ने सबसे पहले 14 जून को ऑनलाइन क्वालीफिकेशन दौर में मुकाबला किया। टीम इंडिया अपने ग्रुप में शीर्ष पर रही और थाईलैंड के बैंकॉक में रविवार को हुए ग्रैंड फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। कप्तान अदनान मोहम्मद बादशाह की अगुवाई वाली भारतीय टीम में साईं कृष्णा नल्लूरी, दीपज्योति लक्ष्मण नाथ, रुद्र नारायण नायक, रूबेन गॉडफ्रे फर्नांडीस और दीपकुमार विपुलभाई पटेल शामिल थे। भारतीय टीम ने पहले दौर में सिंगापुर पर 2-1 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। इसके बाद भारत का सामना अपर ब्रैकेट सेमीफाइनल में जापान से हुआ लेकिन वे हार गए और लोअर ब्रैकेट में चले गए। टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए सिंगापुर को एक बार फिर हराया और फाइनल में जगह बनाई जिससे जापान के साथ दोबारा मुकाबला तय हुआ।

संक्षेप

सीनियर राष्ट्रीय तैराकी में आर्यन और सान्वी सर्वश्रेष्ठ

अहमदाबाद। गुजरात के आर्यन नेहरा और महाराष्ट्र की सान्वी देशवाल को 79वीं सीनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ तैराक चुना गया। इस चैंपियनशिप में कर्नाटक 334 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन बना। पुरुषों के वर्ग में आर्यन ने तीन स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक जीता। साथ ही उन्होंने दो राष्ट्रीय मीट रिकॉर्ड और एक सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रदर्शन भी दर्ज किया। सान्वी ने तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता। उन्होंने एक राष्ट्रीय मीट रिकॉर्ड और एक सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रदर्शन अपने नाम किया। इस चैंपियनशिप में कुल 22 नए रिकॉर्ड बने जिनमें पुरुषों के वर्ग में 10 और महिलाओं के वर्ग 12 रिकॉर्ड शामिल हैं।

विंबलडन की पूर्व चैंपियन वांद्रोसोवा चार साल के लिए निलंबित

लंदन। विंबलडन की पूर्व चैंपियन मार्केटा वांद्रोसोवा को सोमवार को डोपिंग रोधी परीक्षण से इनकार करने के कारण चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया। चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी ने कहा कि जब परीक्षण एजेंट ने बिना अपनी सही पहचान बताए देर रात उनके दरवाजे की घंटी बजाई तो उन्हें मानसिक तनाव और डर महसूस हुआ। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने यह घोषणा करते हुए कहा कि वांद्रोसोवा ने दिसंबर में परीक्षण कराने से इनकार कर दिया था और यह फैसला एक स्वतंत्र पंचाट ने लिया है। वर्ष 2023 में विंबलडन जीतने वाली वांद्रोसोवा उसी साल करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग (नंबर छह) पर पहुंची थीं। छब्बीस वर्षीय वांद्रोसोवा ने अप्रैल में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में परीक्षण नहीं करवा पाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। वांद्रोसोवा ने कहा था, मेरे लिए इस बारे में बात करना बहुत मुश्किल है लेकिन मैं अपनी मानसिक सेहत के बारे में आप लोगों के साथ खुलकर बात करना चाहती हूं। उन्होंने कहा, हाल ही में डोपिंग नियंत्रण वाली घटना इसलिए हुई क्योंकि महीनों के शारीरिक और मानसिक तनाव के बाद मैं बहुत अधिक परेशान हो गई थी।

अदिति संयुक्त 24वें स्थान पर मियु यामाशिता ने खिताब जीता

एजेंसी

बेलमोंट (अमेरिका)। भारत की अदिति अशोक यहां अंतिम दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से मायेर एलपीजीए क्लासिक टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर रहीं। अदिति का टूर्नामेंट में कुल स्कोर आठ अंडर रहा। पूर्व मेजर विजेता मियु यामाशिता ने प्ले ऑफ में लोटी वोड को पछाड़कर खिताब जीता। दोनों खिलाड़ियों का स्कोर 17 अंडर पार था जिसके बाद मियु ने पहले प्ले ऑफ होल में बर्डी के साथ खिताब अपने नाम किया।

अदिति शुरुआती दो दौर में तीन अंडर 36 के समान स्कोर से शीर्ष 10 में जगह बनाने की दावेदार थीं लेकिन आखिरी दो दौर में 71 के स्कोर से पिछड़ गईं। वहीं दूसरी ओर भारतीय महिला गोल्फरों ने लेडीज यूरोपीय टूर पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक किया जब दीक्षा डागर, अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स डच लेडीज ओपन में शीर्ष पांच में जगह बनाने में सफल रहीं। दीक्षा और अवनि आठ अंडर 208 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं जबकि प्रणवी ने सात अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से पांचवां स्थान हासिल किया।

दीक्षा मौजूदा सत्र में चौथी बार शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं जबकि अवनि ने लगातार दूसरे टूर्नामेंट में शीर्ष पांच में जगह बनाई। प्रणवी मौजूदा वर्ष में पहली बार शीर्ष पांच में शामिल रहीं। अवनि नौ अंडर के स्कोर से ओंचसिया उतामा के साथ प्ले ऑफ की दौड़ में शामिल थीं लेकिन 17वें होल में बोगी के कारण आठ अंडर के स्कोर पर आ गईं। उतामा ने प्ले ऑफ में नॉर्वे की डोर्थिया फोरब्रिड को पछाड़कर खिताब जीता।

दीक्षा और अवनि आठ अंडर 208 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं जबकि प्रणवी ने सात अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से पांचवां स्थान हासिल किया। दीक्षा मौजूदा सत्र में चौथी बार शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं जबकि अवनि ने लगातार दूसरे टूर्नामेंट में शीर्ष पांच में जगह बनाई।

प्रीतम ने 10 मीटर एयर राइफल में जूनियर विश्व खिताब जीता

एजेंसी

सुहल (जर्मनी)। भारत के युवा निशानेबाज प्रीतम केंद्रे ने अपने कौशल और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए रविवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता, जिससे उसके पदकों की कुल संख्या 11 हो गई। इनमें पांच स्वर्ण पदक भी शामिल हैं।

अपने दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग ले रहे 16 वर्षीय प्रीतम ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में 251.3 का स्कोर बनाकर तटस्थ खिलाड़ी टिमोफेई एलेनिकॉव और नॉर्वे के जेन्स ओस्टली को पीछे छोड़ते हुए भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। पुणे के इस निशानेबाज ने हाल ही में अपनी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की थी। प्रीतम ने कहा, मैं स्वर्ण पदक जीत कर बेहद खुश हूं। प्रतियोगिता के दौरान मेरा

पूरा ध्यान अपनी तकनीक और प्रत्येक शॉट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था। उन्होंने कहा, विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मैं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लगातार सुधार करना चाहता हूं और देश के लिए लगातार पदक जीतना चाहता हूं। प्रीतम और उनके साथी पीयूष शर्मा क्वालीफाइंग राउंड में क्रमशः 628.2 और 629.0 का स्कोर बनाकर क्रमशः तीसरे और पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे थे। प्रीतम दूसरी सीरीज के बाद छठे स्थान पर थे, जबकि पीयूष ने बढ़त बना ली थी। प्रीतम ने हालांकि इसके बाद अच्छा प्रदर्शन किया।

पीयूष ने भी पदक की उम्मीद बनाए रखी थी लेकिन वह चौथे एलिमिनेशन राउंड के बाद शीर्ष तीन में जगह बनाने से सिर्फ 0.1 अंक से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे। प्रीतम ने इसके बाद भी एकाग्रता बनाए रखी और आखिर में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम हालांकि रैंकिंग में जगह नहीं बना पाई क्योंकि टीम के तीसरे सदस्य अभिनव साव को अयोग्य घोषित कर दिया गया। उनके उपकरण आईएसएसएफ के मानकों पर खरे नहीं उतरे थे।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के टिकट 499 से 5500 के बीच

नयी दिल्ली। भारत में 17 साल बाद 17 से 23 अगस्त के बीच हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के 6000 टिकट 499 से 5500 रूपये के बीच उपलब्ध होंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ ने सोमवार को घोषणा की कि बुक माय शो इसका आधिकारिक टिकट साझेदार होगा। टिकटों की बिक्री सोमवार से शुरू होगी। टिकट 499 रूपये से उपलब्ध होंगे और छह श्रेणियों में खरीदे जा सकेंगे। निर्धारित समय तक प्रशंसकों को बाकी श्रेणियों के टिकटों पर 15 प्रतिशत छूट भी मिलेगी। प्रीमियर सीटें 5500 के टिकट पर मिलेंगी।

तलवार इंग्लिश ओपन में संयुक्त 12वें स्थान पर रहे

वॉरसेस्टरशर (इंग्लैंड)। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने मौजूदा साल का भारत के बाहर सर्वश्रेष्ठ नतीजा हासिल किया जब वह यहां इंग्लिश ओपन में संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर रहे।

मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया

एजेंसी

वैंकूवर। न्यूजीलैंड के डिफेंडर फिन सुरमन ने मिस्र के खिलाफ विश्व कप में 3-1 से मिली हार में पहला गोल दागकर स्कोरशीट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और बाद में इसे शानदार गोल करार दिया। इस हार के बाद न्यूजीलैंड सिर्फ एक अंक के साथ ग्रुप में सबसे नीचे आ गया है, लेकिन टीम अभी भी नॉकआउट राउंड में पहुंच सकती है। सुरमन के गोल की बदौलत न्यूजीलैंड ने मिस्र के खिलाफ काफी समय तक बढ़त बनाए रखी। साथी डिफेंडर टिम पेन की 15वें मिनट में कॉर्नर किक पर सुरमन ने हेडर से गोल किया। सुरमन ने कहा, मैंने वास्तव में बहुत बड़ी छलांग लगाई। निश्चित रूप से यह शानदार गोल था। मैं इससे काफी खुश हूं। हमने पहले हाफ में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। सुरमन ने बताया कि उनके माता-पिता इस मैच को देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थे।

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि वह इसको याद रखेंगे और इस पर उन्हें गर्व भी होगा। वहीं दूसरी ओर मोहम्मद सालाह के क्लब करियर का भविष्य अभी तय नहीं है, लेकिन वह मिस्र की टीम के साथ नित नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं और अपने देश की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के करीब पहुंच गए हैं। सालाह ने रविवार रात न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप में 3-।की जीत में अपना 68वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया जो अब मिस्र के मौजूदा कोच होसाम हसन के करियर रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल कम है। यह विश्व कप में उनका तीसरा गोल था। इससे पहले उन्होंने 2018 में रूस में खेले गए विश्व कप में दो गोल किए थे।

विश्व कप में तीन गोल करने के साथ ही 34 वर्षीय सालाह इस टूर्नामेंट में मिस्र की तरफ से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के लिए नौ सत्र तक खेले, जिसमें उन्होंने दो प्रीमियर लीग खिताब जीते। उन्होंने अब यह क्लब छोड़ दिया है और वह अब किस क्लब से जुड़ेंगे, इसको लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। फिलहाल उनका ध्यान विश्व कप में मिस्र की तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर टिकी हैं। वह टीम के कप्तान हैं और उनकी अगुवाई में मिस्र ने विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। सालाह ने कहा, आज जो हुआ वह हम मिस्रवासियों के लिए ऐतिहासिक है। हम कई टीमों को मैच जीतते हुए देखते हैं, लेकिन हम मिस्रवासियों के लिए ऐसा अक्सर नहीं होता। मिस्र के फुटबॉल इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है।

प्रो लीग में पाक पर लय बरकरार रखने उतरेगा भारत

एजेंसी

लंदन। ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड के खिलाफ रोमांचक जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के शुरुआती मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ इसी लय को बनाए रखने की कोशिश करेगी। भारत और पाकिस्तान 2024 में चीन के हुलुनबुइर में हुए एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी मुकाबले के बाद पहली बार एक-दूसरे का सामना करेंगे। उस मैच में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की बदौलत भारत ने 2-1 से

जीत हासिल की थी। भारत ने रोटरडम में चार में से दो मैच जीते। उन्होंने रविवार को रोटरडम चरण के आखिरी मैच में मेजबान और दुनिया की दूसरे नंबर की टीम नीदरलैंड को 3-2 से हराया। भारत को दूसरी जीत (3-1) मौजूदा विश्व चैंपियन और दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के खिलाफ मिली। अन्य दो मैच में भारत को नीदरलैंड

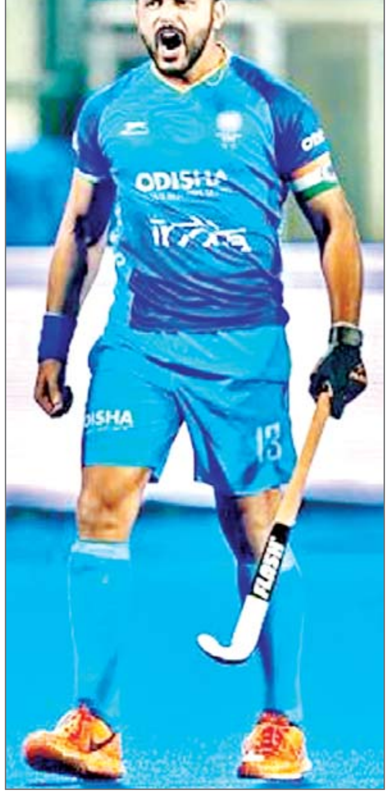

के खिलाफ 2-3 जबकि जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम के लिए नीदरलैंड चरण का अनुभव बहुमूल्य रहा है। टीम इस टूर्नामेंट का इस्तेमाल इस साल होने वाली दो बड़ी प्रतियोगिताओं एफआईएच विश्व कप और एशियाई खेलों (जो ओलंपिक क्वालीफायर भी है) से पहले अपनी कमियों को सुधारने के लिए कर रही है।

नौ टीम वाली प्रो लीग तालिका में भारत अभी आठवें नंबर पर है। वे अपने अगले प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से आगे हैं जिसने टूर्नामेंट में अब तक एक भी अंक हासिल नहीं किया है। भारत का अगला मुकाबला बृहस्पतिवार को इंग्लैंड से होगा और फिर शुक्रवार को वे अपने दूसरे चरण के मैच में फिर से पाकिस्तान का सामना करेंगे। दो जीत और दो हार के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के घरेलू चरण के मुकाबले यूरोपीय चरण में अब तक काफी बेहतर खेल दिखाया है। घरेलू चरण में भारत चार मैच में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाया था।

घरेलू चरण के दौरान भारत ने चार मैच में 19 गोल खाए और सिर्फ पांच गोल किए। इसे देखते हुए भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन यूरोपीई चरण मे अपनी टीम के प्रदर्शन से काफी संतुष्ट होंगे जहां उन्होंने बेहतर रैंकिंग वाली टीमों को कड़ी टक्कर दी। लेकिन मंगलवार के मैच में भारतीय खिलाड़ियों को अपनी भावनाओं पर काबू रखना होगा क्योंकि भारत-पाकिस्तान का कोई भी मुकाबला बहुत तनावपूर्ण होता है और दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को देखते हुए इसमें दोनों देशों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी होती है। कोच फुल्टन के लिए ये सभी मैच विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए एक मजबूत टीम तैयार करने के मकसद से अपने संसाधनों और बेंच स्ट्रेंथ को परखने का एक जरिया हैं। फुल्टन ने कहा, नीदरलैंड चरण में हमने अच्छा प्रदर्शन देखा। हमने तैयारी पर काफी मेहनत की थी और प्रदर्शन में निरंतरता देखकर अच्छा लग रहा है।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर उन्होंने कहा, हमारे लिये यह जरूरी है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच को बाकी मैचों की तरह ही देखें। यदि ऐसा कर सके तो नतीजा खुद ब खुद पक्ष में रहेगा। लेकिन मैच के आखिर में गोल खाना भारत के लिए एक समस्या बनी हुई है। नीदरलैंड के खिलाफ 3-1 से आगे होने के बावजूद उन्होंने 59वें मिनट में एक गोल खा लिया जिससे मैच का नतीजा करीबी रहा। हरमनप्रीत, जुगराज सिंह और राजिंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलना भारत की ताकत रही है लेकिन फुल्टन अपनी अग्रिम पंक्ति से अधिक मैदानी गोल की उम्मीद करेंगे जिसमें मनदीप सिंह और दिलप्रीत सिंह जैसे सीनियर खिलाड़ी शामिल हैं। भारत के सबसे अधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ी मनप्रीत सिंह, उप कप्तान हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद ने मिडफील्ड को बहुत अच्छे से संभाला है लेकिन रक्षापंक्ति को अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। दूसरी ओर पाकिस्तान के लिए प्रो लीग का सत्र बहुत खराब रहा है।

ईरान-अमेरिका की बातचीत रही सफल

स्विट्जरलैंड में हुई बातचीत में अमेरिका, ईरान 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते के लिए रूपरेखा पर सहमत

इस्लामाबाद/ज्यूरिख। मध्यस्थता करने वाले देशों कतर और पाकिस्तान ने सोमवार को बताया कि स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में घंटों चली बातचीत के बाद अमेरिका व ईरान एक रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं। इस रूपरेखा का मकसद 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते पर पहुंचना है। उन्होंने इस प्रगति को उत्साहजनक बताया। मध्यस्थों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुई। संयुक्त बयान में कहा गया, आगे की तकनीकी बातचीत के लिए एक तंत्र बनाने सहित उत्साहजनक प्रगति हुई है।

रविवार और सोमवार को स्विट्जरलैंड में लेक ल्यूसर्न समिट में हुई उच्च-स्तरीय बातचीत, उस इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत हुई, जिस पर बृहस्पतिवार को अमेरिका और ईरान ने क्षेत्रीय सुरक्षा और अन्य विवादित मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए हस्ताक्षर किए थे। अमेरिकी दल का नेतृत्व जहां उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया, वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वहां की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने भी बातचीत में हिस्सा लिया और चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद की। एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद पहली उच्च स्तरीय समिति बैठक, यानि लेक ल्यूसर्न समिट के समापन पर जारी संयुक्त बयान में मध्यस्थों ने कहा कि ईरान, अमेरिका, पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधियों ने समझौते के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की। इसमें कहा गया है कि एमओयू के आधार पर, पक्ष एक उच्च स्तरीय समिति बनाने पर सहमत हुए हैं, जो मध्यस्थता पर राजनीतिक निगरानी रखेगी। समिति मुख्य वार्ताकारों से नियमित रिपोर्ट प्राप्त करेगी और एमओयू के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने तथा कार्यढांचा के अंतर्गत शामिल मुद्दों की प्रगति की निगरानी करने के लिए परामर्श, प्रतिबंध और विवाद समाधान तंत्र पर केंद्रित विशेष कार्य समूहों की देखरेख करेगी। संयुक्त बयान में कहा गया है, उच्च स्तरीय समिति 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए एक रूपरेखा पर सहमत हो गई है, जिससे आगे की तकनीकी बातचीत तुरंत शुरू करने की नींव पड़ी है। इसमें यह भी कहा गया है कि एमओयू में बताई गई अवधि के दौरान, घटनाओं और गलतफहमी को रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को आसान बनाने के लिए दोनों पक्षों के बीच एक खास संपर्क माध्यम बनाया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कूनो में चीता मित्रों से की बातचीत

श्योपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में चीता मित्रों से बातचीत कर दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वाले स्थलीय जीव चीते के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली।

एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति को चीता संरक्षण, उनके व्यवहार और चीतों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट चीता में चीता मित्रों की स्वैच्छिक भूमिका की सराहना की। चीता मित्र विशेष रूप से प्रशिक्षित स्थानीय स्वयंसेवक हैं, जिनमें मुख्य रूप से सहरिया जनजाति के सदस्य शामिल हैं। वे कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के संरक्षण और समुदाय के साथ समन्वय का कार्य करते हैं। अधिकारी ने बताया कि स्वयंसेवकों ने राष्ट्रपति को बताया कि केएनपी से लगे सभी गांवों में चीता मित्र मौजूद हैं और वे लोगों को चीता संरक्षण तथा उनके व्यवहार के बारे में जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को यह भी समझाया जाता है कि चीते स्वाभाविक रूप से मनुष्यों को नुकसान नहीं पहुंचाते। यदि किसी आबादी वाले क्षेत्र या खेत में चीता दिखाई दे तो उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग को तुरंत सूचना दी जानी चाहिए। अधिकारी ने कहा कि भारत में चीतों को दोबारा बसाने के लिए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर सिलोरी, हथेड़ी, सेसईपुरा, पालपुर, पारा, कराहल और मोरावन गांवों के चीता मित्र मौजूद थे इस दौरान वन विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) शुभरंजन सेन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने रविवार को कूनो राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया। उन्होंने चीता कमान एवं नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया और चीतों की निगरानी तथा ट्रैकिंग व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने प्रोजेक्ट चीता की प्रगति को दर्शाने वाली प्रदर्शनी भी देखी।

संक्षेप

खरगे, राहुल ने लखनऊ में आग की घटना में कई छात्रों की मौत पर दुख जताया

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने के कारण कई छात्रों की मौत पर सोमवार को दुख जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने की दुखद घटना में कई लोगों की जान चली गई है, जो बेहद पीड़ादायक व हृदयविदारक है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। कांग्रेस पार्टी सभी शोकसंतप्त परिवारों व घायलों के साथ है। मैं दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा घायलों के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पीड़ितों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा व राहत प्रदान की जानी चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, लखनऊके कोचिंग सेंटर में आग लगने के हादसे में कई लोगों की मृत्यु और कई अन्य के घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने ईरान के सुरक्षा अधिकारी से मुलाकात की

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने सोमवार को ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी कादिर निजामपुर के साथ पश्चिम एशिया के सुरक्षा परिदृश्य समेत विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की।

ईरान की शक्तिशाली सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) में रक्षा मामलों के उप सचिव निजामपुर ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली आए हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा, दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने ब्रिक्स के तहत एक दूसरे को दिए जा रहे सहयोग और भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा की। अमेरिका के साथ शांति समझौता होने के बाद ईरान के किसी वरिष्ठ अधिकारी की यह पहली भारत यात्रा है। ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मंगलवार को क्षेत्र के सुरक्षा परिदृष्य पर गहन चर्चा करेंगे। सम्मेलन औपचारिक रूप से सोमवार को शुरु हुआ है।

शिवसेना (उबाठा) के 6 बागी सांसद शिवसेना में शामिल, शिंदे ने ऑपरेशन टाइगर को बताया सफल

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) के सभी छह बागी लोकसभा सदस्य सोमवार को मुंबई में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ शिवसेना में शामिल हो गए, जिससे उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी में औपचारिक रूप से विभाजन हो गया। नयी दिल्ली में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की संसदीय दल की एक अहम बैठक में शामिल न होने के पांच दिन बाद, शिंदे और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में एक कार्यक्रम में बागी सांसद शिवसेना में शामिल हुए। शिवसेना (उबाठा) संसदीय दल की बैठक में केवल तीन लोकसभा सदस्य शामिल हुए थे।

पाला बदलने वाले शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सदस्य हैं: संजय देशमुख (यवतमाल), संजय जाधव (परभणी), संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर पूर्व), नागेश पाटिल-आष्टीकर (हिंगोली), ओमप्रकाश राजे निंबालकर (धाराशिव) और भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी)। उन्होंने 2024 के आम चुनावों में भाजपा और शिवसेना के उम्मीदवारों को हराया था। शिवसेना (उबाठा) ने 2024 के आम चुनाव में महाराष्ट्र में नौ लोकसभा सीटें जीती थीं। ये लोकसभा सदस्य अब उस असली शिवसेना में शामिल हो गए हैं, जो दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की सीख का पालन करती है। चार साल पहले मैंने एक कड़ा कदम उठाया था और अब मैंने छक्का मारा है (यह उन सांसदों की संख्या की ओर इशारा है, जिन्होंने पाला बदला है)। मैंने पहले (जून 2022 में शिवसेना में विभाजन) दिवंगत बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों और शिवसेना को बचाने के लिए ऐसा किया था।

जयशंकर ने की प्रगति की समीक्षा

उलानबातर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मंगोलियाई विदेश मंत्री बैटसेटसेग बटमुंख से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विकास परियोजनाओं, क्षमता निर्माण, सुरक्षा एवं बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में उलानबातर पहुंचे जयशंकर ने मंगोलियाई विदेश मंत्री से मुलाकात को लेकर प्रसन्नता जतायी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, हमारी चर्चाओं में हमारे रणनीतिक साझेदारी की गर्मजोशी, मजबूती और संभावनाओं की झलक मिली। हमने विकास परियोजनाओं, क्षमता निर्माण, संस्कृति, शिक्षा, सुरक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग की प्रगति की समीक्षा की।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारूतः ।।

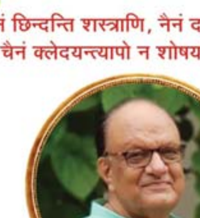

''तृतीय पुण्यतिथि''
श्री कौशल किशोर त्रिवेदी जी
जन्मतिथि : 26 दिसम्बर 1946, पुण्यतिथि : 22 जून 2023
आपकी मधुर स्मृतियां पथ प्रदर्शक हैं । आपसे मिला स्नेह हमारी धरोहर है ।
आपके आदर्श मार्गदर्शक हैं और आपके आशीर्वचन प्रेरणा के स्रोत ।
आपका स्नेहाशीष पहले से कहीं ज्यादा अनुभव करते हैं ।
''आप सदैव साथ हैं''
—: विनयावनत् :—
निशांक-शैली | विमला त्रिवेदी | शशांक त्रिवेदी
आशुतोष-आभा | | विधायक
डॉ. निखिल त्रिवेदी | | सौम्या त्रिवेदी
डॉ. यशोवर्धन, शौर्यवर्धन, नंदिका, अवंतिका, अंबालिका, अनन्या
एवं समस्त परिवार
निवास : ब्रह्मावली, महोली, सीतापुर

स्टॉर्मर: भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में अहम भूमिका निभायी

लंदन। ब्रिटेन में वर्ष 2024 की जुलाई में भारी जीत के साथ प्रधानमंत्री चुने गए मानवाधिकार मामलों के वरिष्ठ अधिवक्ता केअर स्टॉर्मर ने भारत के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिलाने का वादा किया था। सोमवार की सुबह लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की सीढ़ियों से अपने इस्तीफे की घोषणा करने से कुछ दिन पहले ही, उन्होंने फ्रांस में जी-सात शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी जहां दोनों नेताओं ने एफटीए को लागू करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई तय की थी।

अब जब भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) लागू होने वाला है (जिससे दोनों देशों के बीच 48 अरब पाउंड के व्यापारिक रिश्ते को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है) तब ब्रिटेन को नया नेता मिल जाने की उम्मीद है। पिछले साल अक्टूबर में मुंबई दौरे के दौरान स्टॉर्मर ने कहा था, यह सिर्फ कागज का एक टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह विकास के लिए एक लांच पैड (प्रस्थान बिन्दु) है। वर्ष 2028 तक भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और उनके साथ व्यापार के तेज और सस्ता होने के साथ, ऐसे कई बेमिसाल मौके हैं जिनका फायदा उठाया जा सकता है। केअर स्टॉर्मर को ब्रिटेन का प्रधानमंत्री इसलिए चुना गया था ताकि वे एक सुरक्षित और विश्वसनीय नेतृत्व प्रदान कर सकें, जो कंजर्वेटिव पार्टी के शासनकाल के दौरान रहे सालों के राजनीतिक गतिरोध और अराजकता को समाप्त कर सके। हालांकि, उनका कार्यकाल दो साल से भी कम समय में समाप्त हो रहा है। इसके पीछे कई गलतियां, पार्टी की भीतरी कलह और फैसले लेने में एक ऐसी भारी चूक रही, जिसने अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जेफरी एपस्टीन से जुड़े घोटालों में उलझा दिया। जबकि वह कभी एपस्टीन से मिले भी नहीं थे और जिसके यौन अपराधों में उनकी कोई संलिप्तता नहीं थी। सोमवार को स्टॉर्मर ने एक भावनात्मक बयान में कहा कि वह सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के नेता का पद छोड़ रहे हैं, हालांकि आगामी दिनों में लेबर पार्टी का नया नेता चुने जाने तक वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा, मेरी पार्टी अब यह सवाल पूछ रही है कि क्या मैं अगले आम चुनाव में हमारा नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हूं या नहीं। मैंने इस सवाल पर अपने संसदीय दल का जवाब सुन लिया है, और मैं उस जवाब को पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करता हूं। मैनचेस्टर विश्वविद्यलय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉब फोर्ड ने कहा कि स्टॉर्मर का यूएसपी (मुख्य खासियत) यह था कि अब कोई नाटकीय राजनीति नहीं होगी।

इंटरटेनमेंट...

पुष्पा-2 भगदड़ मामला, सुनवाई स्थगित

मुंबई। हैदराबाद के संध्या थिएटर हादसे के मामले में नामपल्ली कोर्ट ने एक्टर अल्लू अर्जुन पर सुनवाई स्थगित कर दी है। एक्टर सोमवार को कोर्ट में वर्चुअली पेश हुए। हालांकि कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया था। लेकिन अल्लू अर्जुन की लीगल टीम ने मुंबई में फिल्म की शूटिंग चलने के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ने की अनुमति मांगी थी। पुलिस ने इस मामले की चार्जशीट में अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 बनाया है। दिसंबर 2024 में 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी। कोर्ट ने भीड़ प्रबंधन में लापरवाही और सुरक्षा फेल होने के इस मामले की सुनवाई के लिए अभिनेता समेत अन्य आरोपियों को 22 जून को खुद हाजिर होने का आदेश दिया था। चार्जशीट में आरोपी नंबर 11 बने अल्लू अर्जुन पुलिस ने इस हादसे को लेकर कोर्ट में एक विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। अठक की रिपोर्ट के मुताबिक, इस चार्जशीट में कुल 23 लोगों को नामजद किया गया है। इसमें संध्या थिएटर के मैनेजमेंट से जुड़े लोगों को आरोपी नंबर 1 से 10 (अ1 से अ10) बनाया गया है, जबकि अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 (अ11) के रूप में लिस्ट किया गया है।

> कोर्ट ने भेजा था समन, चार्जशीट में आरोपी नंबर 11 बनाया; महिला की हुई थी मौत

कोर्ट ने मामले में आगे बढ़ते हुए 19 आरोपियों को नोटिस जारी किया है और उन्हें अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया है। दिसंबर 2024 में हुआ था हादसा यह पूरा मामला 4 दिसंबर 2024 का है। उस समय हैदराबाद के संध्या थिएटर में फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज के मौके पर एक बेनिफिट शो का आयोजन किया गया था। इस शो के दौरान थिएटर परिसर में क्षमता से अधिक लोग जमा हो गए थे। स्थिति अनियंत्रित होने की वजह से वहां भारी भगदड़ मच गई। इस हादसे में रेवती नाम की एक महिला की जान चली गई थी, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था।

नेटफ्लिक्स पर आयेगा समय रैना का विवादित शो

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स अपने कंटेंट को लेकर एक बार फिर विवादों में घिर सकता है। नेटफ्लिक्स ने स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना के साथ एक नए कोलैबरेशन की घोषणा की है, जिसके तहत उनके बेहद विवादित माने जाने वाले शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन को प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है। अनफिल्टर्ड और कई बार संवेदनशील मुद्दों का मजाक उड़ाने के लिए आलोचना झेलने वाले समय रैना का यह शो 20 जून से स्ट्रीम होगा। नेटफ्लिक्स द्वारा इस तरह के विवादित शो को प्रमोट करने के फैसले पर आने वाले दिनों में सवाल उठ सकते हैं। इससे पहले इस प्लेटफॉर्म पर 'लॉकअप 2' जैसे विवादित शो भी 27 जून से प्रीमियर होने वाला है। स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना का विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' का सीजन-1 विवादों के चलते बंद किया गया था। तब इस शो में पेरेंट्स पर की गई टिप्पणी कि देशभर में आलोचना हुई थी। अब नेटफ्लिक्स जैसे प्लेटफॉर्म द्वारा इसे प्रमोट करने से इस तरह के अनफिल्टर्ड कंटेंट को और बढ़ावा मिलने की आशंका जताई जा रही है। भारतीय ओटीटी बाजार में लगातार फ्लॉप शो देने के बाद नेटफ्लिक्स अब अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए विवादित कंटेंट का सहारा ले रहा है।

> फ्लॉप शोज के बीच क्या अस्तित्व बचाने के लिए विवादित शोज का सहारा; लॉकअप-2 जैसे शो ला चुका

रणबीर-आलिया की फिल्म 'लव एंड वॉर' के सेट पर हादसा

मुंबई। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' के सेट पर बड़ा हादसा हुआ है। मुंबई की फिल्म सिटी के रॉयल पंप स्टूडियो में शॉर्ट सर्किट के कारण 42 वर्षीय कारपेंटर चंद्रधारी सिंह यादव की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के समय सेट पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट शूटिंग कर रही थीं।

> कारपेंटर की करंट लगने से मौत हादसे के वक्त सेट पर थीं आलिया भट्ट

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने भंसाली प्रोडक्शंस की तरफ से घोषित 40 लाख रुपए के मुआवजे को बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने की मांग की है ताकि मृतक के बच्चों की पढ़ाई सुरक्षित हो सके। इस फिल्म का डायरेक्शन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। लगातार 20 घंटे काम करने का दावा एफडब्ल्यूआईसीई के जनरल सेक्रेटरी अशोक दुबे ने इस घटना के बाद वर्कर्स के काम के घंटों पर सवाल उठाए हैं। चंद्रधारी सिंह यादव हादसे से पहले लगातार तीन दिनों से बेहद कड़े शेड्यूल में काम कर रहे थे। वे सुबह 7 बजे से अगले दिन सुबह 3 बजे तक ड्यूटी पर थे। फेडरेशन का कहना है।

कॉमेडी फिल्मों में अक्षय ने बनाये हैं रिकॉर्ड

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार जल्द फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगे। फिल्म 26 जून को रिलीज होगी। गौरतलब है कि अक्षय पिछले दो दशकों में कई कॉमेडी फिल्मों में नजर आए हैं। कॉमेडी फिल्मों में उनकी पहचान साल 2000 में रिलीज हुई हेरा फेरी से मिली।

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ सुनील शेट्टी और परेश रावल भी थे। करीब 7.5 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में करीब 21 करोड़ रुपए का बिजनेस किया और बाद में कल्ट क्लासिक बनी। फिल्म के बाद अक्षय की इमेज एक्शन हीरो के साथ-साथ कॉमेडी एक्टर के रूप में भी स्थापित हुई। इसके बाद वह आवारा पागल दीवाना, मुझसे शादी करोगी, गरम मसाला और दीवाने हुए पागल जैसी कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। वहीं, फिल्म गरम मसाला के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट एक्टर इन कॉमिक रोल अवॉर्ड मिला था। आज भी फिल्म के सीन के मीम सोशल मीडिया पर खूब बनाए जाते हैं। फिर वह फिर हेरा फेरी, भागम भाग, हे बेबी, वेलकम, भूल भुलैया, दे दना दन और खट्टा मीठा में नजर आए, जिनमें अक्षय की कॉमिक टाइमिंग और एक्टिंग लोगों को बहुत पसंद आई। 2010 में शुरू हुई हाउसफुल फ्रेंचाइजी ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। इस सीरीज ने दुनियाभर में 1089 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस किया। हाउसफुल (2010) ने दुनियाभर में 124 करोड़ रुपए, हाउसफुल 2 (2012) ने 186 करोड़ रुपए, हाउसफुल 3 (2016) ने 195 करोड़ रुपए और हाउसफुल 4 (2019) ने 296 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए।

> सबसे ज्यादा? 100 करोड़ क्लब में फिल्में जल्द वेलकम टू द जंगल में दिखेंगे

BABU BANARASI DAS
EDUCATIONAL GROUP
NBA NATIONAL BOARD of ACCREDITATION
BBDNIIT (056)- CSE, IT & B.PHARM
BBDITM (054)- CSE, ECE & IT
12500+ More than 1500+ Companies have already hired our Students!
Job offers & still continuing since last 4 years ...
BBD UNIVERSITY Host University for KHELO INDIA
ADMISSION OPEN 2026-2027
BBD UNIVERSITY | www.bbdu.ac.in
COURSES OFFERED
• Engineering • Management • Legal Studies • Pharmacy • Architecture
• Dental Science • Computer Applications • Basic Sciences • Education
• Hotel Management • Agricultural Sciences • Media & Communication • Ph.D. in all Disciplines
Meritorious Scholarships Offered
Highest Package 48.00 LPA Microsoft
Dream Placement 44.15 LPA amazon
Dream Placement 28.88 LPA Google
Courses available in Collaboration with IBM and HCL GUVI
NEW COURSES
Courses in Collaboration with HCL GUVI
B.TECH (CSE) Generative AI | MBA - AI | IMBA - AI
BBA - Marketing | M.TECH (CSE) - AI
BBDCODS www.bbdcods.edu.in | BDS Bachelor of Dental Surgery (4 Year Course & 1 Year Rotatory Internship) | M.D.S/Ph.D In all 9 Specialties
BBDITM | AKTU CODE - 054 | www.bbditm.ac.in
B.TECH [CSE, CSE(AI), CSE(AI&ML), CSE(DS),IT, ECE, ME, EE,CE] MBA & M.TECH
BBDNIIT | AKTU CODE - 056 | www.bbdniit.ac.in
B.TECH [CSE,CSE(AI&ML),CSE(AI), IT,ECE, EE, ME,CE] M.TECH, MBA
B.PHARM. M.PHARM. D.PHARM BTEUP CODE- 2746
SCHOLARSHIP @25% All 4 Years in EE, ME, CE and ECE in AKTU Colleges
AMENITIES
Auditorium (1000+ Seating Capacity) | Student's Mall & Cafeteria | Transport & Health Services | Lord Siddhi Ganesha Temple | In Campus Bank and ATM | AC & Non-AC Hostels | BCCI Approved Cricket Stadium | BBD 90.8FM Channel | 24x7 Security & Wifi | Fully Wifi Campus
TOP RECRUITERS
amazon Google IBM adani zomato Grab accenture tcs pwc Microsoft Infosys HARMAN paytm EY Capgemini NEWGEN wipro accenture
BBD Green City, Ayodhya Road, Lucknow, Uttar Pradesh - 226028 India.
www.bbdu.ac.in 0522-6196300/6196222

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी (पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com